हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • सोमवार • 21.04.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 267 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

केंद्रीय गृह सचिव 25 अप्रैल को आएंगे झारखंड

रांची : केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन 25 अप्रैल को झारखंड के दौरे पर आएंगे। वे रांची में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान मादक पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए किए गए विशेष कार्य या पहल सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। गृह विभाग ने इसके लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक में पुलिस मुख्यालय की तरफ से भी प्रजेंटेशन दिया जाना है।

बेंगलुरु में रिटायर्ड डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या

बेंगलुरु : कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की रविवार को हत्या हो गई है। यह घटना बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट में रविवार शाम को हुई। कहा जा रहा है कि उनकी पत्नी पल्लवी ने ही उनकी हत्या की है। पारिवारिक कलह के चलते पत्नी ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पत्नी ने खुद ही पुलिस को इसकी सूचना दी। एक अधिकारी ने कहा कि राज्य के पुलिस विभाग के मुखिया रहे अधिकारी की हत्या से सभी हैरान हैं। 68 साल के ओम प्रकाश अपनी रिटायरमेंट के बाद बेंगलुरु में अपने घर में रह रहे थे। उनकी पत्नी के साथ अनबन चल रही थी। कहा जा रहा है कि मानसिक संतुलन खो चुकी पत्नी ने रविवार शाम को ओम प्रकाश की हत्या कर दी और फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी। एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन में इस घटना का मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए होसुर रोड स्थित सेंट जॉन्स अस्पताल ले जाया गया है।
साल 1981 बैच के 68 वर्षीय आईपीएस अधिकारी बिहार के चंपारण के मूल निवासी थे और उन्होंने भूविज्ञान में एमएससी की डिग्री हासिल की थी। उन्होंने अग्निशमन दल और होम गार्ड के डीजीपी के रूप में सेवाएं दी थीं। उन्हें एक मार्च, 2015 को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था। हत्या के बाद ओम प्रकाश की पत्नी ने खुद ही पुलिस को फोन करके जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस खून से लथपथ रिटायर्ड अधिकारी को देखकर हैरान रह गई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी और बेटी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हत्या की वजह पारिवारिक झगड़ा हो सकता है।

आसमान में बिखरी सूरज की किरणें, एयर शो में सूर्य किरण टीम का अद्भुत प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के नामकुम स्थित आर्मी ग्राउंड खोजा टोली में आयोजित एयर शो में भारतीय वायु सेना ने अद्भुत प्रदर्शन से दूसरे दिन रविवार को दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही आयोजित एयर शो का समापन हो गया। रविवार होने की वजह से स्कूल और कॉलेजों में अवकाश के चलते एयर शो को देखने के लिए छात्र-छात्रा और युवा पहुंचे थे। उनके साथ उनके अभिभावकों की भी उपस्थिति देखी गयी। एयर शो में नौ फाइटर जेट्स सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम के जांबाजो के हैरतअंगेज करतब को देखकर उपस्थित लोगों में काफी उत्साह देखा गया। वहीं जब विमान की गर्जना आकाश में सुनाई दी तो दर्शकों ने भारत माता के जयकारों से फिजा को गुंजायामान कर दिया।
एयर शो के दौरान सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम आसमान में मनोहर एवं हैरतअंगेज कारनामे से सब को हैरत में डाल दिया। रांची के आसमान में वायु सेना के विमान ने तिरंगे को लहराया। भारतीय वायु सेवा के ये विमान पांच मीटर की दूरी बनाते हुए एक साथ उड़ान भरते नजर आए। अलग-अलग दिशाओं से अपनी गति और अनुशासन का प्रमाण देते हुए अलग-अलग आकृतियां आसमान में बनाया। इसके अलावा विमान उल्टी उड़ान भरते भी नजर आए। टीम के पायलट, भारतीय वायु सेवा के बेहतरीन फाइटर पायलट हैं। टीम ने छह महीने कठिन परिश्रम कर अपनी तैयारी पूरी की थी। इस भव्य कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी मेहनत और समर्पण के कारण यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। एयर शो में सूर्यकिरण टीम की रोमांचकारी करतबों ने लोगों का मन मोह लिया।

सूर्य किरण टीम की रोमांचकारी करतबों ने लोगों का मोहा मन

फॉर्मेशन फ्लाइंग : टीम के विमान एक सटीक फॉर्मेशन में उड़ते हुए, डायमंड, एरोहेड या विक फॉर्मेशन किया यह करतब टीम के पायलटों के बीच उत्कृष्ट समन्वय और संचार कौशल का प्रदर्शन करता है।
एयरोबेटिक मैन्यवर्स : टीम के पायलट विभिन्न एयरोबेटिक करतब जैसे कि लूप्स, रोल्स, स्पिन्स और इमेलमन टर्न्स किया। ये करतब विमान की गति को प्रदर्शित करते हैं।
क्रॉसओवर और इंटरसेप्ट : टीम के विमान एक दूसरे के करीब से गुजरते हुए विभिन्न पैटर्न्स में उड़े। यह करतब टीम के पायलटों के बीच उच्च स्तर की जागरूकता और नियंत्रण का प्रदर्शन करता है।
स्मोक ट्रेल्स : टीम के विमान स्मोक ट्रेल्स छोड़ते हैं, जो आसमान में रंगीन धुएं के निशान बनाते हैं। यह करतब प्रभाव को बढ़ाया और दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव कराया।
सोलो और सिंक्रोनाइज्ड मैन्यवर्स : टीम के पायलट सोलो और सिंक्रोनाइज्ड करतब किया, जो उनकी व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं। इनके अलावा भी कई करतब इस एयर शो में देखने को मिला। सूर्यकिरण टीम के द्वारा इन शानदार प्रदर्शन न केवल दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि भारतीय वायु सेना की क्षमताओं और कौशल को भी प्रदर्शित किया। यह टीम देश के लिए गर्व का प्रतीक है और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, न्यायाधीश आनंदा सेन और उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं जिला के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए।

स्पेन से सीएम हेमन्त और कल्पना ने दी ईस्टर की बधाई

रांची : पूंजी निवेश और तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करने के लिए स्पेन और स्वीडन की यात्रा पर गए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और कल्पना सोरेन ने रविवार को वहां से ईसाई धर्मावलंबियों को ईस्टर की बधाई दी। अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर उन्होंने अपने खूबसूरत तसवीर भी पोस्ट की है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 11 सदस्यीय टीम दोनों देशों की यात्रा पर गए हैं। हालांकि अभी तक वहां उद्योगपतियों, निवेशकों के साथ किसी उच्चस्तरीय बैठक की जानकारी नहीं दी गयी है।

एससी पर टिप्पणी को लेकर भड़के इरफान अंसारी, बोले-

निशिकांत दुबे लोकतंत्र के अपराधी, तत्काल बर्खास्त हों

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जामताड़ा : झारखंड सरकार के मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. इरफान अंसारी ने रविवार को जामताड़ा में आयोजित प्रेस वार्ता में गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे पर तीखा हमला बोला। सुप्रीम कोर्ट को लेकर दुबे द्वारा की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए डॉ. अंसारी ने इसे ₹भारतीय लोकतंत्र पर सीधा प्रहार₹ बताया और सांसद की तत्काल बर्खास्तगी की मांग की। डॉ. अंसारी ने कहा, निशिकांत दुबे का बयान न केवल सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक बुनियाद को भी कमजोर करता है। भाजपा अब न्यायपालिका को भी अपनी कठपुतली बनाना चाहती है—यह बेहद खतरनाक संकेत है।
उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जातिगत जहर फैलाकर संविधान और न्याय प्रणाली को बदनाम करने की साज़िश कर रही है। यदि देश आज नहीं जागा, तो भाजपा कानून और व्यवस्था को भी खरीद लेगी, उन्होंने चेतावनी दी।

40 लाख के इनामी चार नक्सली गिरफ्तार

कमांडों की हत्या समेत गंभीर मामलों में रहे शामिल

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के पल्ली जंगल में पुलिस ने सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल और 40 लाख रुपये के इनामी चार कट्टर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलवादियों की पहचान सेलू मुडेला उर्फ रघु, उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला और जंसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता के रुप में की गई है। इनमें मुडेला पर 20 लाख रुपये, खराटम पर 16 लाख रुपये, तलंदी और गावड़े पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था।
पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने रविवार को जानकारी दी कि चारों नक्सलवादी ताडगांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पल्ली के एक जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। इसकी भनक लगते ही ताडगांव पुलिस स्टेशन की टीम ने इन चारों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक छानबीन में पता चला है कि चारों इस साल 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान सी-60 कमांडो की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। पुलिस के अनुसार सैलू मुडेला उर्फ रघु प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दक्षिण गढ़चिरौली डिवीजन का हिस्सा था। जैनी खराटम उर्फ अखिला भामरागढ़ एरिया कमेटी में थी, जबकि जांसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े भामरागढ़ एलओएस का हिस्सा थे।
पुलिस के मुताबिक सैलू मुडेला 77 मामलों में शामिल था, जिसमें 34 मुठभेड़, आगजनी की सात घटनाएं, 23 हत्याएं शामिल हैं, जबकि खरातम का नाम 29 मामलों में है, जिसमें 18 मुठभेड़, आगजनी की तीन घटनाएं और चार हत्याएं शामिल हैं। जांसी तलंदी कुल 14 अपराधों में शामिल रहा है, जिसमें 12 मुठभेड़ और एक हत्या शामिल है।

जन शिकायतों का हो समाधान, सरकार कर रही सर्वजन की राह आसान

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा झारखण्ड के सभी जिलों के लिए जनहित में लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (PGMS), कॉल सेंटर के माध्यम से लागू की गई है।

- PHH/AAY कार्ड बनवाने एवं नाम जुड़वाने से संबंधित
- सफेद कार्ड बनवाने, नाम जुड़वाने एवं रद्द करवाने से संबंधित
- ग्रीन कार्ड बनवाने, नाम जुड़वाने एवं रद्द करवाने से संबंधित
- राशन कार्ड की प्रविष्टियों में सुधार से संबंधित
- PHH/AAY राशन कार्ड रद्द करने से संबंधित
- धोती साड़ी योजना से संबंधित
- दाल-भात योजना से संबंधित
- नमक वितरण योजना से संबंधित
- चीनी वितरण योजना से संबंधित
- चना दाल वितरण योजना से संबंधित
- एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना (ONORC) से संबंधित
- धान अधिप्राप्ति योजना से संबंधित
- पदाधिकारी के विरुद्ध शिकायत
- डीलर के विरुद्ध शिकायत
- DSD ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध शिकायत
- डीलर द्वारा दर्ज की गई शिकायत
- राशन कार्डधारी को कम राशन मिलने से संबंधित
- राशन कार्ड धारी को राशन नहीं मिलने से संबंधित
- राशन कार्डविहीन अन्न का अभाव से संबंधित
- विभागीय NIC/आहार पोर्टल से संबंधित
- बायोमेट्रिक मशीन (e-pos) से संबंधित
- राशन उठाव हो जाने पर मोबाइल में SMS नहीं आने से संबंधित
- E-KYC से संबंधित
- खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले से संबंधित अन्य शिकायतें

राज्य के नागरिक उपरोक्त विषयों के संबंध में निम्न माध्यमों एवं निम्न नंबरों पर सोमवार से शनिवार (10am to 5pm) तक सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

1967 & 1800-212-5512
pgms.dfcajharkhand.in
+91-896-958-3111
pgms@dfcajharkhand.in

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR- 350448 (Directorate of Food and Consumer Affairs) 25-26
खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड सरकार

भाजपा-जद(यू) गठबंधन 'अवसरवादी' नीतीश ने 'कुर्सी' के लिए बदला पाला : खड़गे

एजेंसी

बक्सर : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि नीतीश कुमार कुर्सी के लिए पाला बदलते हैं और भाजपा तथा सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जद(यू)) के बीच गठबंधन 'अवसरवादी' है।
खड़गे बक्सर के दलसागर स्टेडियम में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली में बोल रहे थे, जिसमें उन्होंने लोगों से इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव में जद(यू) को सत्ता से बाहर करने तथा 'महागठबंधन' दलों को सत्ता में लाने का आग्रह किया।
उन्होंने कहा, नीतीश कुमार तथा भाजपा के बीच गठबंधन अवसरवादी है। यह राज्य के लोगों के लिए अच्छा नहीं है। नीतीश कुमार सिर्फ कुर्सी के लिए पाला बदलते हैं। जद(यू) प्रमुख ने महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा से हाथ मिला लिया है।
उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार के लिए ₹1.25 लाख करोड़ के वित्तीय वादे के बारे में भी बात की, जिसके बारे में खड़गे ने दावा किया कि यह वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है।
उन्होंने कहा, बिहार के लोगों को नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 अगस्त, 2015 को बिहार के लिए ₹1.25 लाख करोड़ के पैकेज का जो वादा किया था, उसका क्या हुआ? मोदी जी झूठ की फैक्ट्री चला रहे हैं।
उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सत्तारूढ़ गठबंधन विकास के बजाय विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति पर ध्यान केंद्रित करता है, उन्होंने कहा कि संसद के बजट सत्र में सबसे अधिक चर्चा का विषय वक्फ बिल था। उन्होंने कहा, मोदी जी और भाजपा नेताओं को लगता है कि अगर हिंदू और मुस्लिमों के बारे में बात करके और जनता को गुमराह करके वोट हासिल किए जा सकते हैं, तो काम करने की क्या जरूरत है? नेशनल हेराल्ड मामले को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह कांग्रेस नेतृत्व पर राजनीतिक हमला करने का एक और प्रयास है। हमारे नेता डरे नहीं जा सकते। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस - भाजपा का वैचारिक-संगठनात्मक अभिभावक - समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के खिलाफ है।
उन्होंने दावा किया, वे गरीबों, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ हैं... वे (आरएसएस-भाजपा) समाज की बेहतरी के बारे में नहीं सोच सकते। वे जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने में विश्वास करते हैं। उन्होंने दावा किया, संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए भाजपा और आरएसएस की साजिश है।

एक नजर

कुंज बिहारी साहू को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर लोगों ने दी बधाई

बड़कागांव : कुंज बिहारी साहू को तेली साहू समाज संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर समाज के लोगों ने प्रसन्नता जाहिर की व बधाई दी है। कुंज बिहारी साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू को आभार व्यक्त किया है ।कहा कि मैं पूरी ईमानदारी के साथ समाज के लिए कार्य रहूंगा। बधाई देने वालों में रामविलास साहू ,अयोध्या साहू, र्जुन साव, मुखिया महेश साव , पूर्व मुखिया तपेश्वर साव, गणेश प्रसाद गुप्ता,लखन प्रसाद, पूर्व मुखिया चंद्रिका साव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि चंदर साव , मुखिया दिनेश साह , पूर्व जिला अध्यक्ष नंदलाल साव, जिला संयोजक रणधीर साहू व अन्य शामिल है।

बेटियों की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व : श्रेया केडिया

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच की इकाई प्रेरणा शाखा की ऑनलाइन बैठक रविवार को हुई ।इस बैठक में मुख्य रूप से मंडल वन सहायक मंत्री श्रेया केडिया जुड़ी। इस अवसर पर आगामी 25 से 28 अप्रैल को पूरे झारखंड राज्य में चार दिवसीय कन्या-भ्रूण संरक्षण अभियान को सफल बनाने एवं इसके तहत जागरूकता अभियान, शिक्षा के लिए कन्याओं को गोद लेकर शिक्षा का खर्च उठाने, नवजात शिशु के लिए किट वितरण करने तथा सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने मौके पर कहा कि बेटियों की रक्षा करना हम सब का नैतिक दायित्व है। बेटी नहीं तो बहू कहां से लाओगे और बेटी नहीं तो कलाई पर राखी किससे बंधावाओगे जैसे मुद्दों पर मारवाड़ी युवा मंच की प्रेरणा, जागृति, समर्पण ,सुरभि शाखाएं पूरे प्रदेश भर में इस कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए समय-समय पर अभियान चला रही है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय और प्रांतीय इकाई के द्वारा कन्या भ्रूण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अलावा अमृतधारा, पर्यावरण संरक्षण, गौ सेवा व स्वास्थ्य सेवा जैसे कार्यक्रम चला रही है। सारिका लड्ढा ने आगे कहा कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में टीम भावना एवं सेवा और सहयोग की भावना से एक आधार स्तंभ बनाने में प्रेरणा शाखा जुटी है और समय-समय पर समाज के सहयोग से कई कार्यक्रमों को धरातल पर उतरने का कार्यक्रम किया है।

मरकच्चो में गड्ढा खोदो अभियान शुरू

कोडरमा : मरकच्चो प्रखंड के तेलोडीह पंचायत में बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत रविवार को गड्ढा खोदो अभियान का शुभारंभ बीडीओ हुलास महतो की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर बीडीओ हुलास महतो ने कहा कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी हम सबों की है। उन्होंने यह भी कहा कि मरकच्चो प्रखंड में इस योजना के तहत 104 लाभुकों का चयन किया जा चुका है। इस योजना के तहत ग्रामीण स्तर पर आम बागवानी लगाकर जीवकोपार्जन का जरिया बनाया जा रहा है। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो, बी पी टी संजय राम, भागीरथ ठाकुर, लाभुक सीताराम सहित कई लाभुक उपस्थित थे।

पढ़ लिखकर अच्छे अधिकारी बनकर राज्य व देश की सेवा करें विद्यार्थी : अन्नपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/कोडरमा : जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित मंजुला शर्मा मेमोरियल प्लस टू विद्यालय में दिन बीते शनिवार को समय 11:00 बजे 11वीं वार्षिक कार्यक्रम सह स्थापना दिवस आयोजित की गई। वार्षिक कार्यक्रम सह स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद थी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधानसभा के विधायक मनोज यादव हुआ सेवानिवृत पुलिस महानिरीक्षक बोकारो जोन लक्ष्मण प्रसाद सिंह, सरस्वती विद्या मंदिर तथा डीपीएस हजारीबाग के अध्यक्ष श्रद्धानंद मौजूद थे। कार्यक्रम में सबसे पहले शिक्षिका मंजुला शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित श्रद्धांजलि लेकर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। वार्षिक कार्यक्रम सह विद्यालय स्थापना दिवस संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोडरमा पहले से बहुत ही बेहतर है यहां के बच्चे देश में अधिकारी बन अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं समृद्ध भारत में छात्र-छात्राओं का बहुमुखी योगदान है उनका मानना है की छात्रा ही देश के भविष्य हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यालय अध्यक्ष डॉ. (प्रो.).के.पी शर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने डोमचांच में इतने अच्छे विद्यालय का निर्माण किया है और विद्यालय के बच्चे काफी अनुशासित है तथा इन्होंने पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन किया है। मैं अभिभावकों से अपील करना चाहूंगी कि आप अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा देकर उन्हें एक सभ्य नागरिक बनाएं। विद्यालय के छात्र-छात्राएं पढ़ लिखकर अच्छे अधिकारी बनकर राज्य व देश की सेवा करें। वही कार्यक्रम को संयुक्त रूप से बरही विधायक मनोज यादव, सेवानिवृत पुलिस महानिरीक्षक बोकारो जोन, सरस्वती विद्या मंदिर तथा डीपीएस हजारीबाग के अध्यक्ष श्रद्धानंद ने कहा कि आज के बच्चे में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है बस उसे निकालने की आवश्यकता है डोमचांच में इस तरह का विद्यालय होना हम लोगों के लिए गर्व की बात है। यहां के बच्चे मेहनत करके अच्छा मुकाम हासिल कर देश नाम इतिहास रचे। वार्षिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा बढ़कर गानों में नृत्य कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. (प्रो.) के.पी शर्मा ने की। विद्यालय के की निदेशक रजनीश कुमार ने विद्यालय के सभी अतिथियों का स्वागत कर विद्यालय के विषय में ध्यान आकर्षित कराया ।वही कार्यक्रम का संचालन अभिषेक कुमार पांडेय ने किया। सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन स्कूल के प्राचार्य राम प्रवेश पांडेय ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान कर किया गया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक भालचंद पांडेय, शिवकुमार साव, राकेश रौशन, अलख सिंह, रीता कुमारी, राजन कुमार, कुमुदिनी लकड़ा, आर्ची, प्रीति कुमारी, नेहा, मधु ,अंजलि, सुजाता के अलावे अन्य शिक्षक कर्मचारी व स्कूली बच्चों को अभिभावक तथा अगल-बगल के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

जंगली हाथियों का कहर, एक परिवार का घर किया ध्वस्त

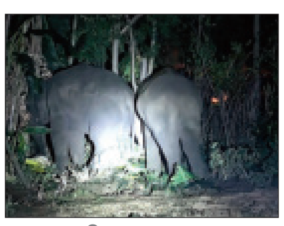

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के भंडारों पंचायत अंतर्गत बेहराबाद गांव में शनिवार की शाम लगभग सात बजे उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब हाथियों के एक झुंड ने गांव में धावा बोल दिया। हाथियों ने गांव की कई संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। हाथियों का सबसे बड़ा हमला ग्रामवासी मसोमात कौशल्या देवी पति स्वर्गीय टिको रविदास के घर पर हुआ। हाथियों ने उनके कच्चे मकान को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। घर की दीवारें गिरा दी गईं और अंदर रखा सारा सामान एवं अनाज बर्बाद हो गया। इस हमले में पीड़ित परिवार बेघर हो गया है और आर्थिक नुकसान झेल रहा है। इसके अलावा तेतरिया भंडारों गांव निवासी अर्जुन यादव के घर में भी हाथियों ने तोड़फोड़ मचाई। उनकी खिड़की को नुकसान पहुंचाया गया और घर में रखे अनाज को खा गए। घटना के बाद पूरे गांव में डर का माहौल है। ग्रामीणों ने रात भर आग जलाकर और छतों पर चढ़कर रात बिताई। लोगों ने पूरी रात जागकर पहरा दिया ताकि हाथियों को गांव से बाहर खदेड़ा जा सके। घटना की जानकारी मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि सकलदेव यादव मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर क्षतिग्रस्त घर व संपत्ति का जायजा लिया। उन्होंने वन विभाग से तत्काल मुआवजा देने की मांग की है और कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए स्थायी समाधान निकाला जाना जरूरी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के बढ़ते उत्पात पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

जनता का विश्वास ही मेरी ताकत है, रविवार हो या त्योहार, सेवा के लिए सदैव तत्पर हूं : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जनसेवा को सर्वोपरि मानने वाले हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि एक सच्चा जनप्रतिनिधि हर दिन, हर घड़ी अपने क्षेत्र की जनता के लिए समर्पित रहते है। रविवार, जो आमतौर पर अवकाश का दिन होता है, उस दिन भी श्री प्रसाद सुबह 7:00 बजे अपने सेवा कार्यालय में पहुंच गए और जनता दरबार के तहत लोगों से मुलाकात शुरू कर दी। विधायक से मिलने के लिए जैसे ही कार्यालय के द्वार खुले, देखते ही देखते लोगों की लंबी कतार लग गई। हर उम्र, हर वर्ग के लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे,किसी को पेंशन में विलंब की शिकायत थी, कोई बिजली-पानी की समस्या लेकर आया, तो कोई अपने इलाके की सड़कों की जर्जर हालत से परेशान था। विधायक श्री प्रसाद ने न केवल प्रत्येक व्यक्ति की बात ध्यानपूर्वक सुनी, बल्कि कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर जनप्रतिनिधि सक्रियता का परिचय भी दिया। आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों को फोन पर निर्देशित किया तथा कुछ मामलों में व्यक्तिगत रूप से फॉलोअप करने का भरोसा भी दिया। इस दौरान कार्यालय में उपस्थित लोगों ने विधायक की कार्यशैली और समयबद्धता की सराहना की। आम जनमानस का कहना था कि ऐसे समय में जब अधिकतर नेता केवल औपचारिकता निभाते हैं, विधायक श्री प्रसाद वास्तव में जनसरोकार को प्राथमिकता देते हुए निरंतर सक्रिय हैं। विधायक ने कहा की जनता ही जनप्रतिनिधि की असली शक्ति होती है। जब लोग अपनी समस्याएँ लेकर आते हैं, तो उनका समाधान करना मेरा धर्म है। रविवार हो या कोई अन्य दिन, मेरा कार्यालय जनता के लिए हमेशा खुला है। इस बात का प्रमाण है कि प्रदीप प्रसाद न केवल अपने क्षेत्र की समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं।

आरजेएसएस के रजत जयंती के अवसर पर बैजनाथ पासवान के प्रतिमा का किया गया अनावरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सतगावां : पहलवान आश्रम भखरा में राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान के रजत जयंती वर्ष की पूर्ण होने के शुभ अवसर पर भूमि दता के अभिभावक स्वर्गीय बैजनाथ पासवान के प्रतिमा का अनावरण विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री डॉक्टर नीरा यादव के कर कमलों द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य सतगावां नीतू कुमारी, प्रमुख प्रतिनिधि रामोतार चौधरी, उप प्रमुख मनोज कुमार निराला, कटिया पंचायत के मुखिया सुशीला देवी, अनीता देवी मुखिया बसोडीह पंचायत सुनील सिंह, मुखिया माधोपुर गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि नीरा यादव विधायक कोडरमा के आगमन पर उनका स्वागत किया गया । तत्पश्चात विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री डॉक्टर नीरा यादव के द्वारा मूर्ति का अनावरण किया गया। इस मौके पर सभी उपस्थित अतिथियों के द्वारा प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अंग वस्त्र एवं पुष्प की माला से सम्मानित किया गया। इस मौके पर भूमि दाता सातों मंच पर सभी अतिथि भाइयों को अतिथियों के द्वारा पगड़ी, अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवनाथ पासवान जो स्वर्गीय बैजनाथ पासवान के पुत्र है उन्होंने उनके जीवनी के बारे बताते हुए कहा कि स्व० वैजनाथ पासवान उर्फ पहलवान बाबा का संक्षिप्त जीवन गाथा 15-07-1930 को एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाले अपने तीन भाई और एक बहन में सबसे छोटे थे। उनके पिता का नाम स्वर्गीय बंधु पासवान एवं माता का नाम मतनी देवी था। वो बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। और संघर्षशिल थे सामाजिक चेतना उनके जेहन में जन्म से ही था परिवार को कैसे एकत्रित करना है दबे कुचले लोगों को कैसे मदद करना चाहिए इस पर अपने साथ-साथ अपने सगे संबंधी और परिवार के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी बताते रहते थे।

कबड्डी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने किया मंत्री से मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला में कोडरमा जिला कबड्डी संघ द्वारा आगामी 22,23 एवं 24 अप्रैल को आयोजित होने वाली कोडरमा प्रो कबड्डी लीग सीजन 1 हेतु संघ के अध्यक्ष संदीप कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष तौफीक हुसैन,भीसचिव धर्मेन्द्र कुमार सिंह एवं सह सचिव विजय कुमार साहू प्रतिनिधि मंडल झारखण्ड सरकार के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू झारखंड सरकार से राज्य स्तरीय बालक एवं बालिका वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन में शामिल होने के लिए उनके गृह जिला गिरिडीह में स्थित आवास जाकर मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता के पूर्व कबड्डी एसोसिएशन द्वारा सभी टीम के फ्रेंचाइजी, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, टीम मैनेजर एवं कोच उसके लिए जर्सी लॉन्चिंग और ट्रॉफी लॉन्च एवं ट्रॉफी टूर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जो कोडरमा जिला ही नहीं बल्कि राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बनेगा क्योंकि इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी, कोच शामिल हो रहे हैं।

45 झारखंड बटालियन का 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन सांस्कृतिक संध्या में बिखरे रंग ग्रुप हैडक्वाटर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी विजय कुमार सेना मेडल की नेतृत्व में आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार की संध्या एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय वन सेवा की अधिकारी सौमित्रा शुक्ला तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा के प्राचार्य अयोध्या कुमार, झुमरीतिलैया नगर परिषद के सिटी मैनेजर लेमांशु कुमार, क्लोरोफिल के निदेशक अजय अग्रवाल, अधिवक्ता अरुण ओझा,आरएसएस के जिला संपर्क प्रमुख दिलीप सिंह, व्याख्याता मनोज यादव राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा,रोटरी क्लब कोडरमा के पूर्व अध्यक्ष विकास कुमार सेठ, पत्रकार आलोक सिन्हा, पत्रकार जाबाज शोएब, विजय कुमार इलेक्ट्रिसिटी विभाग, विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम मे एनसीसी कैडेट्स ने पारंपरिक नृत्य, नाटक, कविता पाठ और देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कैडेट्स के अनुशासन, समर्पण और प्रतिभा की प्रशंसा की। इस अवसर पर शिविर के डिप्टी कैंप कमांडेंट व्याख्याता सर एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट संतोष कुमार राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा के द्वारा मंच से हृदयस्पर्शी शब्दों में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 45 झारखंड बटालियन के कमान अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व में शिविर केवल प्रशिक्षण का नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह अनुभव रहा। यहाँ हर प्रशिक्षक,और हर कैडेट ने जो समर्पण दिखाया, वह अत्यंत प्रेरणादायक रहा। मैं विशेष रूप से हमारे मुख्य अतिथि सौमित्रा शुक्ला और विशिष्ट अतिथि अयोध्या कुमार प्राचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा, सिटी मैनेजर लेमांशु कुमार, विजय कुमार इलेक्ट्रिसिटी विभाग एवं समस्त परमानेंट इंस्ट्रक्टर समस्त सूबेदार समस्त एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, मुख्य अतिथि सुमित्रा शुक्ला साहब जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हमें प्रोत्साहित किया।

संक्षिप्त खबरें

चार अलग-अलग सड़क हादसा, कई घायल

चौपारण : प्रखण्ड में सड़क दुर्घटना का दौर लगातार जारी है, पर थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश की अगुवाई में चौपारण पुलिस के त्तपरता से घायलो को तुरंत अस्पताल पहुंचाने से मौत के आंकड़े में कमी देखने को मिल रही है। लगातार तीसरे दिन भी प्रखण्ड में चार सड़क दुर्घटना हुई। पहली घटना में चौपारण बाजार में एक ट्रेलर एक दुकान में अनियंत्रित होकर जा घुसा। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेलर केवलिया से महराजगंज जा रहा था इसी क्रम में जीटी रोड में चौपारण चट्टी के लोहार पट्टी के समीप अनियंत्रित हो कर एक पूजा दुकान में घुस गया। गनीमत यह रहा की इस घटना में कोई हाताहत नहीं हुआ। वहीं घटना के बाद लोगो को कहते सुना गया की रोड पर अतिक्रमण और नियम को ताख पर रख सड़क पर गाडी लगाना मुख्य कारण है। वहीं दूसरी घटना बसरिया के ककरौला के पास घटी जहां घुमावदार सड़क में तेज रफ्तार बाइक का नियंत्रण खोने से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। सूचना पर चौपारण पुलिस ने सभी घायलों को आपदा मित्र के एम्बुलेंस से सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया और इलाज करवाया। घायलो का पहचान नाम वीरेंद्र कुमार पिता बबली कुमार, संजू कुमार, राहुल कुमार ग्राम नगंवा इटखोरी के रूप में हुई। तीसरी घटना दुनवा घाटी में शराब के नशे में धुत टेम्पू चालक का नियंत्रण खोने से हुआ। नियंत्रण खोने से टेम्पू पलट गया। जिसे स्थानीय लोगों ने टेम्पू उठाकर चालक को अस्पताल भेजवाया। नशे में धुत चालक ने अपना नाम मो० जहांगीर शाह पिता मो० रियाज शाह ग्राम + थाना आंती, गया बिहार बताया। वही चौथी घटना सिंघरावा में घटी जहां एक ट्रेलर पलट गया।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल राहुल कुमार राणा का इलाज के दौरान मौत

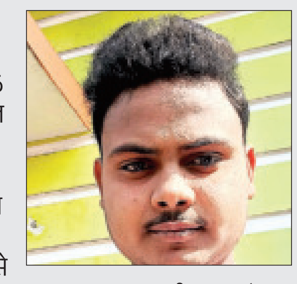

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत के ग्राम आरहरा टीपी 5 निवासी सड़क दुर्घटना में घायल 26 वर्षीय राहुल कुमार राणा की इलाज के दौरान मृत्यु हो गया। बताते चले की 16 अप्रैल को बड़कागांव आईडीबीआई बैंक शाखा बड़कागांव के नजदीक बड़कागांव हजारीबाग मुख्य सड़क में दो मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई थी। जिससे राहुल कुमार राणा गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसका इलाज रांची अस्पताल में चल रहा था। पर काफी गंभीर चोट लगने के करण डॉक्टर के लाख प्रयास के बावजूद उसकी नीति हो गई। बताते चले की बचपन में ही इनके पिता स्व शिवनाथ राणा की मृत्यु हो गया था। राहुल एनटीपीसी के अंतर्गत शिवा शक्ति कन्वेयर बेल्ट में काम करता था। जिससे परिवार का भरण पोषण होता था। वर्ष 2023 में चमेली कुमारी से विवाह हुआ जिससे 16 माह का बच्चा है। अब घर पर 75 वर्ष के बुढ़ी दादी, सरिता, बहन एक भाई है। घटना की खबर सुनकर कृष्णा राम सांसद सह प्रतिनिधि इनके धैर्य देने इनका घर पहुंचा घर वाले का रो रो कर बुरा हाल है। साथ ही कृष्ण राम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोटरसाइकिल सावधानी से काम स्पीड में चलाए और साथ ही साथ अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।

ओरपरता में बह रही भक्ति की ब्यार, भारी संख्या में शामिल हो रहे है श्रद्धालु

बरही : बरही प्रखंड के ओरपरता गांव में भक्ति की ब्यार बह रही है। शुक्रवार से नौ दिवसीय श्री श्री 1008 शिव परिवार एवं विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। शनिवार को पंचाग पूजन, आचार्यवरन, मंडप प्रवेश, जलाधीवास, संध्या आरती के बाद प्रवचन कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। जिसका उद्घाटन प्रधान पुजारी परमेश्वर यादव के द्वारा विधिवत फीता काटकर किया गया। कथा वाचिका देवी प्रेम सखी के द्वारा रामचरित्र मानस पर कथा सुना रही है। कथा का रसपान कराते हुए कथा वाचिका देवी प्रेम सखी ने कहा कि महात्म्य का अर्थ है परिचय। जब तक हम किसी ग्रन्थ के बारे में जानकारी हासिल नहीं करेंगे तब तक उस ग्रन्थ से प्रेम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रामायण कोई किस्सा कहानी नहीं अपितु मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम चंद्र के जीवन का दर्पण है। इसे हम सुनकर अपने जीवन को सुधार सकते हैं। आगे कहा कि रामायण हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। हमें मर्यादित बनाती है। मौके पर अध्यक्ष नंदलाल राणा, सचिव बालकिशोर यादव, कोषाध्यक्ष कैलाश यादव, उपाध्यक्ष मुकेश यादव, महेश प्रसाद यादव, नरेश कुमार यादव, संजय राणा समेत भारी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहें हैं।

नाबालिक ने दुप्पटे के सहारे फांसी लगा कर की आत्महत्या

कोडरमा : तिलैया थाना क्षेत्र के गांधी स्कूल रोड मास्टर मोहल्ला में एक नाबालिग लड़की ने दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणो का स्पष्ट पता नहीं चल सका। नाबालिक की पहचान खुशी कुमारी (14) वर्ष, पिता संतोष पांडेय के रूप में की गई। नाबालिग अपने मामा मंजीत मिश्रा के घर पर रहकर दसवीं की पढ़ाई कर रही थी। घटना रविवार सुबह की बताई गई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक नाबालिग ने सुबह 11 बजे घर के शौचालय में लोहे की हुक के सहारे अपने दुप्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर बाद भी जब खुशी शौचालय से बाहर नही निकली तो घर पर उसकी मामी ने आवाज लगाते हुए बाथरूम में लगे वेंटिलेटर से झांका तो देखा वे फंदे से झूल रही थी। और तुरंत उसने देर ना करते हुए शौचालय का दरवाजा तोड़ कर अंदर प्रवेश किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अपने पति और मृतका के मामा मंजीत मिश्रा को बताई। परिजनों का कहना है कि खुशी काफी हँसमुख स्वभाव की थी। उसने ऐसा कदम क्यों उठाया यह समझ से परे है। मनजीत ने आगे बताया कि वे जब आज सुबह अपने काम के लिए निकल रहे थे तो उस वक्त भी उसकी भगिनी खुशी ने अच्छे से बातचीत की थी। मृतका के मामा के अनुसार खुशी की माँ बचपन में ही गुजर गई थी। उन्होंने बताया कि फिलहाल खुशी के गांव औरंगाबाद (बिहार) में कक्षा नौ में पढ़ाई कर रही थी। रामनवमी के समय वह मेरे पास कुछ दिनों की छुट्टियां बिताने आई हुई थी। उन्होंने बताया कि खुशी के पिता संतोष भी पिछले दो वर्षों से झुमरीतिलैया में ही रहकर एक निजी अस्पताल में काम कर रहे हैं।

झारखंड में वन नेशन, वन इलेक्शन की दिशा में ग्राउंड जीरो पर काम कर रही भाजपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आनेवाले कुछ महीनों में देश में फिर वन नेशन-वन इलेक्शन का मुद्दा गरमाने की पूरी संभावना है। भाजपा की केंद्रीय कमेटी ने राज्यों को अगले दो महीनों में इस अभियान को बूम करने का निर्देश दिया गया है। झारखंड में पहले से ही ग्राउंड जीरो से काम कर रही इसके लिए बनी कमेटी ने अब और तेजी लाने का फैसला किया है। मालूम हो कि पूर्व मंत्री भानू प्रताप शाही इसके लिए झारखंड में बनी कमेटी के संयोजक और रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय सह संयोजक हैं। इसके अलावा कमेटी में रिटायर आईएएस अधिकारी जेबी तुबिद, प्रदीप सिन्हा, शशांक समेत कई अन्य नेताओं को रखा गया है। वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए बनी कमेटी की अब तक झारखंड में 25 से अधिक बड़ी बैठकें हो चुकी है। विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, बड़े संस्थाओं में हुई इन बैठकों में प्रबुद्ध युवाओं और आम लोगों को वन नेशन-वन इलेक्शन के कंसेप्ट को तरीके से समझाया और बुझाया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि इसका क्या लाभ होने वाला है। देश के आर्थिक सुधार के क्षेत्र में इसका कितना बड़ा प्रभाव पड़ने वाला है। जानकारी के अनुसार कमेटी के संरक्षण में हुई बैठकों के बाद लगभग 50 से अधिक संस्थाओं ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को वन नेशन-वन इलेक्शन कराने का प्रस्ताव भी भेजा है। कुल मिला कर आम लोगों में वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रति समर्थन प्राप्त करना है।

प्रदेश कमेटी को क्या मिल रहा है केंद्र से हिंट

वन नेशन-वन इलेक्शन की दिशा में शुरू किए गए इस अभियान के क्रम में राज्यों में बनायी गयी कमेटी को केंद्रीय नेताओं से साफ साफ संकेत दिए जा रहे हैं। उसमें यह हिंट किया जा रहा है कि केंद्र सरकार अब जल्द ही देश में एक साथ चुनाव कराने की दिशा में कानून बनाने की दिशा आगे बढ़ेगी। उससे पहले देश के जनमानस को इसके लिए तैयार कर लेना भाजपा की पहली कोशिश है। यह भी संकेत किया जा रहा है कि 75 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद संभव है नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश में एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया लागू कराने की कोशिश करें। 2029 से पहले खुद कार्यकाल पूरा किए बगैर मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर चुनाव में चलने को तैयार होंगे, इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर विरोधी दलों के विरोध का स्वर कमजोर होगा। हालांकि वन इलेक्शन में जाने से पूर्व देश में कॉमन सिविल कोड और महिला आरक्षण को भी मूर्त रूप देने की योजना है।

क्या कहते हैं प्रदेश के संयोजक भानू प्रताप शाही व सह संयोजक संजीव विजयवर्गीय

वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए राज्य में बनी कमेटी के संयोजक पूर्व मंत्री भानू प्रताप शाही का कहना है कि एक राष्ट्र-एक चुनाव से देश का ही भला होनेवाला है। संसाधन के साथ साथ देश के लोगों का समय बचेगा। अधिकारी से लेकर नेताओं और कार्यकताओं का समय जाया नहीं होगा। देश के जीडीपी में 1.5 फीसदी की बढोत्तरी होगी। सह संयोजक संजीव विजयवर्गीय का कहना है कि यह देश की भलाई की योजना है। इसका अप्रत्याशित लाभ देश व देश की जनता को मिलेगा।

शिक्षा न्यायाधिकरण को लागू करे सरकार : अजय राय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने राज्य के निजी स्कूलों की ओर से चालू शैक्षणिक सत्र में मनमाने ढंग से की गई फीस वृद्धि, एनुअल चार्ज, री-एडमिशन फीस और विभिन्न शुल्कों की वसूली को गैरकानूनी करार देते हुए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने रविवार को कहा कि लगातार मिल रही अभिभावकों की शिकायतें इस बात का प्रमाण हैं कि स्कूल प्रबंधन ट्यूशन फीस के अतिरिक्त विभिन्न मदों में अवैध रूप से शुल्क वसूल कर छात्र और उनके अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं।

राय ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 का उल्लंघन है। इसके अंतर्गत बिना सक्षम प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के कोई भी फीस वृद्धि अवैध मानी जाती है। राय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विधानसभा में चर्चा के बावजूद अब तक किसी भी जिले के उपायुक्त ने इस विषय पर कोई ठोस बैठक नहीं की है, जो राज्य सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

कल होनेवाली प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक को लेकर कमलेश ले की प्रेस वार्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 22 अप्रैल को होगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बेलगामी अधिवेशन और कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में लिए गए फैसले के आधार पर लिया गया है।

केशव कांग्रेस भवन में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश, जिला, विधानसभा स्तर पर संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस दौरान कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संजीव खन्ना पर दिए गए बयान की पार्टी निंदा करती है। विधायक ने कहा कि उनका यह बयान भड़काऊ और असंवैधानिक है जो गहरी चिंता का विषय है। यह बयान न्यायपालिका का सिर्फ अपमान नहीं है बल्कि संवैधानिक संस्थाओं को डराने-धमकाने वाला है। न्यायालय की स्वतंत्रता को छिनने वाला है। उनका बयान दशार्ता है कि यह भाजपा नेतृत्व के इशारे पर दिया गया है। पार्टी का मानना है कि बगैर नेतृत्व की सहमति के सांसद की ओर से इस तरह का वक्तव्य नहीं दिया जा सकता। भाजपा की रणनीति का यह हिस्सा है। यह बयान देश में विद्वेष को फैलाने वाला है।

संवाददाता सम्मेलन में विधायक सुरेश बैठा,अनादि ब्रह्म,राकेश सिन्हा,सतीश पाल मुजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह राजन वर्मा भी उपस्थित थे।

खिलाड़ियों को नियोजन में समुचित आरक्षण मिलना चाहिए : देवेंद्रनाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : थाना मैदान सोनहातू में आयोजित दिवा-रात्रि फुटबॉल टूनामेंट रविवार सुबह पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया और दमदार प्रदर्शन करते हुए खेल को यादगार बना दिया। तीन दिनों तक चले इस रोमांचक मुकाबले में के.के. ब्रदर्स, रांची ने प्रथम स्थान हासिल किया और एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त की। गाड़ा फार्म एमटी, कोकर को उपविजेता घोषित किया गया, जिन्हें सत्तर हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिला। तीसरे स्थान पर आईएमएस, ईचागढ़ और ब्लैक टीम, नामकुम रहीं, जिन्हें पच्चीस-पच्चीस हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि देवेंद्रनाथ महतो (पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा, फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं, टीमवर्क, अनुशासन और समय प्रबंधन का प्रशिक्षण है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पहचान दे और सभी विभागों में उनके लिए नियोजन में समुचित आरक्षण सुनिश्चित करे।

इस मौके पर तेलवारी पंचायत के मुखिया पति फनी भूषण सिंह मुंडा, जिंतु पंचायत के मुखिया पति कलेवर मुंडा, सोनहातू पंचायत के मुखिया विकास सिंह मुंडा, थाना प्रभारी चंदन कुमार, धनपति महतो, श्याम महतो, अभिराम महतो, इंद्रदेव सिंह मुंडा और सुपेंद्रनाथ महतो सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। आयोजन समिति में अध्यक्ष विशेश्वर महतो, उपाध्यक्ष नागेंद्र महतो, तथा संरक्षक खंजन महतो और रवि सांडील की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

झारखंड में तापमान बढ़ते ही बढ़ी परेशानी, बिजली की आंखमिचौली जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में रविवार को प्रचंड गर्मी महसूस की गई। बढ़े तापमान के चलते लोग ठंडा पेय पीने और पेड़ों की छांव ढूंढने समेत अन्य उपाय करते देखे गए। दोपहर में अधिक तपिश महसूस की गई। वहीं मौसम विभाग के 22 अप्रैल तक झारखंड के उत्तर-पश्चिमी जिलों पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा सहित अन्य इलाकों में गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया गया। वहीं रांची धुर्वा सहित अन्य इलाकों में सुबह से ही बिजली की आंखमिचौली जारी रही। बिजली नहीं रहने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली समस्या को लेकर लोग बिजली विभाग में भी सम्पर्क भी करते देखे गए। हालांकि दोपहर के बाद बिजली की आपूर्ति सामान्य हो गई। रांची में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री, जमशेदपुर में 35.8, डालटेनगंज में 38.4 और बोकारो में तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ध्रुवीकरण और भेदभाव ही भाजपा और केंद्र सरकार की मूल नीति बन चुकी है : बंधु तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया। कहा, ध्रुवीकरण और समाज में भेदभाव को बढ़ावा देना अब भाजपा की घोषित नीति बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा ही समाज को धर्म, जाति और समुदाय के नाम पर बांटने की रही है, जिसे मौजूदा केंद्र सरकार खुलकर लागू कर रही है।

बंधु तिर्की ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा सर्वोच्च न्यायालय पर धार्मिक युद्ध भड़काने का आरोप लगाने वाले बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दुबे जैसे नेता अपने उत्तेजक, विरोधाभासी और तथ्यहीन बयानों से न तो सरकार की असफलताओं को छुपा सकते हैं, न ही न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास विविधता में एकता का रहा है, जहाँ सभी धर्मों के लोग परस्पर सम्मान और सहिष्णुता के साथ रहते आए हैं। यही भावना हमारे संविधान में भी झलकती है, जिसे संविधान सभा के सदस्यों ने बड़ी सोच-समझ के साथ निर्मित किया था। बंधु तिर्की ने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणी को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों से इस तरह की टिप्पणियाँ न केवल अनुचित हैं, बल्कि इससे देश के लोकतंत्र और न्यायिक व्यवस्था की नींव को भी कमजोर करने की कोशिश होती है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों किरण रिजिजू, मनन मिश्रा और सांसद निशिकांत दुबे समेत कुछ अन्य नेताओं के बयानों को सुनियोजित हमला करार दिया और कहा कि यह सब एक रणनीति के तहत हो रहा है, ताकि जनता का ध्यान असल मुद्दों से हटाया जा सके और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर किया जा सके। बंधु तिर्की ने दो टूक कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है, जहाँ संविधान सर्वोपरि है और सुप्रीम कोर्ट उसकी सर्वोच्च व्याख्या संस्था। सरकार को यह याद रखना चाहिए कि वह संविधान के दायरे में ही कार्य करती है और उस पर किसी भी प्रकार का हमला या अवमानना लोकतंत्र के लिए घातक हो सकता है।

एक नजर

निशिकांत का बयान न्यायपालिका पर हमले जैसा : आलोक

रांची : प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना पर की गई टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सांसद की टिप्पणी देश की न्यायपालिका और संविधान पर हमले की तरह है। उन्होंने कहा कि यह बयान लोकतंत्र को कमजोर करने और समाज में हिंसा, नफरत एवं बंटवारा फैलाने की साजिश लगती है। दूबे ने रविवार को कहा कि भाजपा के नेता बार-बार ऐसे भड़काऊ बयान देकर समाज में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। यह वही प्रवृत्ति है, जिसे लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी चेताया था कि भाजपा लगातार संवैधानिक संस्थाओं की नींव को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। सुप्रीम कोर्ट जैसे सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान को निशाना बनाना ठीक नहीं है।

68वीं स्कूली नेशनल गेम फुटबॉल खेल में झारखंड की बालक एवं बालिका दोनों टीम सेमीफाइनल में

रांची : मणिपुर में आयोजित 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक 68वीं स्कूली नेशनल गेम फुटबॉल खेल में झारखंड की बालक एवं बालिका दोनों टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में बालक की टीम ने उत्तर प्रदेश को 2/1 से हराया। इसमें रोहित हेमराम एवं विशाल महतो ने एक-एक गोल किया। साथ ही बालिका वर्ग में भी क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र की टीम को 3/0 से हराया, इसमें रीना कुमारी ने 2 गोल एवं पूजा कुमारी ने 1 गोल किया। सेमी फाइनल के लिए झारखंड बालक की टीम का मणिपुर के साथ भिड़ंत होगा। वहीं बालिका टीम में झारखंड की टीम तमिलनाडु के साथ खेलेगी। इसमें कोच के रूप में जितेंद्र कच्छप, बिंदु कुजूर, मैनेजर अमीत टोप्पो, लीना सोरेन हैं, तथा एचओडी के रूप में बिंदेश्वर महतो शामिल हैं।

झारखंड में एक मई से बिजली दर में बढ़ोत्तरी की तैयारी

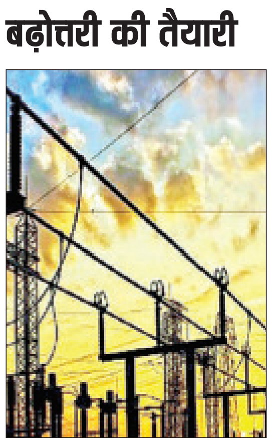

रांची : झारखंड के लोगों को जल्द ही बिजली के लिए ज्यादा पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। राज्य विद्युत नियामक आयोग नए बिजली दर की घोषणा 30 अप्रैल तक करने वाला है। मई से बिजली दरों में 1 रुपये प्रति यूनिट तक की बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक बिजली टैरिफ का ड्राफ्ट तैयार है और अंतिम चरण में है। आयोग चाहता है कि इसे एक मई से लागू कर दिया जाए। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड भी इस टैरिफ का इंतजार कर रहा है। फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट है। प्रस्ताव के अनुसार इसे 8.65 रुपये प्रति यूनिट किया जा सकता है। वहीं फिक्ड चार्ज भी 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये प्रति माह करने का प्रस्ताव है। पिछले साल बिजली दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। इस बार खइश्ठछ ने 2 रुपये प्रति यूनिट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन आयोग ने 50 पैसे से 1 रुपये तक की बढ़ोतरी को लेकर तैयारी की है। मार्च में इस प्रस्ताव पर जनसुनवाई की जा चुकी है और जो आपत्तियां आई थीं, उनका जवाब खइश्ठछ आयोग को सौंप जा चुका है। अब सिर्फ घोषणा बाकी है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को ईस्टर की दी शुभकामानाएं

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को ईस्टर की शुभकामानाएं दी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रविवार को पोस्ट कर सभी की हैप्पी ईस्टर कहकर बधाई दी है। ईसाई समुदाय का महत्वपूर्ण पर्व ईस्टर रविवार को मनाया जा रहा है। इसी दिन प्रभु यीशु का पुनर्जन्म हुआ था। इस अवसर पर सुबह से ही राजधानी रांची के अलग-अलग कब्रिस्तान जाकर लोग पूर्वजों की कब्र पर मोमबत्ती और फूल-माला चढ़ाकर याद कर रहे हैं।

मंईयां सम्मान योजना में सत्यापन के नाम पर ठगी, आंगनबाड़ी सेविका पर आरोप

रांची : राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में मंईयां सम्मान योजना की लाभुक महिलाओं से जबरन पैसे वसूलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि योजना का लाभ पाने के लिए जरूरी सत्यापन प्रक्रिया के नाम पर आंगनबाड़ी सेविका प्रत्येक महिला से 100 से 500 रुपये तक की मांग कर रही है, जबकि यह प्रक्रिया पूरी तरह मुफ्त होनी चाहिए। महिलाओं का कहना था कि वे पहले से ही बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जी रही हैं, और अब सरकार की ओर से शुरू की गई योजना का लाभ लेने में भी बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। जिला प्रशासन की ओर से पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि सत्यापन नि:शुल्क है और इसमें किसी भी तरह की राशि नहीं ली जानी चाहिए। इसके बावजूद आंगनबाड़ी सेविका की यह मनमानी अब भी जारी है, जिससे स्थानीय महिलाओं में भारी नाराजगी है।

जयराम महतो ने एयर शो की तारीफ की

रांची : रांची में दो दिन का एयर शो आयोजित किया गया था। रविवार को एयर शो का समापन हो गया। यह शो रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की अध्यक्षता में किया जा रहा था। इस आयोजन को डुमरी विधायक जयराम महतो ने भी सराहनीय बताया है। लेकिन दूसरी तरफ उन्होंने विस्थापितों का हक भी मांगा है। जयराम महतो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने संजय सेठ को कहा है कि आज राजधानी रांची में झारखंड के माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के प्रयास से भव्य एयर शो का आयोजन किया गया है। सराहनीय है। मंत्री जी, झारखंड के विस्थापित मारे जा रहे हैं। उनका शोषण किया जा रहा है। ये राज्य का निहायत ही गंभीर मसला है। राज्य की जनता अपना हक और अधिकार चाहती है। प्रेम महतो सहित अनेकों शहीदों की शहादत की बुनियाद पर पनपा ये राज्य आज भी अपने संवैधानिक हक और अधिकार से वंचित है। वर्तमान में इस राज्य ने दो-दो केंद्रीय मंत्री दिए हैं। केंद्र सरकार की उपक्रम बीएसएल द्वारा 500 विस्थापितों पर ही झूठा मुकदमा दर्ज कर दिया गया है। बीएसएल प्रबंधन अविलंब झूठा मुकदमा वापस ले, विस्थापितों को नियोजन दे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान ने दी दादी रतन मोहिनी को श्रद्धांजलि

रांची : ब्रह्माकुमारी संस्था न की प्रमुख प्रशासनिका दादी रतन मोहिनी की स्मृति में रविवार को ब्रह्माकुमारीज के हरमू रोड स्थित केंद्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी को श्रद्धासुमन अर्पित की गई। मौके पर राज्यी सरकार के संयुक्त सचिव अमीय नंदन अग्रहरिने कहा कि दादीजी ने अपना सम्पूर्ण जीवन तपस्या और मानव सेवा को समर्पित कर हम सभी के लिए अध्यात्म का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन केवल संस्था के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अनुकरणीय है। मौके पर ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी की दिव्य उपस्थिति आध्यात्मिक पथ को रौशन करते रहेंगे और लाखों लोगों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रेम सादगी और उच्च दृष्टि और उनका विरासत हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेगी।

कांके रोड में लूट की घटना को अंजाम देने वाला अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

रांची : कांके रोड में दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले मेहुल कुमार और अमनजय सिंह को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों के पास लूट की घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद हुआ है। एसएसपी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनुसंधान के दौरान यह ज्ञात हुआ कि अपराधियों के द्वारा घटना को करने के लिए सिल्वर रंग की 10 कार का इस्तेमाल किया गया था। जिसे अपराधियों ने दिग्भ्रमित करने के उद्देश्य से घटनास्थल से करीब 300-350 मीटर की दूरी पर खड़ा किया था और घटना करने के बाद उसी कार से फरार हो गये। लूटी गयी रकम के बारे में बताया कि उनलोगों ने दुकान से 11500 रुपया लूटा था जिसे दोनों ने आधा-आधा आपस में बांटकर खाने पीने में खत्म कर दिया।

एक नजर

साले ने जीजा की पीठ पर घोंपा चाकू

धनबाद : झरिया थाना क्षेत्र विक्ट्री दुर्गा स्थान मुहल्ले में शनिवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। दोनों तरफ से जमकर पथराव भी हुआ। दोनों ही पक्ष के लोग रिश्तेदार ही हैं। घटना के बाद वहां भगदड़ मच गई। इस दौरान देवप्रकाश यादव ने अपने बहनोई राजीव कुमार दास के पीठ में चाकू घोंप दिया। वहीं जीजा राजीव की गर्भवती पत्नी अंजू देवी भी खंजर से घायल हो गई। इधर राजीव चाकू लगे स्थिति मे झरीया थाना पहुंचा। झरिया पुलिस उसे एक निजी अस्पताल ले गयी। जहां चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उसे एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जाता है कि विक्ट्री दुर्गा स्थान निवासी राजीव कुमार दास ने अपने मुहल्ले के देवप्रकाश यादव की बहन से डेढ़ साल पूर्व अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था। हालांकि इस शादी पर दोनों परिवार वालों की सहमति बन गई थी। इधर कुछ दिनों से राजीव का विवाद उसके साला देवप्रकाश से चल रहा था। दोनों की आपसी रंजिश इतना बढ़ गयी कि शनिवार को दोनों परिवार आपस मे भिड़ गए। घटना में देवप्रकाश की बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। दोनों और से जमकर ईंट पत्थर चले। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों रिश्तेदार के बीच कई दिनों से तनाव चल रहा था।

इलेक्ट्रो स्टील वेदांत बीपीओ मजदूर की हुई बैठक

बोकारो : इलेक्ट्रो स्टील वेदांता कंपनी में कार्यरत बीपीओ रयत मजदूरों ने भाग बंद फुटबॉल मैदान में बैठक किया बैठक की अध्यक्षता बीपीओ रयत मजदूर राथू रजवार ने किया बैठक में निर्णय लिया गया कि कंपनी द्वारा कार्यरत बीपीओ रेट मजदूर को ठेकेदारी प्रथा में कार्य कराने तथा गलत नीति के विरोध में 24 अप्रैल को जिला उपायुक्त, कंपनी प्रबंधन, सबंधित थाना को आवेदन दिया जायेगा। यदि 29 अप्रैल तक कंपनी प्रबंधन बीपीओ रैयत मजदूर को ठीकेदारी काम से बापस कंपनी में कार्य नहीं कराता है तो 30 अप्रैल से अनिश्चित काल धरना प्रदर्शन पर बैठगें। बैठक में सैकड़ों बीपीओ रैयत मजदूर उपस्थित थे।

तेली साहू समाज संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बने जोधन नायक

बेरमो : तेली साहू समाज संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू ने लोकहित अधिकार पार्टी के झारखण्ड प्रदेश उपाध्यक्ष, सह श्री शिव स्वास्थ एवं शिक्षा सेवा ट्रस्ट, के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी बोकारो जिला बेरमो अनुमंडल निवासी जोधन नायक को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। इसके लिए जोधन नायक ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री साहू के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन करने मे खरा उतरने का प्रयास करूंगा, तेली साहू समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। इस अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं देने वाले में श्री शिव स्वस्थय एवं शिक्षा सेवा ट्रस्ट के सचिव सह संस्थापक भुनेश्वर साहू, के अलावे झारखंड के विभिन्न जिला एवं विधानसभा से अनिल गुप्ता,विनोद कुमार साव, सुदामा साव, सुरेश साव, दीपक कुमार, विकास साव, एवं लोकहित अधिकार पार्टी के बोकारो जिला संयोजक संतोष साव समेत कई समाजसेवियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं देने के लिए फोन एवं घर आना जाना शुरू कर दिए। और खुशी की लहर धड़ल्ले से खासतौर पर बेरमो बोकारो की और दौड़ पड़ी, एवं लोगों का चेहरा पर मुस्कान देखा जा रहा है, ऐसा मानना है!

ईस्टर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

- सिटी चर्च में विशेष प्रार्थना का आयोजन जिले भर से जुटे मसीही
- कैंडल जलाकर पूर्वजों को याद किया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार को बोकारो के विभिन्न स्थानों पर ईस्टर धूमधाम से मनाया गया। सुबह-सुबह सेक्टर चार स्थित सिटी चर्च में जिले भर से आए मसीही समुदाय के लोगों ने विशेष प्रार्थना की। इसके पहले सेक्टर 6 के यार्ड नरकर सहित अन्य स्थानों पर मसीही परिवारों ने कैंडल जलाकर अपने पूर्वजों को याद किया। सेक्टर 6 के यार्ड में आयोजित कार्यक्रम में फादर ने प्रभु यीशु के पुनरुत्थान की व्याख्या की और इस दिन के धार्मिक महत्व को समझाया। ईस्टर संडे प्रभु यीशु मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में मनाया जाता है, जो गुड फ्राइडे को सूली पर चढ़ाए जाने के तीन दिन बाद हुआ था। इस दिन मसीही समुदाय के लोग चर्चों में इकट्ठा होकर प्रार्थना करते हैं, मोमबत्तियां जलाते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। बोकारो में भी इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने प्रभु यीशु के उपदेशों को याद किया और प्रेम, शांति तथा दया का संदेश फैलाने का संकल्प लिया गया।

झारखंड प्रदेश के जोनल चार के कमेटी काहुआ गठन, अध्यक्ष बने मानिक चन्द्र सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : क्षेत्रीय राजपूत समाज झारखंड प्रदेश के जोनल चार कमिटी का गठन जोन के महाल गांव मे रविवार को केन्द्रीय प्रभारी राम चरित्र सिंह का अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय पयेर्वेक्षक कमलेश्वर सिंह व पशुपतिनाथ देव , केन्द्रीय अध्यक्ष जन्मेजय सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ सिंह,प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, संगठन मंत्री रधुनाथ सिंह, मुख्य रुप से उपस्थित थे। जोनल अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से होना था लेकिन सहमति नही बनने पर गुप्त मतदान के प्रक्रिया से किया गया। अध्यक्ष पद के लिए पुर्व अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह व मानिक कुमार सिंह दावेदार रहे। मानिक कुमार सिंह को 26 मत व उमेश कुमार सिंह को 16 मत मिला। मानिक कुमार सिंह महाल ने उमेश कुमार सिंह को 10 मतो से पराजित कर अध्यक्ष बने। सर्वसम्मति से जोनल सचिव राजकुमार सिंह को बनाया गया। उपाध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह, बलराम सिंह सह सचिव दिलीपकुमार सिंह उर्फ राजु पर्वतपुर, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह कुलटांड़, सह कोषाध्यक्ष सुभाष सिंह महाल, संगठन सचिव सत्यनारायण सिंह मुरलीडीह, प्रवक्ता सी पी सिंह आमलाबाद, सलाहकार सदस्य भागीरथ सिंह, हराधन सिंह, जनार्दन सिंह, महादेव सिंह, सुशांत सिंह, व नवयुवक सदस्य संतोष सिंह, वलराम सिंह, मनोज सिंह, सत्यनारायण सिंह, का चयन किया गया।

झारखंड के स्कूलों में बंगला भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति और पढ़ाई शुरू करवाई जाए : फूलचंद मंडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : रविवार को झारखंड बंगला भाषी उन्नयन समिति द्वारा पूर्व विधायक फूलचंद मंडल के बरवाअड्डा स्थित आवास में प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व विधायक फूलचंद मंडल ने बताया कि बंगला झारखंड की मुख्य भाषा है, और उन्होंने राज्य सरकार से इस भाषा की गरिमा को बरकरार रखने के लिए स्कूलों में बांग्ला भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति और पढ़ाई शुरू करवाई जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्कूलों में कई बच्चे बांग्ला भाषी है जो बंगला पढ़ना चाहते हैं। ज्ञात हो कुछ महीने पहले क्षेत्रीय और जनजातीय भाषा सर्वे के दौरान वास्तविक नामांकन पर बांग्ला भाषा की पुस्तक छपाई के लिए सभी विद्यालयों से प्रतिवेदन भी भेजा गया है। श्री मंडल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 40% से अधिक बंगला भाषी विद्यार्थी हैं। जिनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रीना मंडल ने बताया बांग्ला भाषा संस्कृति को संजोए रखने के लिए आगामी 23 अप्रैल को बरवाअड्डा दुर्गा मंदिर प्रांगण में राज्य स्तरीय बंगाली संस्कृति का कार्यक्रम किया जाएगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में लगभग 100 से ज्यादा प्रतिभागी भाग लेंगे। जिसमें बच्चे, महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय महासचिव सुप्रिय भट्टाचार्य होंगे और विशेष अतिथि के रूप में निरसा विधायक अरूप चटर्जी। इस भव्य कार्यक्रम में झारखंड के सभी जिले से गणमान्य लोग जुटेगे। प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक फूलचंद मंडल, नुना मंडल, मंजू मंडल, बिनोती मंडल, भादुरानी मंडल मौजूद रहे।

बंगाल मे अविलंब लागू हो राष्ट्रपति शासन : विहिप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विश्व हिन्दू परिषद द्वारा देश भर मे एक साथ सभी जिलों के जिला केंद्रों पर पश्चिम बंगाल मे हिन्दुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है, इसी क्रम मे बोकारो महानगर द्वारा भी विरोध प्रदर्शन किया गया, मुर्शिदाबाद की घटना से स्पष्ट है कि वक्फ बिल विरोध मात्र बहाना था, प्रयास मुर्शिदाबाद को हिन्दू मुक्त बनाना था, इस हिंसा मे 3 लोगों की निर्मम हत्या की गई, दर्जनों महिलाओं पर अत्याचार किए गए, जिहादी भीड़ ने दो सौ से अधिक घर और दुकाने लूटे और जलाये, हिन्दुओं के खेत उजाड़ दिए, स्थिति ऐसी बनी कि 500 से अधिक परिवारों को जन्मभूमि और कर्मभूमि छोड़ कर पलायन करना पड़ा और सत्ता के अहंकार मे डूबी राज्य सरकार पीड़ित हिन्दू परिवारों से मिल कर सहानुभूति के दो शब्द कहने की जगह मौलानाओ के साथ मिल रही है। ममता बनर्जी की सरकार के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे मे है, वोट बैंक के मोह मे बांग्लादेशी, रोहिंग्या घुसपैठियों को बसाया जा रहा है और उनको वोटर कार्ड और आधार कार्ड दिए जा रहे है, बंगाल मे बांग्लादेश और पाकिस्तान के आतंकी संगठन सक्रिय है, राज्य सरकार द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नही दी जा रही ताकि घुसपैठियों को किसी प्रकार की समस्या ना हो बंगाल आने मे। विश्व हिन्दू परिषद ने बंगाल मे राष्ट्रपति शासन लगाने, बंगाल की कानून व्यवस्था केंद्रीय सुरक्षा बल के हाथों मे देने,अविलम्ब सीमा पर बाड़ लगाने, घुसपैठियों की पहचान कर उसे देश की सीमा से बाहर करने और बंगाल हिंसा की जाँच ठक्अ द्वारा करवा कर दोषियों पर कठोर करवाई करने की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन उपायुक्त के हाथों मे सौंपा। इस विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम मे हरेराम पोद्दार, संतोष कुमार, राजेश दुबे, कुणाल रंजन, संजीव कुमार, अजीत पाण्डेय, बनवारी लाल बटवाल, अरुण सिन्हा, प्रशांत, अमन, मोनू, अशोक, कुणाल, दीपक, राहुल, दिवेश, विनोद महतो, अर्चना सिंह, स्वरूप शेखर, बबलू पात्रा समेत हिन्दू समाज के दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

वन नेशन वन इलेक्शन विषय की संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर धनबाद के न्यू टाउन हॉल में फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में सांसद ढूलू महतो ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की मांग देश के 140 करोड़ जनता की मांग है। इस मामले को वे संसद में भी उठाएंगे। इस मांग के पूरा होने से देश आर्थिक तौर से मजबूत होगा। समय की बचत होगी। देश विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर विपक्ष के विरोध के सवाल पर सांसद ने कहा कि विपक्ष के पास आज कोई मुद्दा नहीं है कोई वीजन नहीं है कोई लक्ष्य नहीं है। प्रधानमंत्री के द्वारा उठाये गए हरेक अच्छे कामों का विरोध करना ही विपक्ष का काम रह गया है। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर आयोजित यह संगोष्ठी कार्यक्रम काफी सफल रहा। सभी ने इस महत्वपूर्ण विषय पर अपनी राय दी और बिल्कुल ही देश में यह लागू भी होना चाहिए। इस संगोष्ठी में चिकित्सक, व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षाविद, कई एनजी ओ के प्रतिनिधि कई सामाजिक राजनीतिक संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया। सभी ने एक देश एक चुनाव को देश में लागू कराने पर जोर दिया। जिला चेम्बर के महासचिव ने बताया कि यह संगोष्ठी पूरी तरफ सफल रहा और अब लोग पोस्टकार्ड के जरिये भी अपनी बात को राष्ट्रपति तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झरिया विधायक रागिनी सिंह, जिप अध्यक्ष शारदा सिंह, आईआईटी आईएसएम के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. धीरज कुमार उपस्थित हुए।

मारवाड़ी युवा मंच, सरायढेला शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : रविवार को धनबाद क्लब में मारवाड़ी युवा मंच, सरायढेला शाखा का शपथ ग्रहण समारोह धनबाद क्लब में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में नव-निर्वाचित कार्यकारिणी ने समाज सेवा की शपथ ली। मुख्य अतिथि सनत अनवर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और मंच की सामाजिक सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सामारोह में विशिष्ट अतिथिगण

ललित अग्रवाल अध्यक्ष,धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, आदित्य अग्रवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष, झारखंड, मारवाड़ी युवा मंच, विवेक लिल्हा एवं बजरंग अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष, प्रवीण काजरियाल, पूर्व अध्यक्ष प्रियंका चौधरी, निर्वाचन पदाधिकारी, नीरज अग्रवाल, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। सत्र 2025 -26 के लिए नव-निर्वाचित पदाधिकारीगण में अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाला, सचिव विकास अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शंभु अग्रवाल, उपाध्यक्ष विशाल सावरिया, कार्यकारिणी सदस्य,डॉ. उर्मी, खुशबू भाभी, नेहा अग्रवाला, सुमन अग्रवाला, नेहा केजरीवाल, प्रियंका चौधरी, निशा अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाला, पायल, मोनिका, रिशु, शिल्पा, आयुषी, एकता, नेहा, गुंजन, प्रिया, स्वाति, मेघा गोयल, पूजा सिंघल बने। सामाजिक सेवाएं और आगामी योजनाएं के लिए मारवाड़ी युवा मंच ने समाज के उत्थान हेतु कई प्रमुख कार्यक्रमों की घोषणा की, जो डी सी डी ए के सहयोग से पूरे वर्ष संचालित किए जाएंगे। महिलाओं के लिए गर्भाशय ग्रीवा वैक्सीन, एकल डोज स्वास्थ्य शिविर जिसमें दंत चिकित्सा, नेत्र जांच और सामान्य जांच शामिल हैं। गरीब विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति योजना जिसमें किताबें, यूनिफॉर्म एवं फीस शामिल,अमृत धारा, रक्तदान शिविर, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सेवा क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भागीदारी, समारोह का समापन मंच के सदस्यों द्वारा एकजुटता, समर्पण और समाज सेवा की शपथ के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

बाघमारा थाना का बनेगा स्मार्ट भवन, करायी गयी मापी

धनबाद : बाघमारा थाना में स्मार्ट भवन निर्माण के लिए मार्ग प्रशस्त हो गया है। आज बाघमारा अंचल के अमीन लक्ष्मण प्रसाद मेहता ने इस संबंध में जमीन की मापी की। स्मार्ट थाना भवन निर्माण के लिए वर्तमान में कम से कम लंबाई 100 फीट एवं चौड़ाई 100 फीट की आवश्यकता है। थाना प्रभारी चिरंजीत प्रसाद ने बताया कि थाना परिसर में स्मार्ट भवन एवं सिरिश्ता बनाने के लिए पर्याप्त भूमि है। पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, झारखण्ड, रांची के अभियंता के सूचनानुसार बाघमारा थाना परिसर में उपलब्ध भूमि का अंचल अमीन द्वारा मापी करवा कर उक्त भूमि का खाता नम्बर, प्लॉट नम्बर उपलब्ध कराने के लिए भू मापी करायी गयी।

दो दिवसीय कृषि मेला का आयोजन को लेकर तैयारी शुरू

चैनपुर : जिले के चैनपुर प्रखंड में 24 और 25 अप्रैल को दो दिवसीय कृषि मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में चैनपुर, डुमरी, जारी और रायडीह प्रखंड के किसान शामिल होंगे। कृषि मेला में बतौर मुख्य अतिथि राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व शिक्षा मंत्री तिर्की भी शामिल होंगे। कृषि मेला के सफल संचालन के लिए उपायुक्त गुमला द्वारा प्रखंडवार वरीय पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिसमे जारी प्रखंड से शशि भूषण अग्रवाल और सावन कुमार चैनपुर प्रखंड से विकास कुमार रायडीह प्रखंड से एच. एन. द्विवेदी और एजाज अनवर डुमरी प्रखंड से मनोज कुमार तिवारी दो दिवसीय कृषि मेला में कृषकों के बीच संगोष्ठी के अलावा कृषि विभाग से संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिला कृषि विभाग के वरीय पदाधिकारी, उपयुक्त गुमला, उप विकास आयुक्त गुमला सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

दिल की अच्छी सेहत के लिए करें रक्तदान : समाहर्ता

बोकारो : लाईफ सेवर्स,रांची और ब्लड शेयर एन यू की मदद से जैप 4, बोकारो में ब्लड सेंटर,सदर अस्पताल के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जैप 4 के समाहर्ता मुकेश कुमार ने कहा कि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की मदद के लिए आज रक्तदान शिविर लगाया गया है और सभी स्वस्थ लोगों को अपने दिल की अच्छी सेहत के लिए रक्तदान करना चाहिए। आज के शिविर में 33 जवानों ने रक्तदान किया। शिविर को सफल बनाने में ब्लड शेयर एन यू के संस्थापक अनुपम कुमार सौरव,जैप 4 के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार,सदर अस्पताल के डॉ एक के झा,धनन्जय कुमार,अखिलेश कुमार,संजय कुमार आदि का सहयोग रहा।

मुस्कान हॉस्पिटल में अग्निशमन सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के तहत मॉक ड्रिल का किया आयोजन

बोकारो : अग्निशमन सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज चैस के मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में अग्निसमन द्वारा आज मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चास अग्निसमन के मोहम्मद जुनैद एवं दिनेश उरांव द्वारा मुस्कान हॉस्पिटल के चिकित्सा कर्मचारी एवं मरीज के परिजनों के बीच विभिन्न प्रकार के आज से होने वाले दुर्घटनाओं एवं फायर एटिंग्विजनर अग्निशमन यंत्रों के व्यवहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई इस कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉक्टर अविनाश श्रीवास्तव, डॉक्टर इरफान अंसारी, डॉक्टर शाहनवाज अख्तर उपस्थित रहे। साथ ही हॉस्पिटल के स्टाफ अनीता कुमारी ,अरुलम, नरेश, जुल्फी, अख्तर,शिवेंद्र, रोबिन, जब्बार,प्रमाणिक आदि उपस्थित थे।

बेटी को बहला-फुसलाकर 54 लाख की संपत्ति हड़पने का आरोप, पिता ने दी थाने में शिकायत

बोकारो : चिरा चास थाना क्षेत्र निवासी फैलाश कुमार मंडल ने अपनी 18 वर्षीय बेटी अनुप्रिया को झांसा देकर करीब 54 लाख रुपये की संपत्ति हड़पने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप एक युवक और उसके साथियों पर लगाया है। उन्होंने इस संबंध में थाना को लिखित आवेदन दिया है। फैलाश कुमार मंडल ने बताया कि 15 अप्रैल 2025 को उन्होंने अपने घर के लॉकर की जांच की, तो उसमें रखे कीमती गहने और नगद राशि गायब मिले। पूछताछ करने पर उनकी बेटी अनुप्रिया ने बताया कि उसकी दोस्ती दिसंबर 2024 में इंस्टाग्राम पर आईडी @yÔÔ_jis_Ôdil से कुमार आदित्य नामक युवक से हुई थी। युवक ने विश्वास में लेकर 12 जनवरी, फरवरी और अप्रैल 2025 में तीन बार आकर लगभग 54 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति हड़प ली। संपत्ति में करीब 330 ग्राम सोने के बिस्किट, अन्य सोने के गहने, 1700 ग्राम चांदी के बिस्किट, चांदी के लक्ष्मी–गणेश सिक्के, पायल, अंगूठियां, नकद 1.3 लाख रुपये और अन्य बहुमूल्य सामान शामिल हैं। पीड़ित ने बताया कि यह संपत्ति उनके 36 वर्षों की बीएसएल नौकरी की बचत है। बेटी के अनुसार, इस पूरे मामले में कुमार आदित्य के साथ योगेश, शिवम महतो और कृपा ज्वैलर्स के मालिक पंकज सोनार भी शामिल हैं। आरोपी द्वारा बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट, जिसमें आरोपी का नंबर "Dost" नाम से सेव है, भी सबूत के तौर पर प्रस्तुत किए गए हैं। फैलाश मंडल ने पुलिस से उक्त सभी व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

एक नजर

गरम चावल के माड़ में गिरकर बच्चा झुलसा

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बच्चा गरम माड़ में गिरने से बुरी तरह जल गया। मिली जानकारी के अनुसार बोरियो सभी टोला निवासी गुबदन शर्मा के पुत्र 3 वर्षीय पुत्र जीवन कुमार अपने घर में खाट पर खेल रहा था, उसी दरमियान खाट के बगल में चावल बनाकर माड़ पसा कर रखा हुआ था, और बच्चा खाट में खेलते खेलते उसी में जा गिरा जिससे बुरी तरह जलकर झुलस गया। जहां आनन फानन में परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियों ले गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने बच्चा का इलाज किया। बच्चा की स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डीजे का चक्का पैर में चढ़ाने से एक युवक हुआ घायल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक का डीजे गाड़ी का चक्का पैर में चढ़ने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार अजय पासवान के 14 वर्षीय पुत्र अमन कुमार अपने घर कबूतर खोपी पुरानी साहिबगंज से किसी काम को लेकर कोर्ट के रास्ते समलापुर जा रहा था। उसी दरमियान सरहुल का जुलूस कोर्ट के रास्ते जा रहा था जहां अमन कुमार का पैर में डीजे गाड़ी का चक्का चढ़ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बीच सड़क पर गिर गया। वही सरहुल जुलूस के लोगों ने इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने घायल का इलाज किया।

शहर के होटलों पर पुलिस की छापेमारी

साहिबगंज: पुलिस अधीक्षक और सदर अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर साहिबगंज शहर के कई होटलों में रविवार देर शाम पुलिस प्रशासन की ओर से अचानक छापेमारी की गई। इस अभियान में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने और संदिग्ध गतिविधियों की जांच के उद्देश्य से कई टीमें बनाई गई थीं।छापेमारी के दौरान कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, प्रशिक्षु डीएसपी रूपक कुमार सिंह, सदर अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू और नगर थाना की पुलिस बल की टीम मौके पर मौजूद रही। प्रशासन ने इस कार्रवाई को नियमित जांच अभियान का हिस्सा बताया है और कहा है कि यह शहर में अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन की इस तत्परता से आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है, वहीं होटल संचालकों को नियमों के पालन को लेकर सख्त निर्देश दिया गया है।

नाबालिग ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम: परसुडीह थाना क्षेत्र के सरजामदा गुरुद्वारा रोड में 11 वर्षीय एक स्कूली छात्र प्रेम मुंडा ने रविवार को दोपहर फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली। वह सरकारी विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था। सूचना मिलते ही मोहल्ले के लोगों ने उसे तुरंत खासमहल सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रेम की मां लक्ष्मी मुंडा टाटा मोटर्स में ठेका मजदूर के रूप में काम करती हैं और हर दिन की तरह रविवार को भी वह काम पर गई हुई थीं। घर पर प्रेम और उसकी छोटी बहन अकेले थे।

धूमधाम व भक्तिभाव से मना पास्का पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : पास्का पर्व के मौके पर रविवार की सुबह जिले के सभी गिरजाघरों में विशेष मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया। मिस्सा पूजा के बाद लोगों को पास्का पर्व की शुभकामना दी गई। संत अन्ना महागिरजाघर में पास्का पर्व के मौके पर दो मिस्सा हुई। मिस्सा पूजा संपन्न कराते हुए विजी सह पल्ली पुरोहित फा इग्नासियुस टेटे ने कहा कि प्रभु येशु ने हमारे पापों के उद्धार के लिए क्रुस मृत्यु के कष्ट को सहा और मृत्यु पर विजय पाया। ताकि उनके बहाए लहू से हम चंगे हो जाएं। प्रभु येशु का जी उठना ही खीस्तीय विश्वास का आधार है। प्रभु यीशु मनुष्य को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। उन्होंने प्रभु येशु मसीह के बताए मार्ग पर चलने की नसीहत दी। साथ ही

लोगों को पास्का पर्व की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विधायक भूषण बाड़ा भी अपनी धर्मपत्नी सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा भी उपस्थित हुए।

नई आशा, विश्वास और प्रेम का संचार करता है: विधायक भूषण बाड़ा

विधायक भूषण बाड़ा ने जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान का यह पर्व हम सभी के जीवन में नई आशा, विश्वास और प्रेम का संचार करता है। ईस्टर केवल ईसाई समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह पर्व हमें सिखाता है कि अंधकार चाहे जितना भी गहरा हो, अंत में प्रकाश की ही जीत होती है। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में ईस्टर का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। आइए हम सब मिलकर अपने बीच प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का वातावरण बनाए रखें। यही प्रभु यीशु की सच्ची शिक्षाओं का पालन है। विधायक ने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को आपसी मेलजोल, सेवा और करुणा के साथ मनाएं और समाज में एकजुटता की मिसाल पेश करें।

पास्का जागरण में उमड़ी मसीही विश्वासियों की भीड़

इससे पूर्व शनिवार की देर रात पास्का पर्व के मौके पर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न गिरजाघर में देर-रात तक चले पास्का जागरण अनुष्ठान में काफी संख्या में मतावलंबियों ने भाग लिया। साथ ही प्रभु की अराधना की। रात्रि जागरण अनुष्ठान चार भाग में मोमबत्ती गुणगान, शब्द समारोह, बपतिस्मा और पवित्र युखारिस्त मिस्सा बलिदान के साथ संपन्न कराया गया। धर्मप्रांत मुख्यालय संत अन्ना महागिरजाघर में आयोजित रात्रि जागरण का धर्मविधि मुख्य अनुष्ठाता बिशप विंसेंट बरवा द्वारा मोमबत्ती आशीष के बाद खीस्त के ज्योति का प्रतिक पास्का मोमबत्ती जलाकर किया गया।सिटी पता करने के लिए दिल्ली की केंद्रीय मॉनिटरिंग टीम के द्वारा एंटोमोलॉजिकल सर्वे कर मच्छर के कई प्रजातियों का संग्रह किया गया। साथ ही कालाजार रोगियों से मिलकर फॉलो अप भी किए एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह भी दिए गए। मौके पर डॉ सालखु चंद्र हांसदा, भीबीडी सत्तीबाबू डाबडा, डॉ रोहित कुमार गोंड, डॉ विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

एनभीसीबीडीसी की राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो में मलेरिया, कालाजार, फाइलेरिया, एवं भीबीडी से संबंधित किए जा रहे कार्यक्रमों का निरीक्षण दिल्ली से आए हुए एनभीसीबीडीसी की चार सदस्य राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम ने किया। जिसमें सर्वप्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चल रहे फीवर सर्वे, मलेरिया कालाजार, फाइलेरिया एवं भीबीडी से संबंधित सभी प्रकार के रजिस्टर, प्रतिवेदन, दस्तावेज, आईएचआईपी पोर्टल, प्रयोगशाला कक्ष, दवा भंडार कक्ष, एवं दवा आदि का अवलोकन किए और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। साथ ही समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत कालाजार से अती प्रभावित गांव पंडरिया में आईआरएस के बाद वैक्टर डेनसिटी पता करने के लिए दिल्ली की केंद्रीय मॉनिटरिंग टीम के द्वारा एंटोमोलॉजिकल सर्वे कर मच्छर के कई प्रजातियों का संग्रह किया गया। साथ ही कालाजार रोगियों से मिलकर फॉलो अप भी किए एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह भी दिए गए। मौके पर डॉ सालखु चंद्र हांसदा, भीबीडी सत्तीबाबू डाबडा, डॉ रोहित कुमार गोंड, डॉ विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया टपक सिंचाई प्रणाली का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने आज चानन स्थित टपक सिंचाई प्रणाली का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेतों में लगे फसलों की स्थिति का जायजा लिया और किसानों से सीधे संवाद की।उन्होंने पदाधिकारी को निर्देश दिया कि टपक सिंचाई प्रणाली का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि किसान कम पानी में अधिक उत्पादन कर सकें। उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण की दिशा में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मौके पर मौजूद उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन ने उपायुक्त को टपक सिंचाई की तकनीकी जानकारी दी और अब तक किए गए कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर संबंधित किसान भी उपस्थित रहे, जिन्होंने उपायुक्त से बातचीत कर अपनी अनुभव साझा किए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने किसानों को तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

योजनाओं में फर्जी लाभुक का एंट्री करने पर नपेंगे ऑपरेटर और भीएलई : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के गोपनीय कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीएससी मैनेजर एवं सभी भीएलई के साथ बैठक किया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि पंचायत भवन में संचालित सीएसी सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी भीएलई को जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते समय सही दस्तावेज अपलोड करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में कोई डुप्लिकेट आवेदन नहीं होने चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखें। अगर किसी ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना में गलत एंट्री की है तो उसका डिटेल्स शेयर करें। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले भीएलई को सम्मानित किया जाएगा।

स्कूटी सवार दो युवतियों के साथ बाइक सवार ने की छेड़खानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर स्कूटी पर सवार दो युवतियों के साथ बाइक पर सवार युवक ने छेड़खानी की।युवतियों की स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गयी । गनीमत रही कि पीछे से कोई बड़ा वाहन नहीं आया। इससे दोनों युवतियों की जान बच गयी। युवक के छेड़खानी से स्कूटी पर सवार दोनों युवतियों की जान भी जा सकती थी।

कुजू ओपी क्षेत्र के रतवे गांव निवासी राधा महतो अपनी सहेली बीआईटी मिश्रा, रांची निवासी अंजली महतो के साथ यूट्यूब वीडियो शूट के लिए लोकेशन देखने निकली थी। शनिवार को वे लोग हजारीबाग तक गए थे। लौटने के क्रम में मांडू से ही बाइक पर सवार युवक ने उसका पीछा करना शुरू किया। रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोठार ओवर ब्रिज तक युवक अपनी बाइक से पीछा करते पहुंचा। इस दौरान वह लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। साथ ही अश्लील टिप्पणियां भी कर रहा था। इस दौरान लड़कियों ने उस युवक का वीडियो भी बना लिया। कोठार ओवर ब्रिज राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर उसने लड़कियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और छेड़खानी की। जिससे उनका स्कूटी असंतुलित हुआ और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दोनों लड़कियों को चोटे भी आई। इस मामले में पीड़ित राधा महतो और अंजली महतो ने रामगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। लड़कियों की शिकायत के बाद रामगढ़ पुलिस भी हरकत में आई। पुलिस ने उस बाइक सवार की पहचान करनी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाले जा रहा है। यहां तक कि लाइन होटल में लगाए हुए सीसीटीवी कैमरे को भी पुलिस देख रही है।

जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

- जेल अदालत में 28 कैदियों की हुई जांच
- एक कैदी को सदर अस्पताल रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आज मंडलकारा चास में एक जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । चास जेल में आयोजित इस जेल अदालत में जिसके सदस्य सृष्टि

कुमारी, जे एम १२३ बोकारो एवं डिप्टी चीफ एलएडीसी पम्मी कुमारी थे। साथ ही मंडल कारा चास में स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें जेल में कुल 28 कैदियों की स्वास्थ्य जांच किया गया, जिसमें 22 पुरुष एवं 04 महिला थे, जिसमें एक कैदी को सदर अस्पताल बोकारो रेफर किया गया। साथ ही मंडल कारा चास में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो के सचिव अनुज कुमार, जेलर निखिल कांत एवं अन्य वक्ताओं द्वारा चास जेल के कैदियों को कानूनी जानकारी दी गई। कैदियों को डालसा अंतर्गत दी जाने वाली विभिन्न विधिक सहायता और कैदियों के प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया। उक्त जानकारी अनुज कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो के द्वारा दी गई।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर घुसा घर में, कोई हताहत नहीं

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर गांव में रविवार के दोपहर मिट्टी लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर एक घर में घुस गया। हालांकि इस घटना से कोई हताहत नहीं हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार एक ट्रैक्टर बेगमगंज से मिट्टी लोड कर सिरासिन की ओर जा रहे थे। इसी बीच राधानगर हाई स्कूल मोड़ के पास संजीव मंडल के अर्ध निर्मित मकान में तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर घुस गया। इस समय घर के सदस्य दूसरे तरफ बैठे हुए थे। अचानक इस घटना को देख आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना मिलने पर राधानगर थाना के एएसआई मनोज पासवान मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। विदित हो कि बेगमगंज, राधानगर से प्रत्येक दिन सैकड़ो ट्रैक्टर मिट्टी लोड कर बरहरवा थाना क्षेत्र के विभिन्न ईट चिमनी भट्ठा पर आपूर्ति किया जाता है। इन ट्रैक्टर के चालकों द्वारा तेज रफ्तार से वाहन चलाने से स्थानीय राहगीरों व ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में किया जा रहा है हैंडवाश यूनिट का निर्माण

पाकुड़ : ज़िले में स्वच्छता की दिशा में प्रशासन ने नई पहल की शुरूआत की है जिसके अंतर्गत पाकुड़ जिले के सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 वें वित्त मद से हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अभी तक जिले में कुल 273 हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। ज्ञात हो की हैंडवॉश यूनिट का निर्माण इस प्रकार से किया जा रहा है कि एक साथ 04 बच्चे इसका उपयोग कर सकें।

हिरणपुर मवेशी हाट की नीलामी के लिए होगी खुली डाक

पाकुड़/ हिरणपुर : ज़िले के हिरणपुर प्रखण्ड में वित्तीय वर्ष 2016-17 से हिरणपुर सरकारी मवेशी हाट की डाक राशि 44 लाख रुपया रहने के कारण किसी भी व्यक्ति के द्वारा डाक नहीं लिया जा रहा था। जिला प्रशासन के प्रयास एवं आयुक्त, संथाल परगना के सहमति के आधार पर जिला प्रशासन की ओर से मवेशी हाट का नीलामी के लिए खुली डाक का विकल्प रखा गया है तथा न्यूनतम सुरक्षित राशि 16 लाख 40 हजार 420 रुपए निर्धारित किया गया है जो एक वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा। ज्ञात हो कि जिला प्रशासन के द्वारा 1 वर्षों के लिए डाक की न्यूनतम राशि तय किया गया है।

उपायुक्त ने किया मेधा डेयरी का भ्रमण

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती ने आज मेधा डेयरी का भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा भी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने दूध की पैकिंग प्रक्रिया, उत्पाद निर्माण, पनीर अनुभाग, दूध शीत कक्ष तथा प्रयोगशाला कक्ष समेत विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने डेयरी में स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाओं में मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पाद उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर डेयरी उद्योग के विकास से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने प्रयोगशाला में दूध की जांच प्रक्रिया की जानकारी ली और उसकी दक्षता की सराहना की। इस मौके पर डेयरी प्रबंधन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने उपायुक्त को संचालन संबंधी जानकारी दी। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने डेयरी के समग्र कार्य पर संतोष जताया और सुधार हेतु सुझाव भी दिए।

रंगदारी नहीं देने कारण एक व्यक्ति को मार कर किया बुरी तरह घायल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति को रंगदारी नहीं देने के कारण बुरी तरह मारकर घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुर दियारा निवासी स्वर्ग गंगा विष्णु सिंह का पुत्र गणेश कुमार सिंह उम्र 35 वर्ष खेती-बाड़ी और परवल, सब्जी बेचने का काम करता है। जहां आज दिन रविवार को गोड़ाबाड़ी हटिया में एक व्यक्ति आकर पीड़ित गणेश कुमार सिंह से 50 हजार रंगदारी मांगने लगा, वहीं उक्त व्यक्ति के विरोध करने के उपरांत मार कर उसे बुरी तरह घायल कर वहां से फरार हो गया। घायल उक्त व्यक्ति से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मारने वाला व्यक्ति को पहचानते हैं लेकिन नाम से नहीं जानते हैं। जहां घायल व्यक्ति इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज पहुंचा। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने घायल व्यक्ति का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

डरावनी फिल्मों का रहस्य

हारर फिल्मों में डर का उत्पादन एक फैक्ट्री की तरह होता है- एकदम फॉमूर्ला बेस्ड डर, जैसे स्कूल में पीरियड के लिए घंटी बजते ही सारे बच्चे अनुशासन में आ जाते थे, वैसे ही इन फिल्मों में डराने के लिए पत्तों की "सरसराहट" और बिजली की कड़कड़ होती है। निर्देशक की सोच किसी भूतिया हवेली में जाती है, वहां कैमरा पहुंचते ही पत्ते सरसराने लगते हैं । दरवाजा चूं चरर चूं की आवाज करता है और प्रकाश मद्धिम होता है, मकड़ी के जाले, धूल बोनस में मिलते हैं, पर एक चौकीदार हवेली में जाने किसकी तीमारदारी के लिए सुलभ मिलता है। भूत का भय भूत से बड़ा होता है। डर ही पैदा करना है , तो सीधे भूत को सामने लाइए, ये पेड़ों में लटकाकर भूत को सजा देने की क्या तुक है?

और बारिश, हर भूतिया कहानी में बारिश होती ही है? क्या भूतों का मौसम विभाग से कोई अनुबंध है? जहां डर की आवश्यकता हो, वहां तुरंत "घनघोर घटा" , आंधी आ जाती है। बिजली गायब हो जाती है और आती है, व्हाया आसमान, लरजती चमकती कड़कती है, जैसे किसी पुराने बिजली विभाग के कर्मचारी ने आसमान में एक्स्ट्रा ओवरटाइम लगाया हो। हारर फिल्में एक खास ध्वनि प्रभाव पर जीती हैं। साउंड इंजीनियर के ट्रेक फिक्स हैं, दरवाजा के पल्ले खोलते ही वह चरमराता है, बैकग्राउंड में पायल के घुंघरू छनकाते सफेद वस्त्रावृत महिला दूर जाती दिखती है। इतने पर भी जब समझदार दर्शकों के रोंगटे खड़े नहीं होते तो किसी चमगादड़ को अचानक उड़ाना पड़ता है। साउंड इफेक्ट दर्शक में डर भरने का काम करता है। इस मुकाम के आते आते फिल्म समीक्षक दस में से कितने स्टार देने हैं, तय कर चुकते हैं। हर हारर फिल्म में एक कहानी श्लोक की तरह दोहराई जाती है। पचास साल पहले इस हवेली में एक साध्वी की निर्मम हत्या हुई थी... तबसे उसकी आत्मा यहां भटक रही है। मतलब पचास साल हो गए, और आत्मा अभी भी निकलने वाला मूड नहीं बना पाई! इतने सालों में उसे कोई आत्मा विकास केंद्र न मिल पाया। ये फिल्मी आत्माएं भी पुरानी हवेलियों में ही क्यों भटकती हैं? रेलवे स्टेशन, नए नए खुल रहे एयर कंडीशन मॉल या बिजली विभाग के दफ्तर में क्यों नहीं दिखतीं? शायद वहां डराने से पहले ही उन्हें टिकट या बिजली बिल भरना पड़ता हो। पुरानी एवरेडी वाली टार्च की रोशनी में जब बुजुर्ग चौकीदार खड़खडाहट की तरफ रोशनी डालता है तो काली बिल्ली नजर आती है। भूत भी इतने सभ्य होते हैं कि हमेशा रात का ही इंतजार करते हैं। दिन में अगर कोई डरावना सीन हो जाए तो सेंसर बोर्ड शायद उस भूत की नागरिकता रद्द कर दे। और जब भूत आता है, तो कैमरा जूम इन करता है–तीन बार, तीन एंगल से–मानो भूत की कोई इंस्टाग्राम रील बन रही हो! कुछ फिल्मों में तो भूत खुद को इतना स्टाइलिश दिखाते हैं कि लगने लगता है जैसे वो कोई ब्यूटी पार्लर से निकलकर सीधे शूट पर आए हों। बाल लहराते हुए,भूरी आंखों में काजल, और चाल में स्लो मोशन-भूत कम, फैशन शो के प्रतिभागी अधिक लगते हैं।

नायक या नायिका अकेले किसी कोठरी में जाता है और वहां दीवार पर खून से लिखा होता है–'भाग जा!' लेकिन वो उल्टा पूछता है, 'कौन है?' अरे, लिखा है भाग जा, तो भाग! पर हॉरर फिल्म का राइटर पंगा लेता ही है। ओझा या तांत्रिक की एंट्री होती है, मनोरंजन डबल, इस बीच एक गाना सैट हो जाता है। बाबा लोग हमेशा काले कपड़े में आते हैं। अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है। आत्मा भी मानो स्क्रिप्ट पढ़कर आई हो, बड़बोले बिना समझे मंत्रों के साथ अग्नि में विलीन होकर मुक्त हो जाती है। दर्शक के सिर से बोझ उतर जाता है, और पास से रुपए। समय के साथ कुछ फिल्मों ने थोड़ा मॉडर्न टच दिया है। अब भूत व्हाट्सऐप पर भी दिखने लगे हैं। कोई कोई भूत चैट पर "I am watching you" जैसा मैसेज भेजता है। भूत भी डिजिटल हो गए हैं, अब डराने के लिए टिकटॉक ट्रेंड नहीं, इंस्टा फिल्टर यूज करते हैं। बहरहाल डर वह भाव है जो बिकता है, बस कोई हॉरर फिल्म बना सके तो।

गंभीर चिंता का विषय है चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अब इसके लिए शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए, बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये। राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए आवेदन मांगे गये। 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53,749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है, जबकि इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में बड़ी संख्या में पीएचडी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी शिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल हैं। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक भी चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर रही है।

सवाल है कि आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं। चपरासी के पद के लिए योग्य हैं तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती। फिर सीधा-सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम हैं पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही।

इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है। जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए, इससे नकारा नहीं जा

सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती हैं। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडीक्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है। हां परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है। सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है। सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है, उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है।

दरअसल इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती हैं तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रुप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है। एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है। दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है, जिससे दोहरा नुकसान होता है । एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है, क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है वह काम तो करना ही नहीं है।

अभी कुछ समय पुरानी ही बात है। लगभग सभी जगह हालात यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांश उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं। उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रूप में ली जाने लगीं। इससे अधिकांश नगर निकायों की सफाई व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही, साथ ही असली दावेदार तो बेरोजगार ही रह गए। रोजगार के नाम पर ऐसी भर्तियां हुईं जो बोझ बनकर रह गईं। यह वास्तविकता का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष तो उच्च योग्यता होने के बाद भी उसके अनुसार नौकरी नहीं मिलना है। इसके लिए किसे दोष दिया जाए। सवाल यह उठता है कि बीटेक करने वाले युवक को इंजीनियरिंग का काम नहीं मिलता है तो फिर उसकी पढ़ाई का मतलब ही क्या है। सवाल यह भी है कि जिस तरह निजी क्षेत्र में नए-नए इंजीनियरिंग कॉलेज, एमबीए कालेज खोले गये और उनमें शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता पर ध्यान ही नहीं दिया गया तो केवल डिग्री से क्या होने वाला है।

समस्या इतनी साधारण नहीं है, जितनी इसे समझा जा रहा है। यह बढ़ती बेरोजगारी की समस्या नहीं, अपितु कहीं ना कहीं हमारी संपूर्ण व्यवस्था का ही दोष है। हालात का समग्रता के साथ विश्लेषण करना होगा, नहीं तो चपरासी हो या सफाई कर्मी। अपितु इनसे भी ज्यादा आवेदन आएंगे और भर्ती भी होगी, नौकरी पर भी आयेंगे, वास्तविक युवाओं के लिए रोजगार समस्या ही बना रहेगा। सरकारी खर्चा तो यों ही होता रहेगा पर जिस उद्देश्य से या जिस काम के लिए पदों को भरा जाना है, उसमें हालात नहीं बदलने वाले हैं। फिर यह कहना कि सफाईकर्मी है पर सफाई नहीं हो रही या चपरासी है पर चपरासी के काम करने वालों की कमी है तो हालात ऐसे ही रहने वाले हैं। यह समूची व्यवस्था के सामने चुनौती है और इसका समाधान खोजना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बुरी आदतों को हटाने का सबसे सुंदर उपाय है ध्यान

कृष्ण बिहारी मिश्र

माया को काटने का काम प्रेमावतार परमहंस योगानन्द जी द्वारा बताई गई तकनीक हैं। इन तकनीकों का निरन्तर अभ्यास करने, उनके दिये गये लेशनों को पढ़ने व ग्रुप मेडिशन करने से आप स्वयं बुरी आदतों से मुक्त हो जायेंगे। आप इसके बाद स्वयं महसूस करेंगे, कि आप आध्यात्मिक पथ पर कहां पहुंचे हैं। उक्त बातें आज योगदा सत्संग आश्रम में रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी अतुलानन्द ने योगदा भक्तों के बीच में कहीं।

उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में हमारी आदतों का विशेष हस्तक्षेप रहता है। इसलिए आंतरिक परिवर्तन के लिए हमारे अंदर जो आदतें घर कर डाली हैं, उनका विशेष महत्व है। वस्तुतः आदतें हैं क्या? दरअसल आदतें वैसा काम हैं, जो हम बार-बार करते हैं, यहीं बार-बार की काम हमारी आदतें बन जाती हैं। जो बुरी भी हो सकती हैं और अच्छी भी हो सकती हैं।

उन्होंने कहा कि अच्छी आदतें हमें आध्यात्मिक पथों को आलोकित करती हैं, बेहतर बनाती है, जबकि बुरी आदतें हमारी आध्यात्मिक पथों को बाधित करती हैं, जिससे हम ईश्वरीय मार्ग से भटक जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें बुरी आदतों को हटाना है, तो उसका सबसे सुंदर उपाय हैं झ ध्यान।

ब्रह्मचारी अतुलानन्द ने कहा कि हम सब कई काम आदतों के ही कारण करते हैं। इन्हीं आदतों से हमारा जीवन चलता है। लेकिन ज्यादातर लोगों को इस पर ध्यान नहीं जाता। इन आदतों पर ध्यान नहीं देने के कारण ही बुरी आदतें हमें ऐसा प्रभावित करती हैं कि हमारी जीवन कब नष्ट होने लगा, कब हम ईश्वरीय मार्ग से भटक गये पता ही नहीं चलता। उन्होंने कहा कि अच्छी आदतें हमारी मित्र हैं और बुरी आदतें हमारी शत्रु हैं। उन्होंने कहा कि हर किसी को आदतों को एनालाइसिस करना सीखना चाहिए। किन आदतों से हम पीछे जा रहे हैं और किन आदतों से हम आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि ये आदतें आपकी हैं, इसलिए इसका एनालाइसिस कोई दूसरा तो करेगा नहीं, इसलिए इसकी विवेचना खुद करिये और बेहतर स्थिति में स्वयं को लाने का प्रयास करिये।

उन्होंने बताया कि हम बुरी आदतों से आसानी से बच सकते हैं। अगर हम गुरुजी के द्वारा बताये गये मार्गों पर चलें। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने कहा है कि जब तक हम नये वातावरण में, अपनी अच्छी आदतों को पूरी तरह अपना नहीं लेते, तब तक पूर्व की बुरी आदतों के सम्पर्क में हमें स्वयं को नहीं आने देना हैं। जैसे ही हम अच्छी आदतों को अपना लेंगे, वो बुरी आदतें स्वतः हमसे दूर हो जायेंगी। फिर उसका कोई दुष्प्रभाव हम पर नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर हम अच्छी आदतों को अपना लें और बुरी आदतों के प्रभाव में भी स्वयं को रखेंगे तो निश्चय ही कोई सफलता नहीं मिलेंगी। ब्रह्मचारी अतुलानन्द ने इस पर बड़ा सुंदर दृष्टांत सभी के समक्ष रखा, जो प्रशंसनीय था।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बुरी आदतों पर वहीं विजय पा सकता है। जिसका विल पावर स्ट्रांग हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पसंद व नापसंद को अपने जीवन में ज्यादा भाव मत दीजिये, क्योंकि यह भी बुरी आदतों को जन्म देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा देता है। बिना स्ट्रांग विल पावर के आप अपने माइन्ड को कंट्रोल नहीं कर सकते। स्ट्रांग विल पावर के द्वारा ही हम हर प्रकार की समस्याओं पर विजय पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई बुरी आदतों से निकलना चाहता है तो उसे क्रिया योग का अभ्यास करना चाहिए। क्रिया योग के अभ्यास के बाद उसे स्वयं को डिवाइन लव से ओत-प्रोत होना होगा। ऐसा करने से वो व्यक्ति स्वयं महसूस करेगा कि वो बुरी आदतों से स्वयं को मुक्त करने के मार्ग पर आगे बढ़ चुका हैं। उन्होंने लोगों को कहा कि आप झूठ बोलने की आदत मत डालें। हमेशा याद रखें कि अगर आपका स्वास्थ्य खराब है तो जिनका स्वास्थ्य अच्छा हैं, ऐसे लोगों से सम्पर्क में रहिये। अगर आप नकारात्मक सोच से भरते जा रहे हैं, तो ऐसे लोगों से सम्पर्क करिये, जो सकारात्मक सोच से भरे हो। यहीं आपके लिए फायदेमंद हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादा खाना, शराब पीना, किसी से झगड़ना, झूठ बोलना, क्रोध करना, ये सभी आदतें बुरी आदतों में शुमार हैं। अगर आप बुरी आदतों को खाना नहीं दोगे, तो ये बुरी आदतें स्वतः समाप्त हो जायेंगी। इसे समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका एक और है कि आप प्रत्येक दिन चिन्तन करें कि आपने आज क्या गलत किया और जैसे ही उस गलत का पता चलें, उसे तुरंत अपने स्ट्रांग विल पावर से खत्म करना शुरू कर दीजिये। आप देंखेंगे कि वो गलत चीजें आपकी आदतों में शुमार नहीं होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छा रहेगा कि ऐसा करने में गुरू जी को भी शामिल करिये और उनसे प्रार्थना करिये कि वे आपकी इसमें मदद करें। वे जरुर आपकी मदद करेंगे। आपके पथ को आलोकित करेंगे।

उन्होंने कहा कि अच्छी आदते क्या हैं? सत्संग करना, ध्यान करना, सत्य बोलना, किसी की सहायता करना, गुरुजी की बताई लेशन को याद करना व उस पर चलना, फालतू बातें नहीं करना, विनम्र बनना, ईश्वर व गुरु को सदैव अपने मन में लेकर चलना, हमेशा लेने में नहीं बल्कि देने में विश्वास करना, सकाम से ज्यादा निष्काम सेवा में स्वयं को लगाना, ये सारी आदतें अच्छी आदतें ही तो हैं। आप हमेशा याद करिये कि निष्काम सेवा का फल ऊपर से आता हैं। यह मिलना ही मिलना है। यह सर्वोच्च सेवा हैं। जो ईश्वर को बहुत ही पसंद हैं।

लेखक बिहार-झारखण्ड के वरिष्ठ पत्रकार व विद्रोही24 के सम्पादक हैं।

सूडोकु नवताल- 7407

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7406 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

गर्मी में परिंदों की प्यास बुझाना इंसानियत की परीक्षा

प्रियंका सौरभ

तेज होती गर्मी, घटते जलस्रोत और बढ़ती कंक्रीट संरचनाओं के कारण पक्षियों के लिए पानी और छांव जैसी बुनियादी जरूरतें भी दुर्लभ होती जा रही हैं। परिंदे हमारी प्रकृति का अभिन्न हिस्सा हैं और अगर वे गायब हो गए तो यह धरती और भी सूनी हो जाएगी। आधुनिक समाज वातनुकूलक (ए.सी.) चलाने में सक्षम है, लेकिन पक्षियों के लिए एक कटोरा पानी रखने में असफल। हर व्यक्ति अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करके इस स्थिति को बदल सकता है, जैसे छत या बालकनी में पानी रखना, पेड़ लगाना और बच्चों में करुणा की भावना जगाना। यह सिर्फ परिंदों के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए भी एक परीक्षा है कि क्या हम वाकई इंसान हैं।

गर्मी अब सिर्फ तापमान नहीं रही, यह अब एक त्रासदी बन गई है, खासकर उनके लिए जिनकी आवाज न अखबार में छपती है, न टीवी पर आती है, और न ही सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग लिस्ट में। बात हो रही है उन छोटे-छोटे परिंदों की जो इस तेज धूप, सूखी हवाओं और कंक्रीट के जंगल में चुपचाप प्यास से तड़प कर मर जाते हैं। कोई पानी डाल दे तो मैं भी चोंच भर पी लूं...यह पंक्ति अब किसी कविता की कोमल कल्पना नहीं रही, यह एक जीवित सच्चाई है। एक निरीह पुकार जो हर दोपहर किसी छत पर, किसी सूखी डाल पर, किसी तपती खिड़की की जाली के पीछे से उठती है। हमने पेड़ काटे, तालाब पाटे, छज्जों को सीमेंट से बंद कर दिया और टीन की छतों से सूरज को और गर्म कर दिया। आधुनिकता के नाम पर हमने अपने घरों को एसी से ठंडा किया, लेकिन परिंदों के लिए एक घूंट पानी छोड़ना भूल गए। पक्षियों के घोंसले बनाने की जगहें कम होती जा रही हैं। अब उनके लिए न पेड़ बचे, न परछाई, न ही वह परंपरागत संस्कृति, जिसमें हर घर की मुंडेर पर मिट्टी का एक कटोरा पानी से भरा होता था।

कई पर्यावरण संस्थाएं बता रही हैं कि गर्मी में पक्षियों की मृत्यु दर में लगातार वृद्धि हो रही है। खासतौर पर गोरैया, कबूतर, मैना, बुलबुल जैसे छोटे पक्षी गर्मी की दोपहर में बेहोश होकर गिर जाते हैं। यदि उन्हें समय पर पानी न मिले, तो मर भी जाते हैं। पर क्या इनकी मौतें किसी समाचार का हिस्सा बनती हैं, क्या इन पर कोई सरकारी घोषणा होती है या फिर क्या इनका कोई 'एनजीओ सम्मेलन' बुलाया जाता है। दरअसल परिंदे सिर्फ आसमान की शोभा नहीं हैं, वे हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न अंग हैं। वे कीट नियंत्रण करते हैं, परागण में मदद करते हैं, बीज फैलाते हैं और सबसे जरूरी कि वे जीवन के संगीत को बनाए रखते हैं। अगर पक्षी गायब हो गए तो यह धरती और अधिक वीरान हो जाएगी और हम भी। हमें यह समझना होगा कि ये नन्हें जीव प्रकृति की बड़ी चेतावनियाँ लेकर आते हैं। जब वे प्यास से मर रहे हैं तो समझिए कि पानी की कमी अब हमारी ओर भी बढ़ रही है।आज जरूरत इस बात की है कि हम 'बर्ड फ्रेंडली' समाज बनें। यह कोई बड़ा आंदोलन नहीं, सिर्फ छोटी-छोटी चीजें हैं। छत या बालकनी में एक मिट्टी का पानी भरा कटोरा रखें। पेड़ लगाएं, खासतौर पर नीम, पीपल, अमरूद जैसे देशी वृक्ष। बच्चों को परिंदों के बारे में बताएं, दया, संवेदना और जुड़ाव सिखाएं। गर्मियों में पशु-पक्षियों के लिए छाया और पानी की व्यवस्था करें। मंदिरों-मस्जिदों-गुरुद्वारों जैसे स्थलों को भी प्रेरित करें कि वे पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। यह काम किसी सरकार का इंतजार नहीं करता। यह आपके हाथ में है। हम ए.सी. चलाने के लिए हजारों की बिजली जला देंगे, लेकिन एक कटोरा पानी रखने में कंजूसी कर जाते हैं। हम स्मार्ट सिटी बनाने के लिए करोड़ों बहा देंगे, लेकिन स्मार्टनेस इतनी नहीं कि बेजुबानों के लिए भी कुछ छोड़ सकें। हमारे समाज में अब 'करुणा' भी इंस्टाग्राम रील बन गई है सिर्फ दिखावा भर, पर असर नहीं। गाँवों में भी अब पुराने तालाब सूख रहे हैं, बावड़ियाँ टूट चुकी हैं और पशु-पक्षियों के लिए पीने का पानी अब मुश्किल हो गया है। एक समय था जब गाँव में हर कुएँ की मेड़ पर परिंदे पानी पीने आते थे। आज वही कुएँ सीमेंट से बंद कर दिए गए हैं। शहरों ने गाँवों को विकास तो दिया, लेकिन वह विकास पक्षियों के लिए विनाश बन गया।

जलवायु परिवर्तन का सबसे पहला और सीधा असर बेजुबानों पर पड़ता है। तापमान में जरा-सी वृद्धि भी इनके लिए प्राणघातक हो सकती है। इंसान तो पंखा चला लेता है, बर्फ खा लेता है, डॉक्टर के पास चला जाता है। पर चिड़िया कहां जाए, कबूतर किससे कहे कि वह प्यासा है। हम खुद को बुद्धिजीवी, संवेदनशील, शिक्षित और विकसित कहते हैं, लेकिन क्या कोई भी ऐसी सभ्यता वाकई 'विकसित' कहलाने लायक है जो अपने साथ रहने वाले जीवों को मरता देखे और फिर भी चुप रहे। हर गर्मी हमें यह सोचने का मौका देती है कि इस बार क्या हम अपने घर की छत, खिड़की, बालकनी या आंगन में एक कोना ऐसा बना सकते हैं, जहां कोई छोटा परिंदा अपनी चोंच भर पानी पी सके।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं।)

दैनिक पंचांग

21 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.56 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	08.54 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	11.08 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.24 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.36 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.47 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	20.01 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.17 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.22 बजे से
राहुकाल		कुंभ	02.09 बजे से
7.30 से 9.00		मीन	03.42 बजे से
बजे तक		मेष	05.12 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 111 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 18.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 12.37 बजे को समाप्त।
योग साध्य 23.00 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.06 बजे तदनन्तर कौलव 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 52'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872321
जूलियन दिन 2460786.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अखिलेश ने जिसे हड़काया, योगी ने उसे गनर दिया

कहा- सपाई टूट पड़े थे, पुलिस न होती तो मार डालते

लखनऊ। 'सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक कार्यक्रम में कहा कि भगवा कपड़ा पहनने के बाद मुख्यमंत्री अंडे की तरह दिखते हैं। इस पर मैंने उन्हें टोक दिया। मैंने कहा- संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति के लिए आप ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकते।इसके बाद अखिलेश बिफर पड़े। उन्होंने अपने कार्यकताओं को उकसा दिया। वे लोग मेरी तरफ दौड़े। मुझे गालियां देने लगे। अगर पुलिस वहां मौजूद न होती, तो सपाई हमें जान से मार देते। मेरे साथ अगर कोई भी घटना होती है, तो इसके पीछे अखिलेश का हाथ होगा। धमकियों को देखते हुए सीएम योगी ने मुझे गनर दिया है।'यह कहना है भाजपा कार्यकर्ता विनीत शुक्ला का। विनीत की अखिलेश के साथ तू-तू मैं-मैं हो गई थी। शुक्रवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश योगी सरकार को घेर रहे थे। विनीत ने आपत्ति जताई तो अखिलेश भड़क गए।यूपी भाजपा ने फेसबुक पर अखिलेश का एक वीडियो शेयर किया। इसमें अखिलेश कह रहे हैं- भाजपा के लोग हमें बोल सकते हैं क्या? ये आदमी भाजपा का है। इस तरह कोई भड़ास निकाल सकता है? मैं इसको निकाल बाहर कर दूंगा । झगड़ा हो जाएगा...मैं बता रहा हूं। आयोजकों से कहा- ये आपकी जिम्मेदारी है। इस तरह के लोगों को यहां नहीं बैठा सकते आप। कार्यक्रम में अखिलेश यादव को लोग सुन रहे थे। मैं भी उनमें से एक था। उनके बाद डिप्टी सीएम वहां पहुंचने वाले थे, इसलिए हम लोग पीछे बैठे हुए थे। अखिलेश ने भगवा रंग पर टिप्पणी की। फिर कई धार्मिक बातों पर भी टिप्पणी करने लगे। अचानक कहने लगे कि भगवा रंग का गमछा डालने के बाद हमारे योगी जी अंडे जैसे दिखते हैं। इस पर मैंने आपत्ति जताई। कहा- यह अनर्गल और अभद्र भाषा है, जिसका इस्तेमाल आप एक संवैधानिक पद पर बैठे संत के लिए कैसे कर सकते हैं। इस पर अखिलेश भड़क गए। बोले- धमकी देने वालों को यहां से निकाल दो। मैंने कहायह कोई सपा का कार्यालय नहीं है। मैं भी कार्यक्रम में आमंत्रित हूं। इस पर उन्होंने धमकाते हुए कहा- झगड़ा हो जाएगा।अखिलेश के इतना कहते ही उनके प्रवक्ता मनोज यादव और कई कार्यकर्ता मुझ पर टूट पड़े। गालियां देने लगे। कहने लगे- तुम्हें जान से मार देंगे। बाहर निकलो, तो तुम्हें देख लेंगे। शुक्र था कि वहां पुलिस मौजूद थी। वरना मुझे जान से मार देते।जब मैं बाहर निकला, तो सपा कार्यकताओं ने धमकी दी। बोले- इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। मैंने उनसे कहा कि मैं भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता हूं। विभिन्न अभियानों में काम किया है। मेरा किसी से कोई राजनीतिक द्वेष नहीं है। सोशल मीडिया पर भी धमकियां मिल रही हैं- 2027 के बाद देख लेंगे।नहीं, मैं सपा में कभी नहीं रहा। मैं विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता रहा हूं। हां, कई लोग मुझसे मिलते-जुलते हैं, इसीलिए भ्रम हो सकता है।जो लोग मुझ तक आए, धमकी दी, धक्का-मुक्की की। उन्हें मैं पहचानता हूं। मनोज यादव समेत कई सपा कार्यकताओं को सामने आने पर पहचान लूंगा। पुलिस प्रशासन सख्त न होता, तो मुझे जान से मार देते। पुलिस ने घेरे में लेकर मेरी सुरक्षा की। मैंने तहरीर दे दी है। संगठन को भी जानकारी दे दी है। मैंने किसी भी आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग नहीं किया। बस अखिलेश की कुछ टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। इसी पर वे भड़क गए और कार्यकताओं को उकसाया।इस घटना के बाद महाराजजी (सीएम योगी) की ओर से मुझे सुरक्षा दी गई है। हमने इसकी मांग की थी। कहा था- मेरी जान को खतरा है। सपा वाले मुझे धमका रहे हैं। सपा का चरित्र ही गुंडई का है।

वाटर एटीएम का सभासद प्रभुनाथ सिंह ने फीता काटकर किया उद्घाटन

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर द्वारा वार्ड संख्या 20 शहीद भगत सिंह नगर (खेदनी) में स्वच्छ जल, स्वच्छ जीवन के तहत लगे निःशुल्क वाटर एटीएम का सभासद प्रभुनाथ सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया।
रविवार को उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभासद श्री सिंह ने कहा कि नपा प्रशासन ने पानी की किल्लत दूर करने के लिए नई पहल की है। आमजन के लिए वार्ड में पानी के लिए निःशुल्क वाटर एटीएम लगने से अब कोई भी प्यासा नहीं रहेगा और शुद्ध पानी पीकर स्वस्थ्य रहेगा। पूर्व महामंत्री छात्र संघ बीपीजी कुशीनगर अशोक कुमार सिंह ने कहा कि पानी की उपलब्धता के लिए आमजन के लिए नई पहल निश्चित ही उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर इंद्रपाल गोंड, जितेंद्र शर्मा, राम नगीना, श्रीराम कुशवाहा, लक्ष्मी कुशवाहा, सफाई नायक निजाम, शुभम, रोशन सिंह, अविनाश सिंह, सुमित, कुंदन, सुधांशु व सफाई कर्मी मौजूद रहे।

बौद्ध संग्रहालय में अवधेश तिवारी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी आज

संवाददाता
कुशीनगर । जर्नलिस्ट्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष अवधेश तिवारी की 13 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जर्नलिस्ट्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन (जे०डब्लू०ओ०) कुशीनगर तथा नवप्रभा शैक्षिक, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय मंच कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह-2025 व समकालीन दौर में प्रिन्ट मीडिया की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवरिया सदर विधायक डॉ शलभ मणि त्रिपाठी तथा मुख्य वक्ता पूर्व सांसद कुशीनगर राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू भईया होंगे। उक्त की जानकारी कार्यक्रम के संयोजक आलोक कुमार तिवारी ने प्रेस वार्ता में दी। बताया कि यह कार्यक्रम 21 अप्रैल को राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर में सुबह 11 बजे से होगा। इसके विशिष्ट अतिथि के तौर पर बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र, उदित नारायण पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो ममता मणि त्रिपाठी, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य प्रो अमृतांशु कुमार शुक्ल, कुशीनगर महोत्सव समिति के अध्यक्ष विनय राय, नगरपालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष किरन जायसवाल, विषय प्रवर्तक के रूप हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो गौरव तिवारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जर्नलिस्ट्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष व पूर्व विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी करेंगे।

पत्रकारों की बैठक में क्षेत्रीय सम्मेलन पर हुई चर्चा

पत्रकार हितों के लिए संघर्ष कर रही एबीपीएसएसः अजय सिंह

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति कुशीनगर (एबीपीएसएस) की एक बैठक बुद्ध स्थली स्थित बिड़ला धर्मशाला के सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें क्षेत्रीय सम्मेलन कराने को लेकर चर्चा करते हुए जिम्मेदारियां बांटी गई। रविवार को एबीपीएसएस की जिला इकाई की बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना है और जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करता है। आज के दौर में पत्रकार उत्पीड़न की बढ़ी घटनाएं चिंता जनक हैं। संगठन पत्रकार हितों के लिए संघर्ष कर रही है और देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को लेकर जागरूकता अभियान चला रही है। प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय, प्रदेश कार्य समिति सदस्य आदित्य शाही, जिलाउपाध्यक्ष विजय कुमार यादव, कोषाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, पडरौना तहसील अध्यक्ष अर्जुन वेदांत ने अपने विचार रखते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा और आभार तहसील अध्यक्ष कसया कामाख्या नारायण मिश्रा ने व्यक्त किए। इस दौरान जिला संगठन मंत्री ज्ञानेश्वर बरनवाल, गोविंद पटेल, मनीष यादव, असलम अंसारी, संदीप कुमार सिंह, सरफराज आलम, राजन सिंह, कार्यालय प्रभारी मस्तराज शर्मा सहित प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के संगठन से जुड़े पत्रकार उपस्थित रहे।

रक्षामंत्री ने सुलभ संस्थापक को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को अलीगंज स्थित एक सार्वजनिक समारोह में सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ. बिंदेश्वर पाठक की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान डॉ. पाठक की बहू नित्या पाठक भी मौजूद रहीं।डॉ. बिंदेश्वर पाठक ने 1970 में सुलभ इंटरनेशनल की स्थापना की थी, जो स्वच्छता और शौचालय क्रांति की दिशा में एक बड़ा सामाजिक आंदोलन बन चुका है।राजनाथ सिंह ने इस मौके पर कहा- डॉ. पाठक का जीवन समाज सेवा को समर्पित रहा। स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारने में उनका योगदान ऐतिहासिक है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया।पाठकजी व्यक्ति नहीं, आंदोलन थे : राजनाथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में डॉक्टर बिंदेश्वर पाठकजी की प्रतिमा स्थापित की गई है। पाठकजी के बारे में मैं मानता हूं कि वह व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आंदोलन थे। उनका एक दूर दर्शी सामाजिक उद्देश्य रहा था। इसमें कोई संदेह की बात होगी कि पाठक जी ने भारत के स्वच्छता परिदृश्य को बदलने में अहम योगदान दिया है।कहा- उन्होंने सिद्ध कर दिया कि अगर सेवा भाव सच्चा हो तो समाज में बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। सुलभ इंटरनेशनल की स्थापना न केवल स्वच्छता का अधिकार दिलाया बल्कि उनके लिए सम्मानजनक जीवन की राह खोली है। उन्होंने महात्मा गांधी के स्वच्छता ही सेवा के विचार को बेहतर रूप देने का काम किया है। सुलभ इंटरनेशनल ने सामुदायिक शौचालयों को संचालित करने के अलावा सामाजिक क्रांति लाने का काम किया। पाठक जी खुले में शौचालय करने के हमेशा से विरोध में थे शायद इसलिए उनके अंदर ये प्रेरणा उत्पन्न हुई कि हमें सुलभ इंटरनेशनल का काम प्रारंभ करना चाहिए।

12 मई को मनेगी 2569 वीं त्रिविध पावनी बुद्ध जयंती

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर में 12 मई को 2569 वीं त्रिविध पावनी बुद्ध जयंती समारोह के आयोजन को लेकर म्यांमार बुद्ध बिहार के सभागार में हुई बैठक में समारोह की सफलता को लेकर जिम्मेदारियां बांटी गयी। रविवार को कुशीनगर भिक्षु संघ अध्यक्ष अग्ग महा पण्डित भदन्त ज्ञानेश्वर ने अध्यक्षता करते हुए बुद्ध जयंती समारोह की सफलता के लिए सहयोग और सुझाव की अपील की। 11 मई रविवार की सायँ 4 बजे महापरिनिर्वाण मन्दिर में विशेष पूजा, 12 मई सोमवार प्रातः 5:30 बजे से 6:30 बजे तक महा परिनिर्वाण मंदिर में सूत्र पाठ, पूजा, वंदना, भिक्षुओं को संघदान व बुद्ध पूजा पूर्वान्ह 11 बजे म्यांमार मन्दिर में, शोभायात्रा प्रातः 7 बजे से महापरिनिर्वाण मन्दिर की।परिक्रमा करते हुए महापरिनिर्वाण पथ, चाइना मन्दिर मुख्य गेट, कुशीनगर चौराहा, बुद्ध इंटर कालेज, बुद्ध पीजी कालेज, अम्बेडकर नगर, गांधी चौक कसया, गोलाबाजार, नेशनल हाईवे चौक, दीवानी कचहरी, अनिरुद्धवा, रामाभार स्तूप, श्रीलंका बुद्ध बिहार, श्रीलंका जापानी बुद्ध बिहार, थाई बुद्ध बिहार, माथा कुंवर मन्दिर, झुग्वा, सुखारी छपरा, भदन्त ज्ञानेश्वर बुद्ध बिहार होते हुए म्यांमार बुद्ध बिहार पहुंचेगी। जहां आयोजित धम्म सभा में भिक्षु संघ द्वारा त्रिशरण पंचशील कार्यक्रम होगा। मुख्य अतिथि म्यांमार के राजदूत ऊ जो और विशिष्ट अतिथि दी द ऊं गोरखपुर की कुलपति पूनम टंडन शामिल होंगी। बैठक में पूर्व विधायक रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने अपने विचार रखे। संचालन टीके राय ने किया। इस अवसर भन्ते शील प्रकाश, भन्ते अशोक, भन्ते महेन्द्र, भन्ते डॉ. नन्द रतन, भन्ते नंदका, भन्ते यशपाल, भंते उपाली, उपासक राम नगीना, फूल बदन, सभासद केशव सिंह, रमेश, संतराज, रामेश्वर, राजेश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

यज्ञ से शुद्ध वातावरण होता हैः रजनीकांत मणि त्रिपाठी

संवाददाता
कुशीनगर। हाटा बिकास क्षेत्र के गांव नकहनी में पंचायत भवन पर 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संगीतमय प्रवचन का शुभारंभ रविवार को जलभरी के साथ किया गया। जलभरी जुलूस हाथी-घोड़े एवं बैंड-बाजे के साथ नकहनी पतई भठही परसौनी महुई होते हुए क्षेत्र का परिभ्रमण कर जलभरी उपरांत गायत्री शक्तिपीठ यज्ञ मंडप परिसर पहुंचा। कलश यात्रा का शुभारंभ पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव भाजपा पिछड़ा वर्ग के जिला मंत्री सीता गुप्ता द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। और पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने श्रद्धालुओं को स्वागत किया और कहा कि यज्ञ से शुद्ध वातावरण होता है और हम सभी लोग अपने आप को सनातन धर्म में भाव-विभोर होकर अपने दायित्व को निर्वहन करते हैं कलश यात्रा में करीब तीन हजार महिलाएं एवं युवतियां पीले परिधान में कलश के साथ शामिल हुई। वहीं रथ पर गायत्री माता का रूप धारण कर युवतियां कलश यात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। वहीं कलश यात्रा के दौरान कलाकारों के द्वारा देवी-देवताओं का रूप धारण कर शोभा यात्रा को आकर्षक एवं मनमोहक मनाया गया था। यज्ञ के मुख्य यजमान पूर्व ग्राम प्रधान घनश्याम राय उर्फ पिंटू राय रहें यज्ञाचार्य सुरेश शास्त्री ने कहा कि प्रतिदिन दोपहर तक पूजा-अर्चना के बाद संध्याकाल में संगीत में प्रवचन का आयोजन किया गया जिसमें हरिद्वार से पधारे संघ के द्वारा प्रवचन किया गया विदित हो कि 20 अप्रैल से लेकर 24 अप्रैल तक चलने वाले इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन को प्रातः 8:00 बजे से देव पूजन एवं हवन यज्ञ प्रारंभ होगा और प्रतिदिन संध्या 6:00 बजे से संगीतमय प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। गायत्री महायज्ञ के समापन पर 24 अप्रैल को हवन पूजन एवं यज्ञ के उपरांत पूर्णाहुति कर ऋषि पुत्रों को विदाई दी जाएगी। इस अवसर पर पूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष बिनोद कुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय, रमाशंकर राव, मिश्री गुप्ता, ब्रह्मदेव सिंह, सत्यनारायण सिंह, उदयभान सिंह, राजमंगल बर्मा, राजाराम गुप्ता, महेंद्र यादव, तेज प्रताप सिंह, मोरध्वज पटेल, सुरेन्द्र दिनेश, हरिद्वार शर्मा, राजीवावन, संजय राव, जयप्रकाश, रामजस, सुरेन्द्र गोंड मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

कुरारा में हुआ भूमि पूजन समारोह सम्पन्न

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश हमीरपुर के कुरारा, वार्ड नम्बर 9 के समारोह में ब्रह्मकुमारी ओम शांति विश्वविद्यालय आश्रम में आयोजित एक खास भूमि पूजन समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर चेयरमैन आशारानी सहित ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल, क्षेत्रीय मंत्री कल्लू सिहं, मौजूद रहे। ये आयोजन शांति, आध्यात्मिकता और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक खास कदम है। वही ब्रह्मकुमारी ओम शांति आश्रम की बहनों ने अपनी प्रेरणादायक मौजूदगी से कार्यक्रम को और भी खास बनाया। आइये, हम सभी मिलकर इस नेक कार्य का समर्थन करें और सकारात्मकता का संदेश फैलाये।

संस्कार भारती का भू अलंकरण दिवस कल

संवाददाता
कुशीनगर। संस्कार भारती कुशीनगर के तत्वावधान में 22 अप्रैल दिन मंगलवार को श्रीराम जानकी मन्दिर मठ कसया पर 3 बजे सायंकाल से भू अलंकरण दिवस के अवसर पर एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सूचना देते हुए जिलाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संस्कार भारती पृथ्वी दिवस को भू अलंकरण दिवस के रूप में मनाती है। रंगोली में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कृत भी किया जायेगा।

हमीरपुर ट्राफिक सीओ शाहरुख खान ने रोड एक्सीडेंट रोकने और जाम से निजात दिलाने के लिये चलाया अवरनेस कैंपेन

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर सीओ ट्राफिक शाहरुख खान ने सुमेरपुर क्षेत्र में ई- रिक्शा वाहन ड्राईवरों को ट्राफिक रुल्स के बारे में जानकारी के मद्देनजर अवरनेस कैंपेन चलाया गया, जबकि कैंपेन के तहत पब्लिक प्लेस, प्रमुख चौराहों सहित भीड़ भाड़ वाले इलाकों में ई- रिक्शा ड्राईवरों को, लाइसेंस, बीमा, वर्दीधारी मार्क्स को फालो करने के साथ ही ओवरस्पीड से बचने के जरुरी रुल्स की जानकारी दी गई। कैंपियन के दौरान ड्राईवरों को ट्राफिक रुल्स की खिलाफ वर्दी से होने वाले नुकसानो के बारे में अवेयर किया गया। जबकि सीओ ट्राफिक शाहरुख खान ने लोगों से सीधे तौर पर मुखातिब होकर आमलोगों को सेफ्टी की इम्पारटेंस को आसान लफ़्जों में समझाया गया। अभियान नागरिकों में ट्राफिक डिसिप्लिन को बढ़ावा देने, सड़क हादसों में कमी लाने सहित ट्राफिक इंतजामों की बेहतरी के लिये एक शानदार कदम रहा।
इस मौके पर ट्राफिक इंचार्ज हरवेन्द्र सिंह सहित बुध्दिजीवी, ट्राफिक कर्मचारी मौजूद रहे।

कार ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर

लखनऊ। के ठाकुरगंज इलाके में तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर कई गाड़ियों में टक्कर मारकर पलट गई। कार के एयरबैग खुल जाने से कार सवार सभी लोग बच गए। घटना कला कोठी के पास की है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। ठाकुरगंज इलाके में बंधा रोड कला कोठी के पास शनिवार रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार क्रेटा कार ने आगे चल रही गाड़ी में टक्कर मार दी। इसके बाद कई अन्य गाड़ियों में टक्कर मारते हुए बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुल गए।घटना के बाद शादी लॉन में आए लोग मौके पर जुट गए। वहां मौजूद लोगों घटना का जानकारी पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि कार सनरूफ खोलकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

मलिहाबाद में चोरों ने दो दुकानों को बनाया निशाना

लखनऊ। के मलिहाबाद में चोरों ने दो दुकानों को निशाना बनाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोड पर स्थित अंसारी कम्युनिकेशन जनसेवा केंद्र में चोरों ने शटर तोड़कर प्रवेश किया। वहां से तीन हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली। इसी मार्ग पर स्थित तुफैल मोबाइल शॉप का भी शटर तोड़ने की कोशिश की गई।
लेकिन चोर कुछ चुरा नहीं पाए। जनसेवा केंद्र के मालिक मोहम्मद लुकमान अंसारी और मोबाइल शॉप के मालिक नबील ने मलिहाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई है।
क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोग परेशान हैं। उनका कहना है कि पुलिस की निगरानी के अभाव में चोर बेखौफ होकर वारदातें कर रहे हैं। थाना प्रभारी सुरेंद्र भाटी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्ध दिखे हैं। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका पहुंचा भारत का अनार

- समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया

मुंबई। भारत के प्रमुख अनार निर्यात बाजारों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब और श्रीलंका के बाद अब अमेरिका भी शो मिल हो गया है। भारत से पहली बार महाराष्ट्र से न्यूयॉर्क तक समुद्री मार्ग से 14 टन अनार की पहली खेप भेजी गई है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अमेरिका के कृषि विभाग के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा, राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन और सोलापुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर इस पहल को अंजाम दिया है। समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया, जिससे फलों की शेल्फ लाइफ 60 दिन तक बढ़ाई जा सकी। इस खेप में 4,620 बॉक्स शामिल थे और पांच सप्ताह में इसे डिलीवर किया गया। गुणवत्ता और उपस्थिति दोनों के लिहाज से इसे अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में एपीडा ने नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ पूर्व-मंजूरी कार्यक्रम भी आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 72,011 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया था जिसकी कीमत 69.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही। वहीं, 2024-25 की 30 अप्रैल से जनवरी अंत में यह निर्यात 59.76 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

बीते वित्त वर्ष वाहन निर्यात 19 फीसदी बढ़कर 53.63 लाख इकाई हुआ

जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में यात्री, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में तेजी की वजह से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख इकाई से अधिक हो गया है। पिछले वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 53.63 लाख इकाई रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी है। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बने वाले वैश्विक मॉडल की मांग में बढ़ोतरी की वजह से इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना बेहतर वार्षिक प्रदर्शन किया। सियाम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है।

पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में तिपहिया वाहनों के निर्यात में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3.1 लाख इकाई रहा। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 80,986 इकाई रहा, जबकि इससे पिछले साल यह 65,818 इकाई था।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए

- गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री होने के कारण कारोबारी धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली। सहकारी संस्था नेफेड द्वारा 21 अप्रैल से सोयाबीन बेचने की अफवाहों तथा गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री और कारोबारी धारणा प्रभावित होने से बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 17-18 प्रतिशत नीचे दाम पर बिक रही थी और अब सहकारी संस्था नेफेड की ओर से सोयाबीन की भी बिक्री किये जाने की अफवाह है।

इससे बाजार में घबराहट का माहौल है जो तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण है। इससे पिछले सप्ताह में जिस कच्चे पामतेल का दाम 1,125-1,130 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,100-1,105 डॉलर प्रति टन रह गया है। विदेशों में दाम टूटने और नेफेड की बिकवाली पहल के बीच घबराहटपूर्ण माहौल के कारण पाम-पामोलीन तेल में गिरावट दर्ज हुई।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम का दाम जो पहले 1,105-1,110 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढ़कर 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन हो गया है। इसके अलावा सरकार ने सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य भी 81 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया है। इससे सोयाबीन तेल में और मजबूती की उम्मीद की जा रही थी लेकिन नेफेड की सोयाबीन बिकवाली संबंधी अफवाहों के बीच दाम टूटते दिखे। उन्होंने कहा कि देश के आयातकों की पैसों के मामले में हालत इतनी खराब है कि वे सोयाबीन डीगम तेल को आयात की लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हो चले हैं। इससे सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में तो गिरावट आई ही, वहीं बाजार में घबराहटपूर्ण माहौल के बीच अन्य सभी तेल-तिलहनों के दाम भी दबाव में आ गये। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,225-6,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45-45 रुपये टूटकर क्रमशः 2,335-2,435 रुपये और 2,335-2,460 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

- कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रविवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर, पटना में पेट्रोल 105.60 रुपए लीटर, डीजल 92.04 रुपए लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपए/लीटर, डीजल 87.55 रुपए लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.30 रुपए लीटर, डीजल 82.38 रुपए लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.46 रुपए लीटर, डीजल 95.63 रुपए लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.17 रुपए लीटर, डीजल 88.03 रुपए लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.72 रुपए लीटर, डीजल 90.36 रुपए लीटर है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। अमेरिका के स्मार्टफोन, कंप्यूटर से हित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में टैरिफ पर छूट दिए जाने के साथ ही मैक्सिको, कनाडा और अन्य देशों से आने वाले वाहनों और उनके पुर्जों पर लगने वाले शुल्क में संशोधन पर विचार करने के संकेत एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख की वजह से बीते सप्ताह साढ़े चार प्रतिशत के उछाल पर घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान, बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह, सभी की निगाहें एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर शुल्क के मोर्चे पर किसी घटनाक्रम और दुनिया पर उसका क्या प्रभाव रहता है, इस पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस के शेयर पर सोमवार को सभी की निगाह रहेगी। मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपये रहा है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह हमें भारतीय बाजार में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जो एफआईआई की खरीदारी में रुचि, घरेलू मुद्रास्फीति में कमी और मौसम विभाग के सामान्य से बेहतर मानसून की भविष्यवाणी जैसे सहायक कारकों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि इस बीच यदि अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर तनाव बढ़ता है, तो बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। वहीं कंपनियों के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

मोटोरोला रेज़र 60 अल्ट्रा जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला जल्द ही अपने फ्लिप फोन सीरीज के तहत मोटोरोला रेज़र 60 अल्ट्रा को लॉन्च करने जा रहा है। लॉन्च से पहले रेज़र 60 अल्ट्रा के स्पेसिफिकेशन्स ऑनलाइन लीक हो गए हैं, जिससे इस फोन के पावरफुल फीचर्स सामने आए हैं। इन डिवाइसेज़ की घोषणा 24 अप्रैल को संभावित इवेंट में की जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में 7 इंच का सुपर एचडी एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो डॉल्बी विजन, 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस और 165एचहेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। साथ ही, इसका 4 इंच का ओलेड कवर डिस्प्ले भी 3000 निट्स ब्राइटनेस और 165एचहेड रिफ्रेश रेट से लैस होगा। फोन में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट दिए जाने की संभावना है। इसे 16जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512 जीबी यूएफएस 4.0 इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। कैमरा सेक्शन में, रेजर 60 अल्ट्रा में 50 मेगापिक्सल का ओआईएस मेन कैमरा और 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस दिया जा सकता है। यह डिवाइस एंड्रॉयड 15 आउट ऑफ द बॉक्स पर काम करेगा और इसमें ड्यूल सिम, 5जी, वाय-फाय 7, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी, जीपीएस और यूएसबी टाइप-सी जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स मिल सकते हैं।

बीएचईएल का राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 27,350 करोड़

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने रविवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उसका राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 27,350 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने बीते वित्त वर्ष के दौरान 92,534 करोड़ रुपये का अबतक का सबसे अधिक ऑर्डर भी हासिल किया। इसके साथ ही, वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बीएचईएल की कुल ऑर्डर बुक 1,95,922 करोड़ रुपये हो गई। बयान के अनुसार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 27,350 करोड़ रुपये (अस्थायी) का राजस्व दर्ज किया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि बिजली क्षेत्र में उसने 81,349 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल कर अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। औद्योगिक खंड में 11,185 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले।

कोयला एक्सचेंज पर नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा बढ़ी

- कोयला मंत्रालय ने अंतिम तिथि छह अप्रैल, से बढ़ाकर सात मई करने का निर्णय लिया

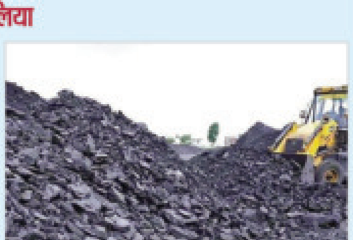

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला व्यापार एक्सचेंज को लेकर प्रस्तावित नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा सात मई तक के लिए बढ़ा दी है। इस एक्सचेंज के जिंस के रूप में कोयले का कारोबार किया जा सकेगा। कोयला मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मंत्रालय ने सार्वजनिक परामर्श के लिए कोयला व्यापार एक्सचेंज पर प्रस्तावित नियमों का मसौदा प्रकाशित किया था। कोयला मंत्रालय ने टिप्पणियां या सुझाव देने की अंतिम तिथि छह अप्रैल, 2025 से बढ़ाकर सात मई, 2025 करने का निर्णय लिया है। कोयला मंत्रालय ने प्रस्तावित एक्सचेंज के लिए कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) को नियामक के रूप में सशक्त बनाने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान में देश में कोयला बिक्री चैनल विशिष्ट रूप से कोल इंडिया लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के लिए है। इसलिए एक मंच यानी कोल ट्रेडिंग एक्सचेंज (सीटीई) प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि वाणिज्यिक, खुद के उपयोग के लिए कोयला खनन करने वाली कंपनियों को अपने उत्पाद को बाजार में लाने के लिए आसान पहुंच मिल सके। यह एक्सचेंज जिंस के रूप में कोयले के व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 3,84,004.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजार में तेजी के बीच एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजारों में मजबूत सुधार देखा गया और यह 4.5 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। उन्होंने ने कहा कि मुख्य रूप से शुल्क को टाले जाने और चुनिंदा उत्पादों पर हाल ही में दी गई छूट से बाजार में उछाल आया। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 76,483 करोड़ रुपये बढ़कर 14,58,934 करोड़ रुपये पहुंच गया। सबसे ज्यादा लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 75,210 करोड़ रुपये बढ़कर 10,77,241 करोड़ रुपये,

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 74,766 करोड़ रुपये बढ़कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 67,597 करोड़ रुपये बढ़कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 24,114.55 करोड़ रुपये बढ़कर 11,93,588.98 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 14,712.85 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,68,061.13 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 6,820.2 करोड़ रुपये बढ़कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 3,987.14 करोड़ रुपये बढ़कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़कर 5,57,945.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एचडीएफसी बैंक ने जारी किए नतीजे, डिविडेंड देने का भी ऐलान

- बैंक में वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी गई

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एचडीएफसी बैंक ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है जब वह वित्त वर्ष 2025 के चौथे तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक ने नेट प्रॉफिट में अनुमान से अधिक बढ़ोतरी दर्ज कराई है, जिस कारण उसने अपने शेयरहोल्डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। बैंक ने साल दर साल आधार पर वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी है, जो नेट प्रॉफिट को 17,616 करोड़ रुपये पहुंचाती है। इस ग्रोथ दर की वर्तमान चली दुर्गम परिस्थितियों में बैंक की मजबूती को दर्शाती है। बोर्ड ने डिविडेंड का ऐलान करते हुए 1 रुपये के फेस वैल्यू पर शेयरहोल्डे र्स को 22 रुपये प्रति शेयर देने का फैसला किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 27 जून 2025 को रखी गई है। बैंक के नपा रेशियो में भी धीमी गिरावट दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2024 को 1.42 प्रतिशत से 31 मार्च 2025 को इसे 1.33 प्रतिशत पर कम किया गया है। यह बैंक की स्थिरता के संकेत माना जा सकता है। इसी तरह, एनपीए रेशियो 0.43 फीसदी पर है, जो पिछली तिमाही में 0.46 फीसदी पर था। ग्रॉस एनपीए भी पिछली तिमाही के मुकाबले थोड़ा कम हुआ है, लेकिन दिखाता है कि बैंक संकटों का सामना करने में सक्षम है।

एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 8,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

- वैश्विक व्यापार मोर्चे पर राहत की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में करीब 8,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस माह की शुरुआत में एफपीआई ने घरेलू बाजार में बिकवाली की थी।' फिर वैश्विक व्यापार मोर्चे पर कुछ राहत की उम्मीद और मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार कम कारोबारी सत्रों वाले समाप्त सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शेयरों में से 8,472 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें 15 अप्रैल को 2,352 करोड़ रुपये की निकासी भी शामिल है। हालांकि, इसके अगले दो सत्रों में उन्होंने 10,824 करोड़ रुपये का निवेश किया। उन्होंने कहा कि एफपीआई की गतिविधियों में हालिया तेजी से धारणा में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, लेकिन इस प्रवाह की स्थिरता वैश्विक वृहद आर्थिक स्थिति, अमेरिकी व्यापार नीति में स्थिरता और भारत की घरेलू वृद्धि के परिदृश्य पर निर्भर करेगी। कुल मिलाकर एफपीआई ने अप्रैल में अब तक शेयरों से 23,103 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे 2025 की शुरुआत से उनकी कुल निकासी 1.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है। भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था, वैश्विक व्यापार व्यवधानों से कुछ राहत और भारतीय शेयर बाजारों में हालिया 'करेक्शन' की वजह से आकर्षक मूल्यांकन के चलते एफपीआई की धारणा में सुधार हुआ है। इसके अलावा अमेरिका और चीन दोनों देशों में इस साल धीमी वृद्धि दर्ज होने की संभावना है, जबकि भारत में प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वृद्धि के मोर्चे पर भारत का बेहतर प्रदर्शन शेयर बाजारों के लिए भी अच्छा रहेगा।इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये निकाले थे। फरवरी में उनकी निकासी 34,574 करोड़ रुपये रही थी। वहीं जनवरी में उन्होंने कहीं अधिक 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

इलेक्ट्रिक कार ईविटारा का इंतजार जल्द होगा खत्म

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार, ईविटारा जल्द ही पेश होने वाली है। बताया जा रहा है कि इसे अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। हाल ही में इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को गुरुग्राम के सेक्टर 54 चौक पर कवर के साथ देखा गया था, जहां यह कंपनी की पॉपुलर वैगनआर के पास खड़ी थी। ईविटारा के फीचर्स की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डैटाइम रनिंग लैंप, 18-इंच व्हील्स, पैनोरमिक सनरूफ, मल्टी-कलर इंटीरियर्स, और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें वायरलेस चार्जिंग, 10.1-इंच इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन, एप्पल कारप्ले और एंड्रएड ऑटो जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, इसमें इनफिनिटी बाय हरमन ऑडियो सिस्टम, पीएम 2.5 एयर फिल्टर, वेंटिलेटिड फ्रंट सीट्स, और 10-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट भी मिलेगी। यह एसयूवी ड्राइव मोड्स, जैसे ईको, नॉर्मल, और स्पोर्ट, के साथ-साथ स्नो मोड और रीजन मोड जैसी सुविधाओं से लैस है। मारुति ने ईविटारा को विभिन्न ऑटो इवेंट्स में पहले ही पेश किया है और इसकी टेस्टिंग भी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कंपनी ने डीलर्स के माध्यम से इसके ऑफलाइन प्री-बुकिंग भी शुरू कर दी है।

कावासाकी ने भारतीय बाजार में लॉन्च की क्रूजर बाइक एलिमिनेटर

- क्रूजर बाइक में 451सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन, कीमत 5.76 लाख

नई दिल्ली। जापानी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कावासाकी ने हाल ही में अपडेटेड मॉडल वाली अपनी प्रसिद्ध क्रूजर बाइक एलिमिनेटर को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह बाइक नवीनतम तकनीकी और डिज़ाइन फीचर्स के साथ आता है। 2025 कावासाकी एलिमिनेटर में 451 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-स्ट्रोक पैरलल ट्विन इंजन दिया गया है, जो 45पीएस का पावर और 42.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में हार्डवेयर भी कमाल का है, जैसे डुअल-चैनल एबीएस, डिस्क ब्रेक, टेलिस्कोपिक फॉर्क, डुअल शॉक एब्जॉर्बर और बहुत कुछ। एलिमिनेटर के फीचर्स में एक सर्कुलर एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइडोलॉजी ऐप के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, डुअल चैनल एबीएस, और कई और डिजिटल इंवोवेशन्स शामिल हैं। इस नई बाइक का ओवरऑल डिज़ाइन भी मॉडर्न और एलिगेंट है।

मोदी-नीतीश की जोड़ी बिहार के विकास नहीं कुर्सी के लिए

बक्सर में खड़गे बोले-राहुल-प्रियंका गांधी को डराने की कोशिश हो रही; मोदी सरकार के 11 झूठ गिनाए

बक्सर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 'मोदी-नीतीश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए हैं। बिहार के विकास के लिए नहीं है। एक बार हमारी गोद में आते हैं, फिर लगा कि बीजेपी आनेवाली है तो नीतीश इधर से उधर चले जाते हैं।' ये देश के लिए सही नहीं है। खड़गे आज यानी रविवार को एक दिन के दौरे पर बिहार के बक्सर पहुंचे। अपने 50 मिनट के भाषण में कांग्रेस अध्यक्ष ने नेशनल हेराल्ड केस, वक्फ कानून, मोदी सरकार के वादे और नीतीश कुमार के दल बदलने पर निशाना साधा। उन्होंने गांधी परिवार की कुर्बानी याद दिलाई, साथ ही केंद्र सरकार के 11 झूठ भी गिनवाएं।कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'मोदी समझते हैं कि बिहार वालों को ज्ञान की कमी है। जबकि सारे ज्ञानी लोग बिहार की भूमि से आते हैं। वसूलों पर चलते हैं। 'खड़गे ने कहा- 'मोदी जी ने जबरन वक्फ कानून बनाया। जहां सालों से झगड़ा नहीं था, अब वहां झगड़ा करना चाहते हैं।' 'RSS-BJP गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं के दोस्त हो नहीं सकते। मनु स्मृति में लिखा है कि महिलाओं को शिक्षित नहीं करना चाहिए। पवित्र काम में शामिल नहीं करना चाहिए, जबकि बाबा साहेब ने इन्हें सम्मान दिया।'राहुल-प्रियंका को डराने की कोशिश हो रही हैनेशनल हेराल्ड केस का जिक्र करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'नेशनल हेराल्ड समेत 3 पेपर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीयों की आवाज अंग्रेजों तक पहुंचाने के लिए निकाला। आज उसके चेयरमैन पर केस किया गया है।' 'उस कंपनी की प्रॉपर्टी कोई बेच नहीं सकता है। क्या सोनिया, राहुल या प्रियंका गांधी उसे बेचेंगे। लेकिन आप केस कर रहे हो। उसका पैसा कोई हड़प नहीं सकता, लेकिन मोदी-शाह सोनिया गांधी को डराकर राहुल और प्रियंका जी को डराने की कोशिश कर रहे हैं। ये लोग किसी से डरने वाले नहीं हैं।' बक्सर में खड़गे ने कहा कि 'राजीव गांधी देश के लिए कुर्बान हो गए। जिस घर में इंदिरा गांधी देश की एकता की लिए जान कुर्बान हो गई। राजीव गांधी के शरीर के टुकड़े हो गए।' जब उनका शरीर लाया गया तो कोई पहचान नहीं पाया। गांधी फैमिली ये है। तुम्हारा तो एक कुत्ता भी देश के नहीं मरा। नीतीश जी आप उनलोगों से मिल गए, जिन्होंने गांधी को मारा।' 'राहुल सत्ता के लालची होते तो कश्मीर से कन्याकुमारी तक पैदल नहीं चलते। देश को दिशा दिखाने वाले लोग हमारे पास हैं। नेहरू जी ने अपना

घर देश के लिए दान दिया। क्या राहुल-प्रियंका उस संपत्ति के लिए लड़ रहे हैं। किसी ने पिता को खोया, दादी को, नाना को खोया। उनके खिलाफ आज आरएसएस और बीजेपी बहुत बातें करती है।' इसलिए आपको सतर्क रहना होगा।'मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं' खड़गे ने कहा कि 'मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं। इसलिए राहुल-सोनिया जी, वाड्रा पर केस किया। नेशनल हेराल्ड केस के जरिए कांग्रेस को खत्म करने की साजिश बीजेपी ने रची है। वो सोचते हैं नेशनल हेराल्ड केस में परेशान करेंगे तो वो चुप बैठेंगे और पार्टी का मनोबल टूटेगा।'"ये लोग ईडी, और दूसरी जांच एजेंसी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कांग्रेस रुकने और झुकने वाली नहीं है।'"पीएम मोदी ने वादा किया था कि 2 करोड़ नौकरियां हर साल देंगे। 11 साल हो लेकिन 22 करोड़ नौकरियां कहां है। नीतीश कुमार से जनता को पूछना चाहिए कि आप और आपके दोस्त नौकरी देने वाले थे। वो नौकरी कहां है। बिहार के युवा नौकरी के लिए बाहर जाते हैं।' खड़गे ने जनसभा में मोदी के पुराने भाषण को सुनाया। जिसमें वो सवा लाख करोड़ के विशेष पैकेज की घोषणा बिहार के लिए करना चाहता हूं। लेकिन क्या आपको एक लाख 25 हजार करोड़ का पैकेज मिला। मैं पूछता हूं, क्या ये पैसे मोदी-नीतीश ने बांट लिए।'कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा- 'क्या ये अच्छे दिन हैं। आपलोगों ने उन्हें सिर पर चढ़ाया। झूठों के सरदार को नजदीक आने मत दो। उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने बुलाया है। मैं गंगा को शुद्ध करूंगा लेकिन नो खुद गंगा में डुबकी नहीं लगाते हैं।'मोदी सरकार के 11 झूठ100 दिन में काला धन वापस लाऊंगा।15-15 लाख हर किसी के खाते में डालूंगा।2 करोड़ नौकरियां हर साल, उस हिसाब से 22 करोड़ नौकरियां कहां हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम कम करूंगा। 2022 तक गंगा साफ करूंगा। अच्छा पानी दूंगा। कसानों की आमदनी दोगुनी करूंगा। 2022 तक भारत में रहनेवाले हर किसी को घर दूंगा। हवाई चप्पल वालों के लिए यात्रा सस्ता करूंगा।एमएसपी लागू करूंगा।महंगाई खत्म कर दूंगा। मेक इन इंडिया के तहत कारखाने खोलूंगा।

बिहार चुनाव से पहले पंचायत जनप्रतिनिधियों ने खोला मोर्चा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अपने अधिकारों की मांग को लेकर पटना में राजनीतिक दलों के पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर विरोध दर्ज कराया है। पोस्टर के जरिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से सवाल पूछा गया है, 'बिहार में सबसे नीचे पंचायती राज क्यों है? कब मिलेगा हमारा अधिकार?' ये पोस्टर्स मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय और पंच-सरपंच संघ के अध्यक्ष अमोद कुमार निराला की ओर से लगाया गया है।पोस्टर में इस बात का भी जिक्र है कि पंचायत

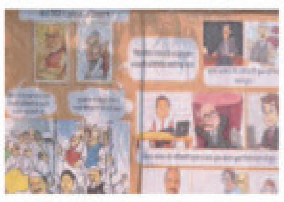

जनप्रतिनिधि जब अपने अधिकार की बात करते हैं तो उन्हें केवल आश्वासन मिलता है। या चुप करा दिया जाता है। ग्राम कचहरी और पंचायती राज व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। जबकि संविधान ने इन्हें मजबूत करने की बात कही है। मुखिया और पंच-सरपंच संघ का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासनिक अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं।

JDU नेता ने गार्ड से रायफल छीनने का किया प्रयास

भोजपुर। में शनिवार को खउब नेता और ब्रहमपुर विधानसभा प्रभारी प्रिंस सिंह बजरंगी ने सदर अस्पताल में तैनात गार्ड के साथ मारपीट के बाद सर्विस रायफल छीनने की कोशिश की। झड़प में गार्ड और पूर्व सैनिक राजाराम सिंह बुरी तरह जख्मी हो गए, जिनका इलाज अस्पताल में कराया गया। पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। दरअसल, शनिवार दोपहर सहार थाना क्षेत्र के खडांव गांव निवासी पूर्व फौजी रूद्र प्रताप सिंह शनिवार को आरा के खनन कार्यालय गए थे। वहां मारपीट के दौरान वो जख्मी हो गए। इसके बाद वो खउब नेता प्रिंस सिंह बजरंगी के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। इलाज के दौरान गार्ड से उनकी बहस हो

गई। उसके बाद गार्ड के साथ मारपीट की गयी। इधर, खनन कार्यालय में मारपीट को लेकर पूर्व सैनिक रूद्र प्रताप सिंह की ओर से भी प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है। उसमें अभिषेक, कुणाल और रवि सहित अन्य लोगों को आरोपी किया गया है। मारपीट के साथ सोने की चेन छीनने का भी आरोप लगाया है।

बहरहाल पुलिस दोनों मामलों की छानबीन कर रही है। आरोपी प्रिंस सिंह बजरंगी का कहना है कि इलाज के दौरान ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने अभद्र व्यवहार किया। गार्ड ने हाथापाई की। सदर अस्पताल में अक्सर गार्ड मरीज और परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में दिख रहा है कि गार्ड डॉक्टर चैंबर के बाहर ड्यूटी कर रहे हैं। इसी बीच JDU नेता समेत अन्य लोग आते हैं। गार्ड उन्हें अंदर जाने से मना करते हैं तो JDU नेता और उसके साथियों के द्वारा मारपीट शुरू कर दी जाती है। इस दौरान प्रिंस सिंह बजरंगी ने ने रायफल छीनने की कोशिश की। वहीं वो कमर से पिस्टल निकालते भी दिख रहे हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए प्रचार वाहन रवाना

मुख्य सचिव ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं के साथ अभिभावकों को भी किया जाएगा प्रेरित

गया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' गया में होने जा रहा है। इसकी तैयारी जोर पकड़ चुकी है। रविवार को गया जिला अतिथि गृह से मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, प्रमंडलीय आयुक्त सफीना ओर डीएम डॉ. त्यागराजन ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया गया है कि प्रचार वाहन गया और बोधगया के कोने-कोने में जाकर न केवल युवाओं को बल्कि अभिभावकों को भी इस आयोजन के लिए प्रेरित करेंगे।इस मौके पर मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रचार वाहन के माध्यम से जिले के युवा खिलाड़ियों को जागरूक किया जा रहा है ताकि वे इस भव्य आयोजन का हिस्सा बन सकें। साथ ही में युवा खेल के प्रति समर्पित हों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम लहराएं। दो स्थानों पर खेल प्रतियोगिता प्रस्तावित है खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रचार रथ को आकर्षक फ्लेक्स से सजाया गया है और इसमें ऑडियो सिस्टम भी लगाए गए हैं। वाहन से ह्यखेल के रंग, बिहार के संगह्न का नारा गूंज रहा है, जो लोगों के बीच उत्साह भर रहा है। साथ ही, आयोजन का एंथम सांग भी लगातार प्रसारित किया जा रहा है, जिससे माहौल पूरी तरह खेलमय बन चुका है। डीएम डॉ. त्यागराजन ने बताया कि गया नगर निगम और बोधगया नगर परिषद के प्रमुख चौकों और इलाकों में ये वाहन भ्रमण करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बिहार के लिए गर्व की बात है और इसे सफल बनाने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। उन्होंने बताया कि गया जिले में दो स्थानों बिपार्ड और आईआईएम में खेल प्रतियोगिता प्रस्तावित है। दोनों स्थलों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

लखीसराय में स्कूल विकास योजना में बड़ा घोटाला

लखीसराय। में स्कूल सुदृढ़ीकरण योजनाओं में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा का मामला उजागर हुआ है। जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्र के आदेश पर गठित 42 जांच टीमों ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें भारी अनियमितताएं पाई गई हैं। जांच रिपोर्ट ने शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। 321 में से 90 योजनाओं में स्थल पर कोई काम नहींजांच में कुल 321 योजनाओं की पड़ताल की गई, जिनमें 90 योजनाओं में स्थल पर कोई भी कार्य नहीं हुआ। इसके बावजूद इन योजनाओं का बिल बनाकर भुगतान की कोशिश की गई। डीएम ने इस गड़बड़ी में शामिल लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का सख्त निर्देश दिया है।190 योजनाओं का अधूरा कार्य, फिर भी पैसे की निकासी जांच में 190 योजनाओं का कार्य अधूरा पाया गया। हैरानी की बात यह रही कि इन्हें पूर्ण कार्य दिखाकर इनका भुगतान कर लिया

गया। इन मामलों में संबंधित कर्मचारियों और जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। सिर्फ 41 योजनाओं का कार्य ही संतोषजनक मिला।सात प्रखंडों में चला जांच अभियानशिक्षा विभाग द्वारा स्कूल भवन, शौचालय, किचन शेड, बोरिंग और बिजली वायरिंग के लिए ये योजनाएं चलाई गई थीं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद डीएम ने 84 अधिकारियों की 42 टीमें बनाकर बड़हिया, चानन, हलसी, लखीसराय, पिपरिया, रामगढ़ चौक और सूर्यगढ़ा प्रखंड में व्यापक जांच कराई। शिक्षा विभाग में मचा हड़कंपइस कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

संक्षिप्त डायरी

पटना-हावड़ा वंदे भारत में यात्री के नाश्ते में मिला कीड़ा

पटना। मंत्रालय के ड्रीम प्रोजेक्ट वंदे भारत ट्रेन में लापरवाही बरती जा रही है। पटना से हावड़ा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस (22348) के कोच नंबर C-12 में सीट नंबर 65 के यात्री अमित जायसवाल के नाश्ते में कीड़ा मिला है। कीड़ा मिलने पर रेल मंत्रालय से इसकी शिकायत की गई है। यात्री अमित जायसवाल ने बताया कि टिकट बुकिंग के दौरान ही नॉन वेज के ऑप्शन पर मार्क किया था। हावड़ा जाते समय बख्तियारपुर के पास कोच के अंदर नाश्ता सर्व किया गया। पैकेट पूरी तरह से पैक था। इसमें ऑमलेट, स्वीट कॉर्न, मटर मिक्स था। इसी के अंदर एक कीड़ा भी मरा था। खाने के दौरान ही कीड़े पर नजर पड़ी।इस घटना से अन्य यात्रियों में भी नाराजगी है। ज्यादातर लोगों ने नाश्ता नहीं किया। अगर कीड़े की जगह छिपकली या विषाक्त चीज होती तो यात्री की जान जोखिम में पड़ सकती थी।

तेज रफ्तार सफारी ने बाइक सवारों को रौंदा

सुपौल। के किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नेमनमा कैंप के पास रविवार को एक तेज रफ्तार सफारी गाड़ी ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में जान गंवाने वाले की पहचान बेलाटेढ़ा सिसौनी गांव निवासी मो. अली (50) के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक की पहचान मो. सुभान (25) के रूप में हुई है, जिसे गंभीर हालत में सुपौल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार की टक्कर से मचा कोहराम प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों बाइक सवार अपनी बहन के ससुराल नेमनमा से पंचायत में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। तभी सुपौल की ओर जा रही तेज रफ्तार सफारी गाड़ी ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मो. अली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मो. सुभान गंभीर रूप से घायल हो गया।गुस्साए ग्रामीणों ने कार में लगाई आग घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी और आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने NH-327अ को कुछ देर के लिए बाधित कर दिया। फिर भीड़ ने सफारी गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। गनीमत रही कि घटना के वक्त गाड़ी में सवार लोग भागने में सफल रहे और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने आग बुझाने के लिए फौरन अग्निशमन विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड टीम ने समय पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी।थाना पुलिस मौके पर, विधिक प्रक्रिया जारी सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे किशनपुर थाना अध्यक्ष प्रशांत कुमार राय ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। लेकिन पुलिस की समझाइश के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया।

कॉन्स्टेबल ने साथी जवान को मारी 11 गोलियां,मौत

बेतिया। पुलिस लाइन में शनिवार रात करीब 11:10 बजे एक सिपाही ने अपने ही साथी जवान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अपनी सर्विस राइफल से उसने 11 गोलियां बरसाईं, जिससे साथी जवान की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी सर्वजीत और मारा गया जवान सोनू दोनों दोस्त थे।बैरक में मौजूद सिपाही ने बताया कि 'सोनू ड्यूटी जाने के लिए तैयार हो रहा था। पेट्रोलिंग में जाना था। इसी दौरान आरोपी सर्वजीत बैरक में पहुंचा और सोनू को टारगेट कर के अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।'जिससे बैरक में अफरा तफरी मच गई। सभी सिपाही बैरक छोड़कर बाहर निकल गए। जब बाकी जवान बैरक में वापस गए तो देखा कि सोनू मृत पड़ा हुआ है। उसके सीने और चेहरे पर गोलियां लगीं। कुछ देर बाद सर्वजीत इंसास राइफल लेकर बैरक की छत पर चढ़ गया। इसके बाद सभी ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी सिपाही सर्वजीत को पकड़ा। सर्वजीत को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से मुफ्फसिल थाना में SDPO के नेतृत्व में पूछताछ हो रही है।मृतक सोनू भभुआ का रहने वाला था, जबकि आरोपी सिपाही सर्वजीत आरा का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि दोनों दोस्त थे। इससे पहले भी दोनों की एक ही थाने में पोस्टिंग भी थी। कुछ दिन पहले ही सिकटा थाने से बेतिया पुलिस लाइन में ट्रांसफर हुआ था और एक ही यूनिट में तैनात थे। फिलहाल मृतक सिपाही सोनू कुमार के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वारदात के बाद सिपाहियों में आक्रोश है।

वकील को एक महीने की जेल,पत्नी को नहीं दिया खर्च

2016 से 7.72 लाख का बकाया; 16 साल पहले रॉन्ग नंबर से शुरू हुआ था अफेयर

समस्तीपुर। फैमिली कोर्ट ने अधिवक्ता मनीष कुमार को 1 महीने की सजा सुनाई है।फैमिली कोर्ट के विशेष न्यायाधीश संजय अग्रवाल ने वकील मनीष कुमार को पत्नी प्रीति राज को गुजारा-भत्ता नहीं देने के कारण जेल भेज दिया। दरअसल, फैमिली कोर्ट ने अधिवक्ता मनीष को 2016 में आदेश दिया था कि वह अपनी पत्नी को भरण पोषण के लिए हर महीने 6 हजार रुपए देंगे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इस आदेश के उल्लंघन पर कोर्ट ने सजा सुनाई है। वहीं 9 सालों में गुजारा-भत्ता की रकम करीब 7 लाख 72 हजार हो चुकी है। अगर अधिवक्ता इसकी भरपाई नहीं करते हैं तो उनकी सजा बढ़ाई जा सकती है।प्रीति ने बताया कि- 'मैंने 2013

में कोर्ट में गुजारा भत्ते के लिए केस किया। 2016 में कोर्ट से मुझे और बेटी के भरण पोषण के लिए हर महीने 6 हजार रुपए देने का निर्देश दिया, लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद आजतक एक रुपया नहीं मिला। 9 साल बाद भरण पोषण की रकम 7 लाख 72 हजार रुपए बकाया है।' पत्नी ने कहा कि- 'मनीष, सीतामढ़ी जिले के डुमरा कैलाशपुरी मोहल्ले के वार्ड नंबर 39 में रहते हैं। 2010 से 2013 तक हमदोनों साथ थे। इसके बाद भी वो छिप-छिप कर मिलने आते थे। 2022 तक कभी-कभी सिर्फ बेटी से मिलने आते थे।

शादी के दो दिन बाद प्रेमी संग रंगेहाथ पकड़ाई दुल्हन

पति से बोली- मुझे आपके साथ नहीं रहना; ससुर बोले- भाई बनकर मिलने पहुंचा था बॉयफ्रेंड

बेगूसराय। में शादी के दो दिन बाद ही दुल्हन ने अपने प्रेमी को भाई बताकर ससुराल बुला लिया। पति ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा तो मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद खूब हंगामा हुआ। वहीं दुल्हन अपने पति के साथ रहने को तैयार नहीं है। इधर, युवती के ससुर का कहना है कि 'अब वह उसे बहू बनाकर घर में नहीं रखेंगे।' सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शुरूआती कार्रवाई करने के बाद पुलिस ने तीनों को अपने-अपने घर भेज दिया है। दरअसल, बेगूसराय के दादपुर निवासी विश्वजीत पासवान (22) की शादी 16 अप्रैल को बलिया निवासी प्रकाश पासवान की बेटी कल्पना कुमारी (19) से हुई थी। शादी के बाद विदाई हुई तो दुल्हन के साथ उसका भाई भी ससुराल आया था, लेकिन 18 अप्रैल

की सुबह वो बहन के ससुराल से अपने घर के निकल गया।इसके बाद कल्पना ने अचानक अपने ससुराल वालों को बताया कि 'मेरा मौसेरा भाई नीतीश कुमार (20) स्कूल के पास आया हुआ है। किसी को रिसीव करने भेज दीजिए।'ससुराल वाले भाई को लेकर घर पहुंचे और खातिरदारी की। परिजनों को लगा कि बहू को अपने मायके वालों से बहुत कुछ कहना होता है। इसी वजह से थोड़ी देर बाद उसे दुल्हन के कमरे में पहुंचा दिया। पति विश्वजीत को जब पता चला कि उसका साला घर आया हुआ है तो वह अपने कमरे में पहुंचा। वहां उसने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देखा। घटना को लेकर विश्वजीत ने अपने ससुर से बात की तो उन्होंने कहा कि 'नीतीश नाम का हमारा कोई रिश्तेदार नहीं है, उसे पकड़ कर रखिए।'कल्पना, विश्वजीत से शादी नहीं करना चाहती थी। वो नीतीश के साथ रहना चाहती थी। परिजनों के दबाव में उसने शादी की। जब कल्पना ससुराल आ गई तो उसका प्रेमी नीतीश परेशान था।शादी के अगले दिन ही चुपके से जब दोनों में बात हुई तो कल्पना ने नीतीश को ससुराल आने का ऑफर दे दिया। यह भी समझा दिया था कि ससुराल में कहना कि हम मौसेरे भाई हैं। यह ऑफर मिलते ही शुक्रवार की शाम नीतीश अपनी प्रेमिका के ससुराल दादपुर पहुंच गया।कल्पना के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ने के बाद जब नीतीश से पूछताछ शुरू हुई तो वह इधर-उधर की बातें करने लगा। वहीं, काफी समझाने पर भी जब दुल्हन प्रेमी को छोड़ने को तैयार नहीं हुई तो उसके पिता और भाई को बुलाया गया। उन लोगों ने भी खूब समझाया, लेकिन वह कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हुई।इसके बाद थाने को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों को लेकर थाने ले गई। थाना में भी प्रेमिका अपनी प्रेमी के साथ जाने की बात पर अड़ी रही। प्रेमी-प्रेमिका के पिता को थाना पर बुलाया गया। दादपुर गांव के लोग और परिजन भी पहुंचे। काफी समझाए जाने पर भी जब मामला शांत नहीं हुआ तो तीनों को परिजनों को सौंप दिया गया।कल्पना के ससुर जितेंद्र पासवान का कहना है कि बहू ने ससुराल में अपने प्रेमी को मौसेरा भाई बताकर मिलने के लिए बुलाया था। मेरे बेटे ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। बहू लगातार अपने पक्ष के लोगों और पुलिस के सामने प्रेमी के साथ रहने की जिद कर रही है। हम ऐसी लड़की को बहू बनाकर नहीं रखेंगे। पुलिस ने तीनों को परिजनों के हवाले किया इस मामले में तेघरा ओपी प्रभारी नूतन ने बताया कि 'हंगामा की सूचना पर पुलिस पहुंची थी।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।
अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पड़ीं। भेड़ जो ठहरीं!
उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।
समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।
कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओ को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत : उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।
मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।
कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।
मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान है। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नही थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गई। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत : ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।
व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''
यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।
व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वही डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।
विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत : उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत : व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत : उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत : यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत : सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन : पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में सोमवार को यहां के ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात की टीम अभी अंकतालिका में शीर्ष पर है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। वहीं दूसरी ओर आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेल रही केकेआर इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और छठे स्थान पर है। केकेआर के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और जोस बटलर पर आधारित है जबकि गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा और मो सिराज के अलावा स्पिनर साई किशोर पर आधारित रहेगी। केकेआर की बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे, क्विंटन डी कॉक, वेंकटेश अय्यर जबकि गेंदबाजी एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती पर निर्भर है।

इस मैदान पर अच्छा उछाल मिलता जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान होता है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनते हैं। यहां तेज गेंदबाजों को शुरुआत में मदद मिलती है पर बाद में स्पिनरों को सहायता मिलती है। अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक केवल 4 मुकाबले ही खेले गए हैं, जिसमें से दो मैच गुजरात ने वहीं एक मैच केकेआर ने जीता है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर –अजिंक्य रहाणे (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती, रमनदीप सिंह, नुकूल रॉय, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, अलवनिथ सिसोदिया, स्पेंसर जॉनसन, मोइन अली मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज, चेतन सकारिया।

गुजरात टाइटंस टीम –शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, वाशिंगटन सुंदर, करीम जनत, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, रविश्रीनिवासन साई किशोर, प्रसिद्ध कृष्णा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, अनुज रावत, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया, दासुन शनाका, गेराल्ड कोएत्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र और गुरनूर बराड़।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक असफल रहे हैं ईशान

मुम्बई (एजेंसी)। बांए हाथ के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के इस सत्र में फ्लाप साबित हुए हैं। ईशान को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर खरीदा था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में ईशान ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी पर इसके बाद के मैचों में उनका बल्ला खामोश रहा है। ईशान ने की पहले मैच में खेली 106 रनों की पारी से हैदराबाद को जीत मिली थी पर उसके बाद से ही वह छह पारियों में एक में भी दो अंकों में नहीं पहुंच पाये। जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। गत दिनों राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक के दौरान किशन चोटिल हो गए थे और फील्डिंग के लिए नहीं लौटे थे। इसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ रहा। हालांकि वह बाद के मैचों में खेले। वह सलामी हैं लेकिन हैदराबाद में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की मजबूत ओपनिंग जोड़ी के कारण उन्हें सत्र में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है। अब अगर वह आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो ही उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभवना बनेगी।

वैभव ने सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू किया, पहली ही गेंद पर लगाया छक्का

जयपुर (एजेंसी)। आवेश खान की अंतिम ओवर में अच्छी गेंदबाजी से लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 2 रनों से हरा दिया। इस मैच में लखनऊ ने 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान 5 विकेट पर 178 रन ही बना पायी। इस मैच में राजस्थान की ओर से 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया जिससे वह आईपीएल खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने का रिकार्ड प्रयास रे बर्मन का था। प्रयास ने 16 साल की उम्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुर की ओर से खेला था।

वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। ऐसा करने वाले वह 10वें बल्लेबाज बने हैं। वैभव ने शार्दूल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इससे पहले ये उपलब्धि रॉब क्वाइनी (राजस्थान रॉयल्स), केवोन कूपर (राजस्थान रॉयल्स), आंद्रे रसेल (कोलकाता नाइट राइडर्स), कार्लोस ब्रैथवेट (दिल्ली डेयरडेविल्स), अनिकेत चौधरी (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर), जावन सियरलेस (कोलकाता नाइट राइडर्स), सिद्धेश लाड (मुंबई इंडियंस), महेश तीक्षणा (चेन्नई सुपर किंग्स), और समीर रिजवी (चेन्नई सुपर किंग्स) के नाम हैं। राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को मेगा नीलामी में 1.10 करोड़ रुपए में शामिल किया था।

पडिक्कल और कोहली के अर्धशतक, बेंगलुरु 7 विकेट से जीता

मुल्लांपुर (एजेंसी)। कृणाल पांड्या और सुयश शर्मा की उम्दा गेंदबाजी के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। पंजाब के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए RCB ने विराट कोहली (नाबाद 73 रन, 54 गेंद, सात चौके, एक छक्का) और देवदत्त पडिक्कल (61 रन, 35 गेंद, चार छक्के, पांच चौके) के बीच दूसरे विकेट की 103 रन की साझेदारी से सात गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 159 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ आरसीबी की टीम पंजाब किंग्स सहित उन पांच टीम में शामिल हो गई जिन्होंने अब तक सर्वाधिक 10 अंक जुटाए हैं। पंजाब किंग्स ने इससे पहले छह विकेट पर 157 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल (25 रन पर दो विकेट) और लेग स्पिनर सुयश (26 रन पर दो विकेट) की फिरकी के सामने पंजाब की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 33 रन बनाकर पंजाब के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि शशांक सिंह ने नाबाद 31 रन बनाए। जोश इंग्लिस (29), मार्को यानसेन (नाबाद 25) और प्रियांश आर्य (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे RCB ने पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट (01) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अर्शदीप की गेंद पर विकेटकीपर इंग्लिस को कैच थमाया। सलामी बल्लेबाज कोहली और पडिक्कल ने इसके बाद पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 54 रन तक पहुंचाया। कोहली ने जेवियर बार्टलेट पर चौका जड़ा जबकि पडिक्कल ने इस तेज गेंदबाज पर छक्का मारा। कोहली ने हरप्रीत बरार का स्वागत दो चौकों के साथ किया और फिर यानसेन के पहले ओवर में भी दो चौके मारे। पडिक्कल ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए युजवेंद्र चहल और बार्टलेट पर छक्के जड़े। उन्होंने चहल की गेंद पर एक रन के साथ 30 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

पडिक्कल ने मार्कस स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 12वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। पडिक्कल हालांकि अगले ओवर में हरप्रीत की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर निहाल वढेरा के हाथों लपके गए। कोहली ने यानसेन की गेंद पर एक रन के साथ 43 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। RCB को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 36 रन की दरकार थी। कोहली ने अर्शदीप पर चौका जड़ने के बाद चहल की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ RCB को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। चहल ने हालांकि RCB के कप्तान रजत पाटीदार (12) को यानसेन के हाथों कैच करा दिया। RCB को अंतिम तीन ओवर में 14 रन की जरूरत थी और जितेश शर्मा (नाबाद 11) ने वढेरा पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। प्रभसिमरन और प्रियांश ने पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। प्रभसिमरन ने यश दयाल का स्वागत चौके से किया जबकि प्रियांश ने इसी ओवर में छक्का और चौका मारा। प्रभसिमरन ने भुवनेश्वर पर भी तीन चौके मारे। प्रियांश ने जोश हेजलवुड पर दो चौके मारे लेकिन कृणाल की गेंद पर तेज प्रहार करने की कोशिश में गेंद को हवा में लहरा गए और टिम डेविड ने आसान कैच लपका। प्रभसिमरन ने हेजलवुड पर छक्के के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 62 रन तक पहुंचाया लेकिन कृणाल की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर डेविड को कैच दे बैठे। उन्होंने 17 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा।

कप्तान श्रेयस अय्यर भी सिर्फ छह रन बनाने के बाद रोमारियो शेफर्ड पर गेंद पर कृणाल के हाथों लपके गए। निहाल वढेरा (05) भी इसके बाद जोश इंग्लिस के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए जिससे पंजाब का स्कोर चार विकेट पर 76 रन हो गया। इंग्लिस और शशांक ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। इंग्लिस ने शेफर्ड पर दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

आईपीएल में हर सत्र के साथ बढ़ रही छक्कों की संख्या

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही अब तक हुए 1133 मैचों में 13614 छक्के लगे हैं। आईपीएल का अभी 18 वां सत्र चल रहा है। इसमें नये नियमों से भी मैच बल्लेबाजों के पक्ष में गया है और अधिक छक्के लगे हैं। इस सत्र में अब तक हुए 34 मैचों में ही 587 छक्के लगे हैं। इस प्रकार हर मैच में 17.2 छक्के लगे हैं। यह आईपीएल के किसी भी सत्र से ज्यादा है। वहीं शुरुआती सत्र 2008 में 622 छक्के ही लगे थे। इस प्रकार प्रति मैच औसतन 10.72 छक्के लगे पर इसके बाद के सत्र से ही छक्कों की तादाद बढ़ने लगी। आईपीएल 2013 तक औसत छक्कों की संख्या 10 से कम रही लेकिन 2014 में यह बढ़कर 11.90 पहुंच गई। तब से हर मैच 10 से ज्यादा छक्के लग रहे हैं। इसका कारण 2022 में आये इम्पैक्ट प्लेयर नियम को भी माना गया है। इसके बाद छक्कों की संख्या में काफी तेजी आई है। एक अतिरिक्त खिलाड़ी होने की वजह से टीमें ज्यादा जोखिम लेने लगी है। 2022 में पहली बार लीग में 1000 से ज्यादा छक्के लगे। प्रति मैच छक्कों की संख्या पहली बार 14.35 रही। वहीं साल 2023 में यह पहली बार 15 के ऊपर पहुंच गई। उस सीजन 74 मैचों में कुल 1124 छक्के लगे थे। हर 15.34 गेंद के बाद एक छक्का लग रहा था। वहीं 2024 सीजन में ओर तेजी देखी गयी। इस दौरान 8 बार टीमों ने 250 से ज्यादा रन बनाये। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 287 रन रहा। 262 रनों के लक्ष्य को भी टीमों ने हासिल कर लिया। इस सत्र में बल्लेबाजों ने कुल 1260 छक्के मारे। प्रति मैच 17.02 छक्के लगे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस दौरान सबसे ज्यादा 178 छक्के लगाये। 165 छक्कों के साथ आरसीबी सूची में दूसरे स्थान पर थी। लीग में अभी तक 1133 मैच हुए हैं और कुल 13614 छक्के लगे हैं। वहीं आईपीएल के 2025 सत्र में छक्कों की संख्या भी तेजी है।

मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाजों की सूची में विराट ओर सैमसन शामिल नहीं

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आईपीएल के अब तक के सत्र में के शीर्ष टॉप 10 बल्लेबाजों को चयनित किया है। मांजरेकर की इस सूची में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है। आईपीएल की शुरुआत में भी मांजरेकर ने सत्र के संभावित शीर्ष 10 बल्लेबाजों की एक सूची बनायी थी। उस सूची में से केवल पांच खिलाड़ी ही इस सूची में शामिल हैं। इस सूची में मिचेल मार्श, ट्रैविस हेड, निकोलस पूरन, फिल सॉल्ट, श्रेयस अय्यर बने हुए हैं जबकि पांच खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल शुरुआत में इसमें नहीं थे पर अब उन्हें जगह मिली है। राहुल ने पांच पारियों में 238 रन बनाये हैं।, इस सूची में गुजरात टाइटन्स के जोस बटलर, प्रियांशु आर्य, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन को भी शामिल किया गया है। पावरप्ले में प्रियांशु आर्य और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाज वो हैं, जिन्होंने कम से कम 200 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट अच्छा है। वहीं सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाने और 60 की औसत बनाए रखने के बावजूद, विराट का नाम नहीं होने से सभी हैरान हैं। उनका नाम शामिल नहीं होने का कारण स्ट्राइक रेट सिर्फ कम होना है।

करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है लेकिन घबराने की जरूरत नहीं ः राजस्थान रॉयल्स के कोच

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने स्वीकार किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दो करीबी मैच हारना टीम के लिए मुश्किल भरा रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे टीम में किसी तरह की घबराहट की कोई भावना नहीं है।

रॉयल्स की टीम शनिवार रात लखनऊ सुपर जाइंट्स से दो रन से हार गई, जबकि उसने अपना पिछला मैच भी दिल्ली कैपिटल्स से सुपर ओवर में गंवा दिया था। आठ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ, राजस्थान अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। बहुतुले ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। बात सिर्फ इतनी है कि परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे। डगआउट में राहुल (द्रविड़) के होने से काफी शांति है। हमारी टीम में शामिल सभी लोगों ने पर्याप्त क्रिकेट खेली है और इसलिए किसी को भी किसी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन दुर्भाग्य से हमें इस मैच में दो रन से और पिछले मैच में सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। इस तरह की करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है लेकिन खेल इसी तरह से आगे बढ़ता है। टी20 ऐसा प्रारूप है जिसमें बहुत जोखिम शामिल है।'

बहुतुले ने कहा कि वे मैदान पर गलतियों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास गलतियों को कम करने का है। जब हमारी साझेदारी चल रही थी तो हम उसे कुछ ओवर पहले ही खत्म कर सकते थे। लेकिन आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में अच्छी गेंदबाजी की। हमें चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले कप्तान संजू सैमसन की कमी भी खली।'

नडाल का फ्रेंच ओपन टेनिस में होगा सम्मान : मौरेस्मो

पेरिस। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन टेनिस के पहले दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। नडाल बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फ्रेंच हैं। 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल को अलविदा कह दिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने कहा कि नडाल ने कई प्रकार से फ्रेंच ओपन को प्रभावित किया है। इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। नडाल वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम बार 2024 में खेले थे पर इसमें वह पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे। उनके नाम चारों ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। नडाल ने पुरुष टेनिस में सबसे अधिक 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसमें 14 फ्रेंच ओपन दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो विम्बलन खिताब के अलावा 4 अमेरिकी ओपन खिताब हैं। इसके अलावा उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा एटीपी टूर्नामेंट खिताब- 92 एकल खिताब, जिसमें 36 मास्टर्स 1000 खिताब और 23 एटीपी 500 खिताब शामिल हैं। डेविस कप- स्पेन के लिए 5 बार (2004, 2008, 2009, 2011, 2019) डेविस कप जीता। वह 209 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 रहे, पहली बार 2008 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

अर्जुन बाबुता गोल्ड से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

लीमा (पेरू) (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया।

आचार संहिता का उल्लंघन, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर लगा जुर्माना

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में जुर्माना लगा है। आईपीएल प्रबंधन की ओर से जारी बयान के अनुसार शुभमन पर ये जुर्माना धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। गुजरात टाइटंस का इस सत्र में धीमी ओवर गति को लेकर ये पहला अपराध था। इसलिए शुभमन पर केवल 12 लाख रुपये जुर्माना ही लगाया गया है। इस सत्र में ये छठी बार है जब धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। वहीं राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु व गुजरात टाटइंस पर एक-एक बार जुर्माना लगाया गया है। इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए जगाया जाना वाला मैच प्रतिबंध का नियम हटा लिया गया है। अब केवल नकारात्मक अंक और जुर्माना लगाया जाएगा। इस मैच में गुजरात की टीम ने जोस जोस बटलर की 97 रनों की शानदार पारी से दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया।

यॉर्कर फेंकना जारी रखूंगा, यह मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद है : आवेश खान

जयपुर (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमशः पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा।

आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है।'

आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके 8 विकेट बचे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं गेंदबाजी के लिए आता हूं तो किसी तरह के दबाव में नहीं रहता हूं। मैं जो भी गेंद करता हूं उस पर पूरा भरोसा रखता हूं।'

आवेश ने कहा, 'आईपीएल में बड़े स्कोर बन रहे हैं और गेंदबाज काफी रन दे रहे हैं। पहले ओवर में मैंने भी 13 रन दिए लेकिन मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करता हूं और अपनी रणनीति को सही तरह से लागू करने पर ध्यान देता हूं।'

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि 18वें ओवर में यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के आउट होने से लखनऊ को काफी फायदा मिला क्योंकि इससे डेथ ओवरों में दो नए बल्लेबाज क्रीज पर थे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई नया बल्लेबाज आता है, तो उसके लिए यह इतना आसान नहीं होता है। नए बल्लेबाज के लिए किसी भी स्थिति में आना मुश्किल होता है, खासकर जब गेंद थोड़ी नीचे रह रही हो।'

मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज ने कहा कि जब डेविड मिलर ने शुभम दुबे का कैच छोड़ा तो वह थोड़ा तनाव में थे। दुबे ने दो रन लिए जबकि रॉयल्स को जीत के लिए आखिरी गेंद पर चार रन चाहिए थे। आवेश ने कहा, 'जैसे ही गेंद हवा में गई तो मैं सोच रहा था कि मिलर इसे पकड़ लेंगे। वह पूरी तरह से गेंद के नीचे थे। लेकिन जब कैच छूट गया तो मैं थोड़ा निराश हो गया। लेकिन मुझे आखिरी गेंद पर चार रन बचाने का भरोसा था।'

आवेश ने कहा कि वह रोमांचक जीत का जश्न नहीं मना सके क्योंकि दुबे का शॉट फील्डर के पास जाने से पहले उनके टखने पर लगा था। उन्होंने कहा, 'मुझे जश्न मनाने का मौका भी नहीं मिला। शुरू में मुझे लगा कि गेंद मेरी हड्डी पर लगी है। मैं आसमान की तरफ देख रहा था और मुझे अपनी आंखें बंद करनी पड़ी।'

असम में दिल दहला देने वाली वारदात : पत्नी का सिर काटकर साइकिल से थाने पहुंचा पति

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के चिरांग जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी बितीश हाजोंग ने पत्नी बैजंती हाजोंग का सिर काटकर साइकिल की टोकरी में रखा और सीधे पुलिस थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। यह भयावह वारदात शनिवार रात को हुई। पुलिस के मुताबिक, बितीश एक दिहाड़ी मजदूर है। वह रोज की तरह शनिवार को भी मजदूरी करने के बाद अपने घर आया। इसी बीच पत्नी से विवाद हो गया। विवाद पहले भी होता था, लेकिन इस बार घर में झगड़ा इतना बढ़ गया कि उसने धारदार हथियार से पत्नी का सिर धड़ से ही अलग कर दिया। इसके बाद वह साइकिल से करीब 7 किलोमीटर दूर पुलिस थाने पहुंचा, और थाने में मौजूद अधिकारियों को कटी हुई गर्दन दिखाई, जिससे पूरे थाने में सनसनी फैल गई। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना था कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। हर रोज किसी न किसी बात पर बहस होती थी। लेकिन किसी ने सोचा भी नहीं था कि बात इतनी खतरनाक मोड़ ले लेगी। चिरांग की एएसपी रश्मि रेखा शर्मा ने बताया, कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। जांच जारी है।

साइबर ठगी : तकनीकी विकास के साथ बढ़ती चुनौतिया

- दुनिया में हर सेकेंड 1.63 करोड़ की साइबर ठगी, भारत में 6 साल में 42 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट और तकनीक ने हमारे जीवन को आसान और सरल बना दिया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर ठगों ने भी नए धरातल पर कब्जा जमा लिया है। 2024 में दुनिया भर में साइबर ठगों ने 498 लाख करोड़ से अधिक की चपत लगाई। यानी, हर सेकेंड में 1.63 करोड़ की ठगी हो रही है। भारत में भी स्थिति चिंताजनक है, 2023 में 9.2 लाख से अधिक शिकायतें आईं, जिनमें 6 हजार करोड़ का घातक चपत हुआ। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार साइबर ठगी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। इसमें तकनीकी सुविधाएं ही नहीं, बल्कि आर्थिक और कानूनी चुनौतियाँ भी शामिल हैं। साइबर ठगों द्वारा ठगी की रकम की लॉन्ड्रिंग के लिए मनी म्यूल, क्रिप्टोकरेंसी और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल हो रहा है। सरकारें भी इस मामले पर ध्यान दे रही हैं। साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वे अरबों रुपये खर्च कर रही हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चिंताजनक आंकड़ों की चेतावनी दी है, 2025 में भारतीयों से .2 लाख करोड़ से अधिक की ठगी की आशंका है। यह आंकड़ा बिहार के बजट के 50 फीसदी के बराबर है। ग्लोबल स्तर पर भी स्थिति चिंताजनक है। हर साल, 514 लाख करोड़ से अधिक की ठगबंदी व्याप्त है, जिससे साइबर अपराधी अर्थव्यवस्था को भी खतरा है। इसका मतलब है कि 2024 में दुनिया भर में साइबर क्राइम से 498 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। ये आंकड़े समझाते हैं कि साइबर अपराध कितना गंभीर मुद्दा है, और हमें सावधान रहना होगा।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी 4 नक्सली गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 4 कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इन पर कुल 40 लाख रुपए का इनाम था। गिरफ्तार नक्सलियों में सैलू मुड्डेला उर्फ रघु (20 लाख), उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला (16 लाख), झांसी तलांडी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (2-2 लाख) शामिल है। ये सभी 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार जंगल में हुए एनकाउंटर में सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल थे। सैलू 77 मामलों, अखिला 29, तलांडी 14 और मनीला 10 मामलों में शामिल रही है। सभी बम्हरागढ़ क्षेत्र में सक्रिय थे। पु ?लिस अ ?धिकारी ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान अब और तेज किया जाएगा।

कर्नाटक में बोर्ड परीक्षा की कॉपी में मिले 500-500 के नोट

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी में एसएसएलसी (कक्षा 10वीं) परीक्षा के दौरान छात्रों ने आंसर सीट में 500-500 रुपए के नोट रखकर पास कराने की गुहार लगाई। कुछ छात्रों ने लिखा, सर, चाय पी लीजिए और पास कर दीजिए। किसी ने लिखा, प्यार आगे बढ़ाना है तो पास करिए। एक छात्र ने तो यहां तक लिखा, अगर पास किया तो और पैसे दूंगा। शिक्षकों ने बताया कि आंसर सीट में कई भावनात्मक अपील की गई- जैसे माता-पिता कॉलेज नहीं भेजेंगे अगर फेल हुआ। इन घटनाओं की तस्वीरें और बातें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है।

साईं बाबा के चरणों में आस्था का भक्तिपूर्ण उपहार, भक्त ने चढ़ाया 68 लाख का स्वर्ण मुकुट

- साईं संस्थान के पास स्वर्ण मुकुटों की संख्या अब 28

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी के साईबाबा के चरणों में एक भक्त ने भक्ति की अमूल्य भेंट चढ़ाई है। बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के गुंटूर के एक भक्त ने श्री साईं बाबा के चरणों में 68 लाख रुपये मूल्य का सोने का मुकुट अर्पित किया। इस मुकुट का वजन 788.44 ग्राम है और इस पर की गई आकर्षक नक्काशी साईं के प्रति गहरी भक्ति भावना का प्रतीक है। श्री साईबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने बताया कि यह स्वर्ण मुकुट शनिवार दिनांक 19 अप्रैल को साईं चरण को अर्पित किया गया और इस नए चढ़ावे के साथ ही साईं संस्थान के पास स्वर्ण मुकुटों की संख्या अब 28 तक पहुंच गई है। आपको बताते चलें कि शिरडी सिर्फ एक तीर्थ स्थल नहीं है, यह आस्था का सागर है। जिसे कोई पार नहीं कर सकता... यहां आने वाला हर व्यक्ति अपना दर्द, अपनी आशा, अपनी प्रार्थनाएं साईं के चरणों में अर्पित करता है और बदले में, उन्हें अपने दिल में शांति और संतोष मिलता है।

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।

उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया।

यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो कुप्रबंधन की जांच कराई जाएगी।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

यादव ने दावा किया, 'जिस समय (भगदड़ के समय) ड्रोन और सीसीटीवी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय ये या तो बंद थे या बंद करा दिए गए थे। इन्होंने संगम नोज पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बताई और मृत्यु के कारण बदलने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया।'

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा, 'जो इतिहास एक दूसरे को ऊंच-नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।'

सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया। साथ ही उन्होंने 2013 में हुए प्रयागराज कुंभ मेले को लेकर हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई। अखिलेश यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने प्रयागराज आए थे।

फ्लाइट डायवर्ट होने की वजह से देर रात तक फंसे रहे सीएम अब्दुल्ला, एक्स पर निकाला गुस्सा

नई दिल्ली। जम्मू से दिल्ली आ रही उनकी फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट की स्थिति खराब होने के कारण जयपुर डायवर्ट कर दिया गया, जिससे वह देर रात तक जयपुर एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उमर अब्दुल्ला ने रात करीब 1 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सेल्फी शेयर की, जिसमें वह जयपुर एयरपोर्ट पर प्लेन की सीढ़ियों पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार रात दिल्ली हवाई अड्डे की अव्यवस्थाओं को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, दिल्ली एयरपोर्ट एक ब्लडी शिट शो है (माफ कीजिए मेरी भाषा के लिए लेकिन मैं फिलहाल विनम्र होने के मूड में नहीं हूं)। जम्मू से उड़ान भरने के तीन घंटे बाद हम जयपुर डायवर्ट हो गए और अब रात 1 बजे यहां प्लेन की सीढ़ियों पर खड़े होकर ताजी हवा ले रहा हूं। मुझे नहीं पता कि हम यहां से कब रवाना होंगे। उमर अब्दुल्ला की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और कई यूजर्स ने दिल्ली एयरपोर्ट की तैयारियों पर सवाल खड़े किए। कुछ ने मौसम को जिम्मेदार ठहराया, जबकि कई लोगों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल और समन्वय की कमी पर भी निशाना साधा। हालांकि, अब तक दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी या संबंधित एयरलाइन की ओर से इस डायवर्जन पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक, खराब मौसम या रनवे कंजेशन इस डायवर्जन का कारण हो सकता है। यह पहली बार नहीं है जब उमर अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से किसी सेवा या प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की हो।

हैप्पी पसिया से उप्र पुलिस पूछेगी महाकुंभ पर हमले का प्लान

लखनऊ (एजेंसी)। अमेरिका से गिरफ्तार पुलिस कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पसिया से पूछताछ के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस भी सवाल लेकर बैठी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, लाजर मसीह की गिरफ्तारी के बाद की गई पूछताछ में हैप्पी पसिया का नाम सामने आया था। एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने इस बात की पुष्टि की है और कहा है कि हरप्रीत को भारत लाए जाने के बाद यूपी पुलिस भी उससे पूछताछ करेगी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने दावा किया है कि गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकवादी नेता ने महाकुंभ पर हमले की भी योजना बनाई थी।

उत्तर प्रदेश पुलिस कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पसिया से पूछताछ की तैयारी में है। उसका नाम मार्च में कौशांबी जिले से गिरफ्तार किए गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक कथित ऑपरेटिव लाजर मसीह की पूछताछ के दौरान सामने आया था। हरप्रीत सिंह पंजाब में आतंकी गतिविधियों से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। उसे हाल ही में अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। भारतीय एजेंसियों, खासकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की रडार पर रहे हरप्रीत पर 10 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस का दावा है कि मसीह प्रयागराज में संपन्न हुए 45 दिवसीय महाकुंभ के दौरान आतंकी हमले की योजना बना रहा था, जो 26 फरवरी को समाप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि मसीह पिछले वर्ष सितंबर में पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था और तभी से उस पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही हैप्पी पसिया को भारत लाया जाएगा, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जाएगी ताकि उसके आतंकी नेटवर्क और बीकेआई से जुड़ाव की गहराई से जांच की जा सके। लाजर मसीह अमृतसर का रहने वाला है। उस पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सक्रिय सदस्य होने का आरोप है। यह संगठन पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े होने के लिए कुख्यात है। मसीह को मार्च में एसटीएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कौशांबी के कोखराज क्षेत्र से पकड़ा गया था। गिरफ्तारी के समय उसके पास से ग्रेनेड, जिलेटिन रॉड, डेटोनेटर और एक पिस्तौल बरामद की गई थी।

उद्धव और राज ठाकरे साथ आएंगे तो होगी खुशी: फडणवीस

राउत ने रखी शर्त कहा- राज यूबीटी दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे फिर एक साथ आ सकते हैं। इस पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर दोनों साथ आते हैं तो हमें खुशी होगी। मतभेद मिटाना अच्छी बात है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को इस बात का संकेत दिए थे। राज ठाकरे ने कहा था कि हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं।

महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने एक यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कहीं। राज से उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि किसी बड़े मकसद के आगे हमारे बीच की लड़ाइयां छोटी हैं। वहीं उद्धव का भी रिएक्शन सामने आया है, उन्होंने कहा कि मेरी तरफ से कभी कोई झगड़ा था ही नहीं। हालांकि राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गठबंधन को लेकर शर्त रखी है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि उद्धव शर्त के साथ राज से बातचीत को तैयार हैं, अगर राज ठाकरे महाराष्ट्र और शिवसेना (यूबीटी) के दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें। वहीं शिवसेना नेता नरेश म्हस्के ने उद्धव से पूछा कि जब उन्होंने खुद राज को पार्टी से अलग किया तो अब एकजुटता की बात क्यों कर रहे हैं? वहीं नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि दोनों भाई हैं, लेकिन उनकी राजनीति अलग है। अगर साथ आना है तो आमने-सामने बात होनी चाहिए, टीवी पर नहीं।

राज ठाकरे ने शिवसेना में उद्धव को उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद 27 नवंबर 2005 को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अपनी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे अब एक बार फिर राज ठाकरे ने उद्धव के साथ आने की इच्छा जाहिर की है।

उद्धव ठाकरे पर नितेश राण ने साधा निशाना, पत्नी का नाम लेकर पूछा ये सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने राज ठाकरे के साथ उद्धव ठाकरे की सुलह की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर कटाक्ष किया है। राणे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख से पूछा कि राज के बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे से सलाह ली थी। राणे ने एक हिंदी समाचार चैनल से बातचीत में कहा, 'आपको उद्धव ठाकरे से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने मनसे के साथ हाथ मिलाने से पहले रश्मि ठाकरे की अनुमति ली है। ऐसे फैसलों में उनकी राय अधिक मायने रखती है।' मंत्री ने आरोप लगाया कि यह रश्मि ठाकरे ने ही राज ठाकरे को शिवसेना से बाहर निकालने में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि उस समय दोनों चचेरे भाइयों के बीच कोई बड़ा मतभेद नहीं था। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की संभावना पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जोरदार जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, 'इसलिए हम उनके बीच किसी गठबंधन को लेकर चिंतित नहीं हैं।' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के फिर से साथ आने की संभावना का स्वागत किया और इसे एक सकारात्मक कदम बताया। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, 'अगर दोनों साथ आते हैं, तो हमें खुशी होगी। अगर लोग अपने मतभेद सुलझा लेते हैं, तो यह अच्छी बात है। मैं इसके बारे में और क्या कह सकता हूं?'

निशिकांत दुबे के बयान पर भड़के ओवैसी बोले- ये तो सुप्रीम को धार्मिक युद्ध की धमकी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि उन लोगों को नहीं मालूम की अनुच्छेद 142 क्या है। ये वो अनुच्छेद है जिसे खुद डॉ अंबेडकर ने तैयार किया था। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के समर्थक इतने ज्यादा कट्टरपंथी हो गए हैं कि वे अब खुले आम न्यायपालिका को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रहे हैं। सांसद निशिकांत के इस बयान से भारतीय जनता पार्टी ने खुद को किनारे कर लिया है। अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि पार्टी का इस बयान से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन सांसदों को आगे से ऐसा बयान न देने के लिए निर्देशित किया गया है।

ओवैसी ने सीधा पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी अगर आप इन लोगों को नहीं रोकेंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। देश आपको माफ नहीं करेगा और कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे।

निशिकांत दुबे के बयान पर लगभग सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता बीवी श्रीनिवास ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा, निशिकांत दुबे जैसे उपद्रवी सांसदों में अपने आकाओं के आदेश के बिना सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं है। नड्डा, आप कब तक राम बोलकर छुरा घोपेंगे? भाजपा के नेताओं पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा, आप लोग (भाजपा) ट्यूबलाइट हैं। इस तरह से अदालत को धमका रहे हैं। क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने तैयार किया था। भाजपा धोखाधड़ी कर ही है और धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही है। आपको बता दें कि अनुच्छेद 142 के प्रावधान के तहत सुप्रीम कोर्ट अपने समक्ष आए किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार होता है।

ये थे निशिकांत दुबे के बोल

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश पर गृह युद्ध को भड़काने का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए दुबे न कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।उन्होंने कहा,सुप्रीम कोर्ट का एक ही उद्देश्य है कि तुम मुझे चेहरा दिखाओ.. मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा है। अगर हर चीज सुप्रीम कोर्ट में ही तय होनी है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा: गुस्से में बोलीं ममता फूट डालकर राज करना चाहती है भाजपा-आरएसएस

कोलकाता (एजेंसी)। राज्य की जनता के लिए लिखे एक शांति पत्र में ममता ने वक्फ विधेयक के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि वहां जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था लेकिन आज राज्य की विपक्षी पार्टियां उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का इस्तेमाल अपनी राजनीति के लिए कर रहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी और संघ जिस विभाजनकारी राजनीति का खेल खेलने की योजना बना रहे हैं वह बहुत ही भयावह है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के ऊपर मुर्शिदाबाद हिंसा का इस्तेमाल करके फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए सीएम ममता ने कहा कि राज्य में भाजपा और उसके सहयोगी बहुत ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। यह पूरे राज्य में भ्रामक और झूठा अभियान चला रहे हैं।अपने पत्र में ममता ने राज्य की जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य में सांप्रदायिक दंगों में शामिल सभी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से आपस में भरोसा रखने और आपसी अविश्वास से बचने का आग्रह किया। ममता ने लिखा, उन लोगों ने मुख्य रूप से रामनवमी के दिन आग से खेलने की योजना बनाई थी लेकिन पश्चिम बंगाल में रामनवमी का उत्सव बेहद ही शांतिपूर्ण रहा। इसके बाद जब केंद्र सरकार जब वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आई तो इसके खिलाफ आंदोलन से संबंधित कुछ मामलों का हिंसात्मक उपयोग करने की कोशिश की गई।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी और उसकी सहयोगी पार्टियों पर हिंदू धर्म को अपने राजनैतिक एजेंडे के नाम पर बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का धर्म भारत का सार्वभौमिक धर्म है।

राजस्थान समेत कई राज्यों में झुलसाने वाली भीषण गर्मी से राहत दिलाएगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)।राजस्थान सहित कई राज्यों भीषण गर्मी और तपन का दौर चला रहा है। अधिकतर हिस्सों में हीटवेव का प्रकोप नजर आने लगा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ समेत देश के बड़े हिस्से में हीटवेव बनी रहेगी। वहीं राजधानी दिल्ली में हल्के बादल छाए रहेंगे। तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से 20 अप्रैल को बारिश के आसार हैं। तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। उत्तराखंडी की बात करें तो कई जगहों पर हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश और ओडिशा के कई हिस्सों में ओले गिरने की संभावना है।

20 और 21 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उत्तर प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर गर्मी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रात का तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। फिलहाल बारिश या तापमान से राहत की कोई संभावना नहीं है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में अगले तीन-चार दिन लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। मध्य महाराष्ट्र में आर्द्रता की वजह से उमस रहेगी। राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर, चुरु और अन्य कई जिलों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सबसे ज्यादा तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। 24 घंटे में ही तापमान में इतनी बढ़ोतरी दर्ज की गई जो कि सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।मौसम विभाग की भविष्यवाणी की मानें तो आने वाले दिनों में दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हवाओं की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा रह सकती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**